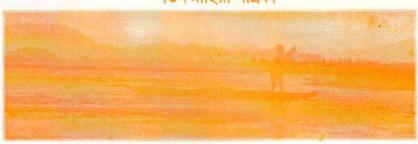


তিন মাহিয়া পত্রিকা





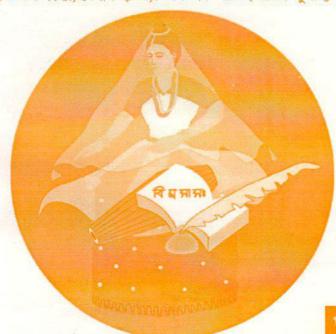
বিষ্ণপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা, আসাম

২য় বছর, ৪র্থ ও ৫ম সংখ্যা, বৈশাখ-হাওন,১৪১১ সন - ১৬ ই এপ্রিল-জুলাই, ২০০৪ ইংরেজী









শুভ উদ্বোধন, ১লা হাওন, ১৪১০ সন 'হিমা ঠার পৃঞ্চি পালক"- মণীন্দ্র, ১৯৯৯ ইং









The first ever magazine in Bishnupriya Manipuri language from Sahitya sabha.

মুখ্য সম্পাদক শ্রীগোপেন্দ্র কুমার সিংহ, ফোন ঃ ০৩৮৪২ - ২৬৪৮৫৪ পত্রিকার দাম রূপা - ৪০ হান ডাক্ মাণ্ডল রূপা - ১০্ হান



চেয়্যারম্যান ৰোৰ্ড অব্ মেনেজম্যান্ট শ্রীমণীন্দ্র কুমার সিংহ ফোন ঃ ০৩৬১ - ২৫১৪০৪১ ०७४८२ - ६२५२७

Bishnupriya Manipuri Sahitya Sabha Patrika. A quarterly magazine in Bishnupriya Manipuri language published by the Bishnupriya Manipuri Sahitya Sabha.

H.O. Kathal Road, Zero Point Lane, Silchar-788005, Assam, Phone-03842-241140
Printed at: The Choudhury Printers, Tarapur, Silchar and Angelica Imprint, Ganeshguri, Guwahati. Cover Designed by: Shri Shankar Sinha, Net Education Brotherhood, Rajgarh Road, Guwahati-781007

সম্পাদক মণ্ডলী:

মুখ্য সম্পাদক - গোপেন্দ্র কুমারসিংহ, এ.চি.এচ (অবসরপ্রাপ্ত) সম্পাদক (নটিক, গল্প, উপন্যাস) - ইন্দ্রকুমার সিংহ, নরসিংস্কৃর সম্পাদক (কবিতা) - নবেন্দ্র চন্দ্র সিংহ, সিঙ্গারী, শিকার কোবাধ্যক্ষ - অনিল কুমার সিংহ, বের্ঘটি, শিকার

পরিচালক মণ্ডলী

চেয়াক্রমান - মণীন্দ্র কুমার সিংহ, আইএফ.এচ (অৱসরপ্রাপ্ত), গুৱাহাটী সঞ্চালক (পরিবঙ্কনা) - ডা০ অশোক কুমার সিংহ সঞ্চালক (প্রচার) - মণিকান্ত সিংহ, বি.এচ.চি, বি.এড সচিব (বাণিজ্য) - শ্রীসুরেন্দ্র কুমার সিংহ, কাঠাল বোড, শিলচর সহঃ সচিব - শ্রীভানু সিংহ, তারাপুর, শিলচর

উপদেষ্টা মণ্ডলী -

ডঃ কালীপ্রসাদ সিংহ, পি.এইচ.ডি, ডি.লিট.
অধ্যাপক বিমল কৃষ্ণ সিংহ, এম.এম.সি.
শ্রীসুশীলকুমার সিংহ, সঞ্চালক (প্রাক্তন), SCERT, নাগালেও
অধ্যাপক বাবীন্দ্র কুমার সিংহ, এম.এ., বি.এড
শ্রীরঞ্জিত সিংহ, শিক্ষক, দুর্লুভছ্ড
শ্রীমতী সুখড়োতি সিংহ, এম.এ.(ডাকল) এল.এল.বি,প্রাক্তন রাজ্যিক বিষয়া, সমাজ কল্যাণ

অধ্যক্ষরজেন্দ্র কুমার সিংহ এম.এ. অধ্যাপক নামদের সিংহ এম.এ. অধ্যাপক ডঃ নলিনী কুমার সিংহ পি.এইচ.ডি অধ্যাপক ডঃ স্মৃতি কুমার সিংহ পি.এইচ.ডি

प्रस्थापकीय

GRIPPE TO MAN

an immeditio end

ather on netar

आहिल दिनाथ । अलिएमक जेल ১৪১১ भनत । পूताना दছतत क्रमिस्मिला विषास जारनरैसात । ১৪১० भन आमात मरन हित्रपात्रभीस जेमा शाक । छिन मारिसा विमूष्टिया मणिभूत्री भारिछा भला, आभाम, পত्रिकारानत्त जनमिसा, পোষण-भाणन कत्रिसा लामा जननीत भ्रवाछ त्रकी कित्रमा, नुमा दहत्रतार लातरान भिण्कत्त मिसा, विषास निण्शा ।

नूमा रहतत शर्मिक अष्ठामण जान्यमात । नाणिमात गाछि। गाछ-यत, गरत-नगत, जात त्या-नूणूनीत्म गाछि वाति वरिमा आनिमा, हिंग पिमा, छिएडेमा रेएकितिमा थ पिमा एक । पृत्वेर अक, पृश्य-निताणा-विमाप, विद्यहण । पृत्वेर अक, वांथा-विभछि, छभाक्रिष्ठ छछा धृणि, निःशीम गूणा आकारण, तिणायत पृणी-यथाम आवर्षिमा, आरणाड़िमा साकारत्रस्मा, शृष्टिमा भाष्टिमा। भारत्रिक, नीण नछछरण, हाश्या-रूजीहिनि, गाछि वाति-निक छेन्नणी आहण। ज्वा-न्यूण-छक्-हेि हिछाम विकण, लक्ष लक्ष तिमाशा-त्वेर्चूनि, धृमजाका जमार्रेभारिष्ठमा, प्रका गाछित धृम। पद्म अक, शिक्षा-निन्ना-क्षम। हािन जेमा छए मामा, विर्ण्य-छात्ना तािन तािन। अपृण्य नृर्ह्या मछ, व्यवदीन निपान्त्रण माणानकात रण रण कता त्यांत्म, पृत्वेर अ-याक्शा, अख्यत माणिना-कािना यह। जाश्यादक आणिमात कािना रणाज्यात जिल्हा । भूक करत्याक्क, णाज-जम-छात्म पर । जाश्यादक आणिमात कािना रणाज्यात जिल्हा ।

वाता नश्क वाँभि। वाता भूषेक शशि। आँक एक, कछाणा निन्नाण, शानान छिने, विमानकान छाणा आर्टन शानान मिछाण। आम १२ नजून आम, णांभ करन आम, छान भूथ छान थणा, छान छाण छान नाहा। नृमा थाण आरन एन, आगान छामान। छेछान पिकाण, शृन्नत्व-शिकाम थ थाछिएछ शिथाछ, भाना ज्ञानाक, भिछानिमा थाक, नाणिकमा थाक शानोसम छान स्मर-ममछान नाशी छानाक।

िल-निगल, भारक छंदा छंदा, लाया छंठेक याह-यश-विण-भागत भारिया। छिलान-छिरिछिः, मश्क-नाम्णाक, भद्ध-भूष्णका, लक्ष्णायावत छंठेक राजिया। दानात लाया वाणक ज्ञार राणिया। एष्प-एष्णाख्यत, छंयाम-भागाणा-मूळ व्याद्य, भूषागळ प्रयुत्र लाया प्राप्त, व्रह्मक, व्रिह्मक। नृया ना भूताना, अएष्प-विष्क्षण, भूग्रम-पूर्णम, युजािल-विजािल, प्राप्तरे-प्रभादा आहि लाया प्राप्त रिव नत-नाती, उँठ-नीठ आलूत-भिलूत, एष्टिता-वता, पूण-वाणा, थाणातरे, वाह तरे, व्यरभाष्य, आणिकाल, छंदा, कत्रक राविलातः। रुपाक यात यता, व्रहाय, भर्वत्छ, क्ष्मातः। अलीका अनाहादा अनिष्ठिछ खियालत लाय छात्र, वर्षमानत्र विहादा, विश्ववाणी निम्नाताल निश्चक, निष्क्षण शिकाल, लायाप्तात, ज्ञाल एक, जीवनत अक्षीवनी भूषा। दि विश्वास, ज्ञात क्षि-प्रारंभूण दिवत एष्टा क्षारात्वरे, ज्ञूण, क्षिणागाद्य, अक्षानत निष्कृ-आषात-अत्या-अहंगी। आय विज्ञ्लाहित्सण, वताद्य विज्ञ निनाद्य, कर्न-विवद्य, लायात्र अप्राप्त प्रयुक्तान। आय अणिन-अश्वरूत, प्रणाद्य क्षिलिह आहि, पियाद्य पृष्टि नियादा। यो जिलि करेया भूषिवी परशाद, कर्म पृष्ठ अर्था श्री । एरका, रात्रभाका, द्याप्तरात्त भावत, प्राप्तात कार्यात, युद्ध आहि। एरका, रात्रभाका, द्याप्तरात भावत, भूषिवी परशाद, कर्म प्राप्त अर्था विज्ञ अर्थूत। भियका, अल्यत ज्ञाहत अर्थित भूषिवीत माहात कार्यन, युद्ध आर्थन त्राप्त विज्ञ अर्थूत। भियका, अल्यत ज्ञाहत अर्थित अर्थितीत माहात कार्यन, युद्ध आर्थन व्याद्य विज्ञ अर्थूत। भियका, अल्यत ज्ञाहत अर्थितीन व्याद्य विज्ञ अर्थूत। भियका, अल्यत ज्ञाहत अर्थितीन विज्ञ कार्यन विज्ञ कार्यन, युद्ध आर्थन अर्थितीन विज्ञ कार्यन, युद्ध आर्थन अर्थितीन विज्ञ विज्ञ

অস্তর জীৰন রপ ধারা। দেহকা, আহি-পটমেলে, নব পত্র-পুষ্পদলে, ঠারে ঠারে, খুটে আছে, রৌদ্রকরোজ্জ্বলে পুলিকিত প্রেম পুধা রপময় পুখর হপনে মাঠিয়াছে, পদাহাপি এ বপুশ্ধরা। অশেষ বর্ষণে, পড়ের আনন্দরপ, কতশতরূপে, নানাদিকে নানা দিশে বিচিত্র আনন্দ ছবি, তোর নবনব হৃদয়র রঙে, আঁকা আছে, আকাশ ধরণীতলে, বিয়ানকার আলোর মিঙ্গালে। রঞ্জিয়া আছে, নব বৈশাখে, নব বপুধা, পহস্র পুখে। প্রাণস্লোতে জীবন-পমাজ, করেদেছে পর্ববান্ধ পুন্দর।

य नुमा यहात, यािलमा लएगा वित्थ, पाल, मरापाल, पृत-पृताखात। छिलागा खगळत खािछिम्न अमाद्ध। पूर्गम, पूर्गछि, विठा आहि धतिवी मासादा। कि लिख नाथासा आत मालकत छेदा। विहाद्धिमा क्रिया कि लिख नाल होता। नुमा आणा तृकतृद्ध, लाश्काल लाष्ट्रलल हिराप, दूढि स्पर्रेगा खीवन-अश्चाम। यत्र यद्ध, गांड यद्ध, हाद्धे विश्व-अश्मादा। वादिमा छिदमा कि ते नुप्ति। विव्वत्य कि ते आत्मात्व। यहाँ मार्थि, पूल-पाह राविषात, मूळ करताह खामादा। आरि माला राह्य कि लाशिमा लादा लादा मिलाता कृम्लिंद्रल कृम्लिर । छेद्धेमा पाहिशा कि तृत्व कर्ताह, यनाक्ति मार्थि, पूछ करताह, यन-स्पात-यहा। रेडाल हाल करतापह गणन मण्या, राखा पाह पूछ पूछ त्रल। पा जिलिदकरेमा, काला मि कि कि कि कि कामा। आहे लथ, पृद्धे कि प्रात्वे कि लाह लथन आहिल वाथा। आहे लथ, पृद्धे कि, श्रीवी आखि कामा।

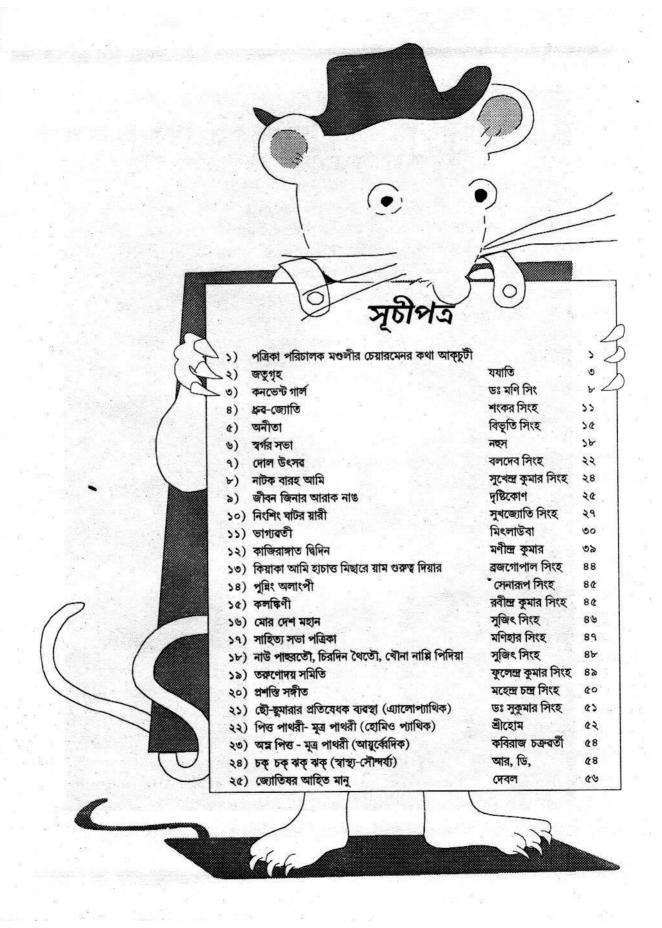
যেপথে, অনন্তলোকে, যুগ যুগ ধরে, বজ্রালোকে, চলেছি মনুষ্যহানি, মহা মরণরে করিয়া জয়, ঔপথ, আমারতাউ পথ। আজি বৈশাখে জাগ, উঠ, ত্যজ নিদ্রা। হাট বাইরে নৃয়া এ বছরে, খুলিয়া দোয়ার। পড়িয়া থাক, ধর–বাড়ী, দায়া-দোহ, আজীয় কুটুম, জঞ্জাল। আকদিন, আয়া পিছে, দিতাঙ্জাই পামাল। ডাহের বৈশাখ, আলিয়া আঠুম্পা ধুম, বেলেইয়া উঠিয়া চেই, খলে খুলে বুজে আছে বিয়ানকার বিশ্বর নন্দন–কানন।

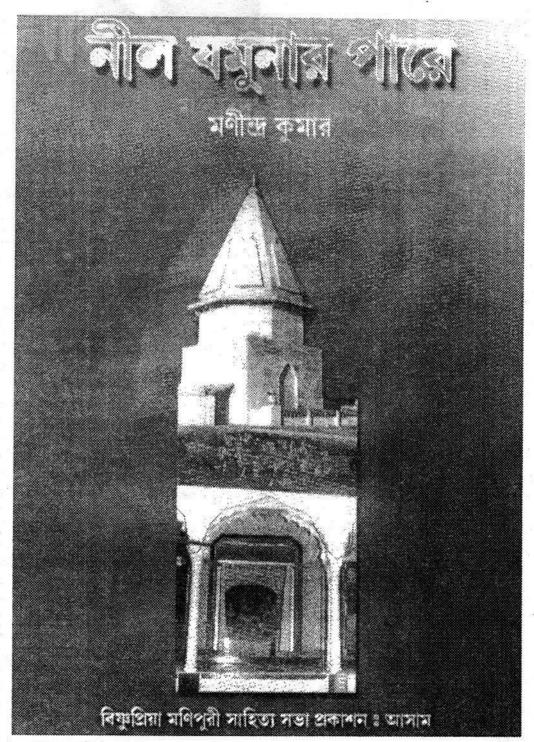
প্रतिश्रंत पथ शालाप भूलत नारिं। कर्षेक कितिष्ठी। कर्षेकाकीर्प ताज भिश्शंभन। कर्षेकितन कर्षेकम्। मशाभाष्मत्रका इक शतकाङ भाष्मप स्थामानीर्द्ध लागरिं। ना जानिमा नार्षे श्रुद्धत। श्रुप्त प्रिण पूजूतिमार्द्ध जीवन पिण गृन लत्न। कविश्यक्त त्रविशेक्दत लाता मार्द्धारू

> 'জীৰন পপিয়া জীৰনেশ্বর পেতে হবে তব পরিচয় তোমার ডঙ্কা হবেমে বাজাতে পকল শঙ্কা করি জয়।'

নুমা বছরর হিমাভরা পাদর প্রস্তামণ হাবিরে জানেইয়ার।

শিলচর ১লা বৈশাখ, ১৪১১ সন। শ্রীগোপেব্রু কুমার সিংহ এ,সি,এচ (অবঃ প্রাপ্ত) মুখ্য সম্পাদক





ঁপুণ্ডৰীকাক্ষ শৰ্ম্মাৰ জীবনী বারো বৃন্দাবন পরিক্রমাৰ যারী পাকরিক

তিনুমাহীয়া বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা, আসাম, পত্রিকার পয়লা বছর পৃর্তিত পত্রিকার পরিচালক মণ্ডলীর চেয়ারম্যানর কথা আকচুটী

এহান বেমিশাল সেত্যহান - তিন মাহিয়া পত্রিকা, বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা, আসাম, প্রকাশ করাণিরকা আমার চাংখল বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সমাজে আমারে না মাতেছি। এহানৌ সেত্যহান - বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্যিক গিরিগাথানীয়ে সাহিত্য সভায় পত্রিকা নিকাললে লেখা দিতাঙাই বুলিয়া না মাতেছি। এহানৌ নির্জলা সেত্যহান - বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভার কোন কর্ম্মকর্তা বা সদস্যয় বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভার পক্ষেত্ব পত্রিকা আহান নিকালানির কা নামাতেছি। এহানৌ অতি সেত্যকথাহান — আমার সাহিত্য সভার কোন আঞ্চলিক কমিটিয়ে পত্রিকাহানর বিলি বন্টনর দায়িত্ব নিতাঙাইগা বুলিয়া নামাতেছি। আরাকৌ আরূপী কথাহান - বিশ্বব্যাপী ছড়েইয়া ছিতারেইয়া আছি আমার বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী কোন ব্যক্তি বিশেষে, আমার সাহিত্য সভারে বা সাহিত্য সভার কোন কর্ম্মকর্ত্তারে, বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী ভাষা চর্চ্চারকা, ভাষার বিকাশ, বিস্তার বারো উন্নতিরকা, বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী ভাষার পত্রিকা আহান নিকালানি লাগের বুলিয়া না মাতেছি।

১৯৯৯ ইংরেজীৎ বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভার তদানিন্তন সভাপতি শ্রীযুক্ত মণিকান্ত সিংহ গিরকে (ভকতপুর) জোর করিয়া মোরে তাঁর সাহিত্য সভার কার্য্যকরী সভাপতি করিয়া লাঙ্গলর জোয়লহান মোর লেম্পালে পিদাদেছিল। ১৩ই জুলাই ২০০৩ ইংরেজীৎ যেদিন মোরে সাহিত্য সভার সভাপতি পাতেছিলা, উদিন এহান মাতিয়াই মি সাহিত্য সভার সভাপতির পদফাম স্বীকার করেছিল, -'মোরে সভাপতি পাৎলে, সাহিত্যর শ্রীবৃদ্ধিরকা পত্রিকা আহান নিকালানি লাগতৈ। সাহিত্য, কলা, সংস্কৃতি বারো ভাষা ছাড়া অন্য কোন সামাজিক কর্ম্মে সাহিত্য সভা আত নাদতৈ। সাহিত্য সভা, সমাজর কোন সংস্থা, সভা, সমিতির পরিপন্থী বা প্রতিদ্বন্দ্বী নাইতৈ।

এ পরিস্থিতিত, তিন মাহিয়া পত্রিকা, বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা, আসাম ১ লা হাওন, ১৪১০ সনে জরম অছিল। সাহিত্য সভায় দেছিলা কথাহানি অতি স্বতনে অক্ষরে অক্ষরে পালন করেছি।

অতি হারৌপা কথাহানি, অতি গর্ব্ব-গৌরবর কথাহানি, আমার বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী, সমাজ-প্রেমী, সাহিত্য-প্রেমী, সজাত্যাভিমানী, (ইমাঠাররকা) সর্ব্বস্থ আত্মোৎসর্গকারী, ইমার-সুযোগ্য ছৌ-জিপুৎ হাবিয়ে অকুষ্ঠিতচিত্তে পত্রিকাহানরে বানা নুংশিলো গ্রহণ করলা, পাংলাক করলা। হাদিবান সাহিত্যিক গিরিগিথানীয়ে তাঁনুর মূল্যবান হাদয়গ্রাহী লেখা-গল্প, প্রবন্ধ, নাটক, রম্যরচনা, কবিতা, উপন্যাস, ছড়া, আদিলো, রূপে-রুসে-গঙ্কে-বরনে পত্রিকাহানরে হাজেইয়া তুলেদিলা। বারো সহৃদয় পাঠক পাঠিকায় হারৌ এয়া পত্রিকাহান গ্রহণ করলা। এহান অতি আশাব্যঞ্জক জাতীয় চরিত্রহান।

কিন্তু পত্রিকা পরিচালনার ক্ষেত্রে পত্রিকার পরিচালক মণ্ডলীর অশেষ ব্রুটি-বিচ্যুতি থাইল। পত্রিকাহান সময়মত ছাপেইয়া প্রকাশ করানি নুয়ারলাং। পত্রিকাহান বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরীর প্রতি গাঙে-ঘরে, শহরে-নগরে আতে আতে ফৌকরে দিয়া নুয়ারলাং। এ ব্রুটি-বিচ্যুতি হানি আমি পরিচালক মণ্ডলীয়ে মূর নঙেইয়া স্বীকার করিয়ার। পত্রিকাহান এ কারণে আঁধারে বুরে গেলেগা দায় দায়িত্ব হাবিতা পরিচালক মণ্ডলীর। বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী, গ্রাহক-গ্রাহিকা, পাঠক-পাঠিকা, লেখক-লেখিকা, ইমাঠার নিংপা, সমাজ-নিংপা, বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সমাজর নাগৈ।

এ বিচারে পত্রিকার পরিচালক মণ্ডলী ভাষা-জননীর সেবাদারী অনা মনেইলে, ভাষার শ্রীবৃদ্ধি, বিকাশ, বারো প্রসার মনেইলে,

এ ব্রুটি-বিচ্যুতি অতি সযতনে দুরেই করানি থকৈতৈ। যদি দূরেই করে নুয়ারিয়ার বারো পত্রিকাহান প্রকাশ নার, উতা ঐলে বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভার ভাবমূর্ত্তি বিনষ্ট ঐতৈ। সাহিত্য সভার ভাব-মূর্ত্তি বিনষ্ট ঐলে, সাহিত্য সভা থানা, নাথানি সমার্থক ঐতৈ। পরিচালক মণ্ডলীয়ে যেহানি করেছি প্রসংশার্হ শ্বৈনেই, কিন্তু কর্মোন্নতি বারো প্রচেষ্টার আরাকৌ ফাম আছে।

পত্রিকার মাধ্যমে ভাষাজননীর সেবার দায়িত্ব বহিয়া আমি আনন্দিত। সাহিত্য-সভা নিজরে বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সমাজর সেবার সুযোগ পেইয়া কৃতজ্ঞ ও ধন্যমনে করের। তিনমাহিয়া বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা, আসাম, পত্রিকার পরিচালক মণ্ডলীর চেয়ারম্যানে নিজর বারাৎত বারো পরিচালক মণ্ডলীর বারাৎত বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সমাজরে হাদিয়ৌপা কৃতজ্ঞতা জ্ঞাপন করের।

গুৱাহাটী ১লা বৈশাখ, ১৪১১ সন

মণীন্দ্র কুমার সিংহ চেয়ারম্যান বোর্ড অব মেনেজমেন্ট তিনমাহিয়া পত্রিকা, বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা, আসাম

ইস্কুলর লেইরিকর লগে
অন্যান্য লেইরিক, লেইছৌ, পত্রপত্রিকা পাকড়ানি হান হোভা
অভ্যাস। জ্ঞান-পিপাসা বাড়ের।
মানসিক বিকাশে পাংলাক অর
পাকড়ানির অভ্যাস আহান থাইলে



কোন সময় 'বোর' নাইয়ার।

বিশেষ করে অবসর সময়, বুড়াকাল, কারিড়ল অভ্যাস থাইলে নুঙ্গেই করে কাটের। পাকড়ানির অভ্যাস হাবিংত হোভা অভ্যাস।

জতুগৃহ

যযাতি

সমানী ব আকৃতিঃ সমানা হৃদয়ানি বঃ।
সমানমস্ত বো মনো যথা বঃ সুসহাসতি।।
ভরন্ধাজর প্রার্থনা দেওবনর বৌয়ে-বানায় ধ্বনি-প্রতিধ্বনি
ঐয়া বুলে বুলে সংগীতার কর্ণ-বিবরে হমেইলগা। কথাহানি হুনিয়া
সংগীতায় খালকরিরী সহস্র সহস্র বছর আগেউ আমার আপাবপায় ভগবানরাং প্রার্থনা করেছিলা মানুর হৃদি-মন-আশা-আকাঙ্খা,
আকতা অক্।মত আক্হান্ অক্।কিন্ত, আজিয়ৌ নাইল।সীমাহীন
আশা-আকাঙ্খা-লোভ-লালসায় এবাকাউ আমি হিংসা-দ্বন্দ্রলো
পৃথিবীহানরে অশান্ত, ভয়য়্বর করিয়া থছি।নাইলে, আমার পৃথিবী,
দেওবনর ডেকি শান্ত, কঙালা, স্নেহ- শান্তির বাসভূমি ঐলৈছ।
ভরদ্বাজে বেদাবৃত্তি করের —

কথা গ্রামং ন পৃচ্ছসি ন ত্বা ভীরিব বিন্দতি ন বা অরণ্যানির্হস্তান্চেরাভি গচ্ছতি। স্বাদোঃ ফলস্য জগ্দায় যথা কামং ন পদ্যতে।। আঞ্জন গন্ধিং সুরভিং বহুস্মাম কৃষিবলাম্। প্রাহং মৃগানাং মাতর মরণ্যানিম্ শংষিসম।।

বারণা বতর ৩০/৩২ মহিল দুরেইৎ বৈয়া জতুগৃহ দাহ অছে লাক্ষা মগুলেদে চেয়া দুঃখ করের ভরদ্বাজ। পৃথিবীর পৃষ্ঠ রূপ পরিবর্ত্তন অছে। মানুর মন পরিবর্ত্তন নাছে। সাড়ে চারি পাঁচ লিশিং বছর আগে আর্য্যখিষ, কপিল, গৌতম, কণাদ, বশিষ্ট, বেদব্যাস, যেবাকা আশ্রমে বৈয়া পৃথিবীর ঐক্য, সাম্য ভাব, শান্তির প্রার্থনা করেছিলা উবাকাউ আকবেদে হস্তিনাপুরে দুর্যোধন, ধৃতরাষ্ট্র রাজ্যলোভে, জরম জেরতাকর জীপুৎ পঞ্চ-পাশুবরে বারণাবতে জতুগৃহ হংকরিয়া জিৎ পুরিয়া মারাণির বড়যন্ত্র করেছিলা। আজিয়ৌ, রাজ্য-ধন-দৌলতর লোভে দেশে দেশে মারামারি কাটাকাটি, চলেছে। মন উর্ধগামী নাইলে আধুনিক বিজ্ঞানর বিকাশ, বিশ্ব শান্তি আনে নুয়ারতৈ। সংগীতায় মাতিরী—

- শাস্ত্র-নীতি-নিয়ম-ধর্ম-জ্ঞান, রাজনীতিত এতার ফামনেই। তি আপ্লানে খাল করে করে নিজরে হিন নাদি। হাবি-চিন্তা-ভাবনা ভগবানরাং এড়েদিয়া মহাকাল যেরূপে আহের ঔরূপে মানিয়া নেনাই যুগধর্ম। মানলে শান্তি। না মানলে অশান্তি।

ভরদ্বাজ নীলুয়া হাকহানাদে ভাহিয়া যারগা সূতার ডলা পারা বরণ চেয়া চেয়া মাতের - - 'কালরিব কুতো সংসার, বায়ুবির কুতো মেঘ।' ভীত্ময় মাতেছে কথাহানি অতি যুক্তিপূর্ণ। তোরকথা হায়হান ঐলেউ মন হানেতে হয়ভর না কারের।

হিমালয়র দশহাজার ফুট উচ দেওবনে হর-পার্ব্বতী মন্দিরর বারান্দাহানাৎ বৈয়া ভরদ্বাজ দম্পতি অন্তরে সংসারর শান্তি বিছাডতারা।ভরদ্বাজে মাতের -

- সংগীতা এপথেই পঞ্চপাশুব হস্তিনাপুরেংত স্বর্গারোহণে গেছিলাগাতা।তানু মেঘনাদ পর্ব্বত, ক্রৌঞ্চ পর্ব্বত বদরিকাশ্রম, চন্দ্রকালী পর্ব্বত, নন্দীঘোষ পর্ব্বত, সোমেশ্বর, নৈমিষ কানন, গন্ধুমাদন পর্ব্বত, শতশৃঙ্গ পর্ব্বত, কৈলাস পর্ব্বত, হৈমবতী, ঐয়া হিমালয় ঐয়া স্বর্গারোহণ করেছিতা।

ভরন্বাজ, সংগীতা বারো কৌশিক দিল্লীংত হরিদ্বার, হৃষিকেশ, লছমন্ঝুলা দর্শন করিয়া, দেরাদৃন ঐয়া চক্রাতা বেলেইয়া দেওবনে আহেছিতা।ভরদ্বাজে মাতের -

- চৈত্ররথ পর্বাত বা চক্রাতা দেরাদুনেৎত ১১ মাইল উত্তরে।
৬৯৫০ ফুট উচ্। Col. Hume, ১৮৬৬ সালে চক্রাতাৎ বৃটিশ
আর্মিরকা কেন্টনমেন্ট আগো হংকরেছিল। চক্রাতাৎত দিল্লী,
মুসৌরী, সিমলা, যানা য়াকরের। দেওকন চক্রাতাৎত ৩৬ মাইল
উত্তর-পূবে। দেওকনর ১৭ মাইল পশ্চিমে বারণা বা বারনাবর্ত্ত।
ধৃতরাষ্ট্র বারো দুর্য্যোধন গাছিয়ে ষড়যন্ত্র করিয়া বারণাবতে
লাক্ষামগুলে জতুগৃহ হংকরিয়া পুড়িয়া মারানিরকা পঞ্চপাশুব বারো
মাতা কুন্তীরে দিয়া পেঠা ছিলাতা। পঞ্চ পাশুবরে ধৃতরাষ্ট্রয় পাঁচহান গাঙ দেছিল। ইন্দ্রপ্রস্থ, কুশল, বারনানগর, সুকান্তি বারো
পাশুব নগর। বারনাবত ঔ পাচ গাঙর গাঙ আহান। কৌশিকে
ভরদ্বাজর কথার হাদিৎ মাতল -

- এ চৈত্ররথ পর্ব্বতে পাণ্ডু বারো কৃন্টীয়ে, ধর্ম্মরাজরে আরাধনা করিয়া যুর্ধিষ্ঠির; পবনদেবরে আরাধনা করিয়া ভীম; ইন্দ্ররে আরাধনা করিয়া অর্জুন, বারো কৃন্টীর আরাধনায় অক্মিনীকুমার দ্বিয়োগীরাংতো মাদ্রীয়ে নকুল, সহদেব এ পাঁচগ ছৌ পাছিল। পাণ্ডুরা নুয়ারা ঐয়া স্ত্রী-সাহচর্য্যে পাণ্ডুর মরণ অবধারিত আছিল। বংশ রক্ষারকা পাণ্ডুর য়াথাংলো কৃন্ডিয়ে দ্যৌ এতা কামনা করিয়া ছৌ পাছিলাতা । ভরদ্বাজে মাতের -

- চৈত্ররথ পর্ব্বতে স্বর্গর দ্যৌ-দুক, ইন্দ্র-বরুণ, অগ্নি, অপ্সরা,

উর্ব্বশী, মেনকা, কৈলাসেৎত হর-পার্ব্বতী, ত্রিলোক, বুলেকুরা নারদ, হাবিয়ৌ আইলা বুলেছি। আমার কাব্যে দেওবনরে এসাদে মাতেছি -

মহাবণ-দেওবন ভূবন মোহন
নিত্যকৃত্য কর তারা হাবি দেবগণ।
মহাতীর্থ দিব্যলোক স্বর্গ সমাণা
অমর কিন্নর আদি থার সর্ব্বজনা।
কবিয়ে দেওবনর প্রাকৃতিক শোভা এসাদে বর্ণনা করেছি নীল নভোমগুলঃ বিদারিণী অমলঃ ধবলঃ শৃঙ্গম
শ্বেত শুল্র কিরিটীনি হিমগিরি মগুলম।
তর্রুবর সুশোভিতঃ তন্ধীদেহাঙ্গোবসুষ্টম
হীরক-কাঞ্চন রশ্মি শশীকিরণ কমলম।
হরতি নয়নম তুষারাবৃতঃপিনোন্নত বক্ষম....।
কৌশিকে মাতের -

- দাদা, এ তিরুমল ভেঙ্কটেস্বামী অনস্তলিঙ্গম, বছরে বছরে দেওবনে আইয়া কিতা বিছাড়ার্তা।ইউনিভারসিটীর ছুটিহান ঐবতায় আহের।

সংগীতায় কথাহান কারো লৈয়া মাতিরী -

- গেল্গা কালি আঙকরতে মাতেছিল - ব্রহ্মবর্ত্ত, আর্য্যাবর্ত্ত, বহ্মবিদেশ, মধ্যদেশ দ্বতী -দ্রিশা রাজ্য, কুরু-পাঞ্চাল, ইন্দ্রপ্রস্থ, হস্থিনাপুর, ভোজ, মৎস্য, মদ্র, চেদী, কাম্বোজ, অবন্তি, গান্ধার, কাশী, মগধ, কোশল, বিদেহ, বৎস্য, হিরান্তি, একচক্রা, কৌসুন্তী, বিরাট, এতা বৈদিক যুগর কতি আগেৎত আছেতা এহান হারপানী মনার। ঋকবেদ, অথর্ব্ববেদ, ছান্দোগ্য, চরক, শ্রুতি স্মৃতি, পুরাণ মনু, ভগবদ্ পুরাণ, সূর্য্যবংশ, চন্দ্রবংশ, ভরতবংশ, কুরুবংশ, পুরুবংশ, এতার সামঞ্জয্য, যোগসূত্র, নিদর্শন বিছাড়ার। কৌশিকে মাতের -

- খৃঃ পূবর্ব ১৪ই অক্টোবর ২৪৪৯ অব্দে করুক্ষেত্রর যুদ্ধহান অছেবুল্তারা। মাঘ শীর্ষ মাসে, মঘানক্ষত্রে যুদ্ধ যাত্রা অছিল বুলেছি।এবেদে, শুতি, স্মৃতি, ঋক্, অথবর্ববেদ ১২০০-১০০০ বছর খঃ পূর্বাব্দে ইকরেছি বুলতারা।আকতায় গৌতমর ন্যায়শাস্ত্র, কপিলর সাংখ্য দর্শন, পতঞ্জলীর যোগ, কনাদর বৈশেষক, জৈমিনীর পূবর্ব মীমাংসা, বেদব্যাসর উত্তর মীমাংসা, বেদাঙ্গ, পানিনী অষ্টাধ্যায়ী, সূরত সূত্র, ধর্ম্ম সূত্র, বর্ণশ্রেম, এতা ৭০০-২০০ খৃষ্ট পূর্ববাদে ইকরেছিলা মাৎতারা।বালগঙ্গাধর তিলক, জাকবী, গাছিয়ে ৬০০০-৫০০ খৃষ্ট পূর্ববাদ্দ বুলিয়া মাৎতারা।আরকিও লজিকেল গবেষণায় কুরুক্ষেত্র যুদ্ধ খৃঃপৃঃ ১৫০০-৯০০ বছর আগে অছিল বুল্তারা।

বৈদিক যুগর দৃশাদবতীর সরস্বতী এবাকা নেই।নাঙ, সাৎ, পরিবর্জন ঐতে ঐতে খেইচা খেইপক, জোড়াতালি দিতে দিতে বৈদিক যুগর রাজ্য, জনপদ আকতারউ চিন্ ছাপ নেই। অত সহজ ঐব নিঙনাকর্মরী। সংগীতায় মাতিরী- পঞ্চ-পাশুবর স্বর্গারোহণর কথা অনন্ত লিঙ্গমরাংত ছনবাং নাই। কৌশিকে, ভরদ্বাজে কথাহান য়্যাকরলা। আইব কালি বেলুকা ৩ বাজি, বুলিয়া সময়হান ঠিক করিয়া, তিরুমল ভেঙ্কটেস্বামী অনন্ত লিঙ্গমরে জানানীর ভারহান কনাক পারা, কৌশকরে দিলা।

পিছেকার দিনে, অনন্ত লিঙ্গমে - 'স্বর্গারোহণ য্যারীহান পিছেদে মাতিং এবাকা বারণাবতে লাক্ষামগুলর কাদাৎ আছিহানতে জতুগৃহ দাহর য্যারী হুনিক বুলুল। সংগীতা, কৌশিক দ্বিয়োগীয়ে য্যাকর্লা। ভরদ্বাজে আক্তাউ না টটরেইয়া থাইল অনন্ত লিঙ্গমে য্যারীহান অকরল —

- রঙ্গভূমিত অস্ত্র-শিক্ষা প্রদর্শনর পিছে যুর্ধিষ্ঠিররে কুরুরাজ্যে যুবরাজ অভিষেক করলা। পঞ্চ-পাণ্ডবর অস্ত্র কৌশলে দুযোধন, দুঃশাসন, সৃত-পুত্র রাধেয় কর্ণ, মনে হীন পেইলা। পিতামা ভীত্ম, কুলগুৰু কুপাচার্য্য, অস্ত্র শিক্ষাগুৰু দ্রোণাচার্য্য, ধর্ম্মপুত্র বিদূর, হারৌ ঐলা। পঞ্চ-পাণ্ডবর যশ-কীর্ন্তি, বিশেষকরে যুর্ধিষ্ঠিরর সুখ্যাতি, কুরুপতি ধৃতরাষ্ট্ররেউ মনে হীন দিল। তার পুতক দুর্য্যোধন আর রাজানা পালৈতৈ, এ নিঙে জন্মান্ধরাজা ধৃতরাষ্ট্র, মন-বুদ্ধি-বিবেকর আহি হাবি হারা বেল্ল। রাজানা পালৈলে, দুর্য্যোধন জিংতা ঐয়া থানানা মনেইল। বাপকর মুঙ্গে আইয়া মাৎল —

কিং ন জীবিতেন রাজকিরিটীম্ বর্জ্জিতম। শ্রেয়ঃ প্রাণ বিসর্জ্জনম রাজ্য বিহীনম।।

পুত্র স্নেহান্ধে বৃদ্ধি-লৌশিঙ মাঙছে ধৃতরাষ্ট্র, শকুনি, দুর্য্যোধন, দৃংশাসন, দলর দুষ্ট মন্ত্রী হাবিরেল শিব চতুদ্দশীর রাতি বৃদ্ধি তাল করিয়া বৈলা। ভীত্ম, দ্রোণ, কৃপাচার্য্য, বিদূর, কর্ণ, কারেউ না ডাক্লা এ হীন কর্ম তানু না করতায় বুলিয়া। পঞ্চ পাশুব লগে মাতা কুন্তীরে - যতদিন মনেইতারা বারণাবতে আনন্দ বিহারে গিয়া থানারকা ঠিক করলা। লগে, লাগের ধন দৌলং, আভিঘোড়া-ৰথ, খানা-পিনার উপাচার, রথী-সিপেই সামন্ত দেনা ঠিক এল। হাবিরে জ্বুয়েইলা লালফামে, অশ্বমেধ যজ্ঞ করে, হীন পাছি হান্তে, কুন্তীসহ পঞ্চ-পাশুব ভুকন-মোহন বারনাবতে হীন কার্টেইয়া দেহ-তন-মন হরতার্নির কা আনন্দ বিহারে যিতারাগা। ভিতরে ভিতরে ঠিক করলা, বারণাবতে রাজকন্নোঙে জ্বিং পুড়িয়া সবংশে মারিয়া কুরু রাজ্য বারো কুরু সিংহাসন দুর্য্যোধনরকা নিষ্কণ্টক করাণি। রাজ কন্নোঙ ঘি-থৌ-লা দাহ্য পদার্থলো ইন্দ্র সরালেলর কন্নোঙ

পারা মনোহর, বারো ধবে নূয়ারানি পারাক চেক্ছিল ঐয়া হংকরানির কা মন্ত্রী, পূর্তবিদ্ পুরোচন গিরকরাং ভারহান দিলা।

অন্তরে কপট, থতাহানাৎ মধুর, দেহগত বিনয়, ধৃতরাষ্ট্রয় দুর্য্যোধনর কথা হুনিয়া যুধিষ্ঠিররে ডাহিয়া মাৎল -

- ততঃ শ্ৰবনমোক্তা দুৰ্য্যোধনম স্নেহাকৃষ্টা যুথিষ্ঠিরম ধৃতৰাষ্ট্র প্রপৃচ্ছ মহাস্থানঃ মহাতীর্থ দেবলোক দেওধাম গন্ধর্ব্ব-কিন্নর-দেব সর্ব্বাধিষ্ঠানম অনুপমোদ্যান পত্রপুষ্প ফলাহারং মৃগয়ানন্দং যদমন্যসি তদ্বাস ভবান। সংগীতায় কথাহান থেৎ করিয়া মাৎ লী -
- এতা পারা কুরুরাজ, সমগ্র আর্য্যাবর্ত্ত, ব্রহ্মবর্ত্ত আংশিক মধ্যদেশ বারো ব্রহ্মর্ষি দেশৰ অধীশ্বর রাজা আগয় স্বয়ং জেঠাবেয়কর জিপুতরে এসাদে জঘন্য ষড়যন্ত্র করিয়া মারানির ওয়াখাল, কিসাদে য্যাকরলতা লাজ-লজ্জা-মানুর নিন্দা খালকরে নুয়ারলতা। অনন্ত লিঙ্গমে ব্যাখ্যা করের -

রাজনীতি এহান রাজশক্তি পালকরিয়া থনার নীতি শাস্ত্রহান। রাজনীতি, সমাজবাদ, মনশিক্ষা, নীতি-শাস্ত্র, এতা খেইখেই।

জ্ঞান পথে পাপ বারো পূণ্যর কল্পনা হাবিতা বৃথা এতা মনর ভাবনা। পুত্র-স্নেহ মায়া মোহ নাউ অর দূর আত্মজ্ঞান নাউ কানা শাস্ত্র বিধূর।।

দুর্য্যোধন মরতৈ বুলানিয়ে ধৃতরাষ্ট্রয় পথি বিছাড়লো।কুরুক্ষেত্রর হাবিংত বয়োজ্যৈষ্ঠ বুড়া বামন মন্ত্রী কণিকরে ডাকল। হাবিতা বাগেইয়া রাজনীতিয়ে কিহান মাতের আঙকরল।কণিকে ঔদিন ধৃতরাষ্ট্ররে রাজনীতি বাগাদিল—

- দোষ যদি নাউ থার তেবৌ দিছ দণ্ড।
আত্মবশ করে থৈছ হাবি রাজ্য খণ্ড।।
আত্মরক্স লুকাথৈছ অতি সযতনে।
পররন্দ্র পেইলেই ধরিছ চেতনে।।
দুর্বল ঐলেউ শত্রু দয়া না করিছ।
শরণ লৈইলেউ শত্রু মারাণি তালকরিছ।।
ব্যাধি, জ্বি, অরি-রিপু ঋণ অরশেষ।
থৈলে বাড়তৈ, দিতৈ যাতনা অশেষ।।
পাংকাল্পা শত্রুরে সদা দেহুরেইছ বিনয়।
অপমান-বহু ক্রেশ ঐলেউ হাদয়।।
লেম্পালে কাকরে তারে থেছ তুলিয়া।
সুরাক পেইলে তারে মারিছ আছাড়য়য়।।
বলিরে লৌশিঙে জিঙে মারানি বলে।

লোভীরে ধন দিয়া মারতেই ছলে।।
মায়ায় পতিত উগোর নারনা বিকাশ।
মানুয়ে না দেখ্তারা নিদ্রায় আকাশ।।
দয়ামায়া স্নেহ এতা হ্রাদিগর কথা।
ভগ্ন-হ্রাদিৎ প্রীতি পূণ্য নাহানির কথা।।

- ব্রহ্মা, যে গিরকে এ সৃষ্টিহান রচেছে ঔগিরক ঔগয় নিজে এ মায়া মোহ এতা জরমদিয়া অনাসৃষ্টিয়ৌ রচেছে।
- উহান বারো কিসাদে ? কৌশিকে লুম্পাঙ ঐয়া অনন্ত লিঙ্গমরে প্রশ্ন করের । অনন্ত লিঙ্গমে মুক্সি আহান দিয়া মাতের -
- এহানেই সৃষ্টিৰ হারপা-নুয়ারা বিস্ময়। জোনাক, বেলী, হাগ, বৌ, জ্বি-পানী-জীৱ-জস্তুলো পরিপূর্ণ উপজীব্য জগৎ আহান হংকরিয়ারাছ-কেতু-বৌ-বরণ-ভূমিকম্প, নুয়ারা-পানী, মায়া-মোহ-লোভ, হিংসা-নিন্দাউ সৃষ্টি করেছে। জোনাক-বেলী, রাছ গ্রাসে গ্রহণ অর। হাকহান বরণে গুড়ের, বৌহান অর ভয়ঙ্কর বৌ-বুলুনীয়ে ভয়ঙ্কর অর জ্বিগয় পানীরে নিবার, য়র জ্বি লাগার, গুলার পানীয়ে মানু-জীব-জল্ক মরতারা। জীর জল্ক আগয় আগরে খেইতারা।চা, ব্রহ্মার পুতক অধর্মা।অধর্মার মৈলক-মিছা।তানুর পুতক দন্ড, জিলক-মায়া। এ বেইবুনি দ্বিয়োগীয়ে বিয়া কৈলা। জরম দিলা পুতক-লোভ, কন্যা-শঠতা। লোভে শঠতায় বিয়া ঐল। জরম ঐলা পুতক-লোধ, জিলক-হিংসা। ক্রোধে হিংসারে বিয়া কৈল।জরম ঐলা, পুতক-কলি, জিলক-দুরুক্তি। তানুর পুতকভীতি, জিলক মৃত্যু।মৃত্যু ঐলে নরক বারো যন্ত্রণা।এতা না থাইলে সৃষ্টি এহান কতি হোভা ঐলৈছতা।
- এতাতে uncle, রূপক নাই।এতাতে দশেন্দ্রিয়র উপবাচ্য কথা নাই। এতাতে জ্ঞানলো উত্তীর্ণ অপারিয়ার। সংগীতায়, অনন্তলিঙ্গমর কথা য়্যাকরানি হীন পেইরী। অনন্ত লিঙ্গমে যুক্তি দেহুয়ার -
- কিন্তু জগৎ হানতে মানুয়ে চালেইতারা থাঙ্? জগৎ হান, এ দশমেন্দ্রিয়ে তৌরীগ করে বুলেইয়া চালেইতারানাই। সংগীতায় য়্যাকরলী। মাতিরী -
- হাইহান ! সত্ত্ব গুণলো, দয়া-মায়া-প্রীতি-স্নেহ-মমতা, দানধর্ম্ম এতা বয়স ঐলে, আচরণ করানি লাগের। এহান মাতিয়ারতা।

 হাই। পেইলেগা। নুয়ারা নুয়ারা দিয়া, নুয়ারার লক্ষ্মণর পরিবর্ত্তন চেইয়া, সময়ে সময়ে হজক বদলের। কথাহানি মাতিয়া, অনস্ত লিঙ্গম্ য়্যারি হানাৎ পড়িলগা -
- দুর্য্যোধনর আদেশ, মন্ত্রণা, পরামর্শ, ইলৈয়া পুরোচনে রারণাবতে ঘি-লা-থৌ বুজিয়া জতুগৃহ হংকরল। জন-প্রাণী

অলেক্ষ্যে হমানি, চরেদে নিকুলিয়া গিয়া নারানি, হাবিরকমর সতর্কতা খেয়া, পঞ্চ-পাণ্ডবর শুভাগমন প্রতীক্ষা করিয়া থাইল। যুধিষ্ঠির, ভীম, অর্জুন, নকুল, সহদেব, মালক কুন্তীরেল বারণাবতে ছালৈলা। প্রজা দেহা করাৎ আইয়া কাঁদিয়া লগ লৈলা। ধৃতরাষ্ট্র, বিদায়দিতে কপট আহির পানী বেলল। দুর্যোধন, শকুনী গাছি কতহান পথ আগ বারাদিলা। হীন না পেই, কতদিন আনন্দ এয়া থাইগা, বারোতে আইতারাই নাই, বুলিয়া বিদায় দিলা। ভীম্ম, দ্রোণ, কুপাচার্য্য, আকতাউ নামাতিয়া থাইলা। ধর্ম্মতি বিদ্রর মনে খট্কা লাগিল' অনন্ত লিঙ্গমে খানিপর খালকরিয়া বারো মাতের—

- যুবরাজ্যে অভিষেক ঐয়া যুধিষ্ঠির, চারিয়ো বেইবুনি, মাতা কুন্তী, এমাটীক হারৌ ঐয়া আছিলা, এতায়, হঠাৎ আজি বারো, কিসাদে হারৌ পানা মনেইয়া নুয়া গাঙ আহানাত যানা মনেইলাতা ং চিন্তাকুল বিদূরর রাতি ঘুম নেই। তাপ্থা নিঙ্গশিঙ ঐল। অভিষেকর দিন দুর্য্যোধন, দুঃশাসন, শকুনি হারৌ নাছিলা। অভিষেক লমনির আগে নিকুলিয়া গেছিলাগা। ধৃতরাষ্ট্রর আহিন্নীত আনন্দ, মেইথঙে হারৌর মিঙাল, নেয়ছিল। গেল্পা কালিৎত দুর্য্যোধন গাছি জবর হারৌ অছি। তারেউ মর্য্যাদালো মাতেইতারা। যুধিষ্ঠির, বারণাবতে যানার পৌহান দিয়া আহির পানী বেলাছিল। মাতেছিল- রাজা ধৃতরাষ্ট্রয় মাতের হান্তে যারগাতা। বিজ্ঞ, ধীর, স্থির, মতিমান বিদূর চৌরিয়াল দিয়া পেঠেইল। হঠাৎ মাতা কুন্তীরেল পঞ্চ পাশুব বারণাবতে যানা এহান বিদূরে অন্তরে হিজা নুয়ারল। চৌরিয়াল ছাড়া এ পৌ পানা নার। বিদূরে কণিকর কথাহান নিঙ্গিঙ্গ ঐল –

'পশুরে গতে হারপার বেদে দ্বিজবরে।

মনুষ্যয় দেহিয়া হারপার রাজায় হারপার চরে।' রাতি নঙেইং চৌরিয়ালে পৌ আন্লা, পুরোচন, ঘি-থৌ-লা, মেস্তরী, খননক, অস্ত্রশস্ত্রলো বারণাবতে গেছেগা। বিদ্বর সন্দৈ গাড়ৈল। হঠাৎ তার মনে ঐল, জ্জ্বি আগ দাউ দাউ করে তার ঘরর মুঙর চালহানাৎ লাগেছে। বিদ্যাবতী, মাদ্রীয়ে পানী হিচিয়া নিবাত লাগেছি। বিদ্ব বিয়ান বাছেইয়া ফামে ঙাইয়া থাইল গা। বিয়ানে যুধিষ্ঠির গাছিরাজকন্মেঙ বেলেইয়া পথ আধাক্রোশ ঐলাগা উপেয়, রথহানলো যুধিষ্ঠিররে পেইলগা। যুধিষ্ঠিরে হমারহা দিয়া উঠতে, বিদ্বে আশীর্কাদ করিয়া মাৎল –

- -স্বযোনী অন্তক সঃ শীতলস্য অরি। তস্মাৎসংরক্ষত্বম চারিঃ। বিদ্রে যবন ভাষালো কথাহান মাতেছিল হান্তে যুধিষ্ঠির ছাড়া অন্য কোনগয় না বুঝলা। কৌশিকে আচরিত ঐয়া মাংল -
- এ যবন ভাষা এহান না হারপেইলু। ঔবাকা ব্রহ্মবর্ত্তে, আর্য্যাবর্ত্তে, ব্রহ্মবিদেশে, মধ্যদেশে, কি কি ভাষা আছিল। কুরু-

পাঞ্চাল-মৎস্য-শ্রসেন-মগধ, ভোজ-মদ্র, চেদী, কুশল-বিদেহ, বিরাট - পাঞ্জাব, কাবুল, কাশ্মীর, কান্দাহার, হাবি রাজ্য কোন না কোন সূত্রে সমন্ধ থছিলা। বিশেষ করে স্বয়ন্বর সভাত, অশ্বমেধ যজ্ঞত হাবি রাজ্যর রাজা রাজেশ্বর তিলৈলা। কান্দাহারৌ উবাকা ভারত ভূমে আছিল। গান্ধারীয়ৌ গান্ধার রাজ্যর রাজকুমারী আছিলী। কিহান এ যবন ভাষা হারপানি থক।

- এবাকা যেসাদে ভারতে বিভিন্ন ভাষা আছে, উবাকাউ আছিল। বিশেষ করে দক্ষিণাবর্ত্ত, পূর্ববদেশ, এতাত-নিজস্ব আঞ্চলিক ভাষা আছিল। কিন্তু অধিকাংশ শাস্ত্রতে বৈদিক যুগে দেব-ভাষা বা সংস্কৃতে আছিল। কিন্তু টটরলা ঠারতে নিজর নিজর মাতৃভাষা বিদূরে কথাহানি দেব-ভাষা সংস্কৃতে মাতেছিল, যেহানে অন্যতায় না হারপেইলা। হাবিয়ে না হারপেইলা বুলিয়া সংস্কৃতরে যবন ভাষা মাতে থাইবা। তি মাতর পারা, এ দিশাহানাৎ আমি চর্চা করানি থক্। অনন্ত লিঙ্গমে য়্যারীহান পুঙকরানি মনেইল। মাৎল –

- বারনাবতে ফৌঐলে পুরোচনে পঞ্চ-পাণ্ডব, বারো মাতা কুন্ডীরে সাদর সম্ভাষণ জানেইল। রাজকল্লোঙে যথাস্থানে হাবিরে যথারীতি আপ্যায়ণ করল।'
- পঞ্চ-পাণ্ডব কিতা চক্রাতা ঐয়া বারনাবতে গেছিলাগাতা ? সংগীতার প্রশ্ন।
- এ পথ তানু আগেৎত চিনেছিলা। এপথে বিরাট রাজ্যে নেপাল পেয়া গেছিগাতা। তানুর আনা যানা আছিল। হস্তিনাপুরেৎত তুপ্সাম্ ১০০ মাইল ঐতে পারে।' অনন্ত লিঙ্গমে প্রশ্নোন্তর দের।
- মাত্র কতদিন থানারকা, এমাটীক হোভাক জাক জমকলো মণিরত্ব পালকরিয়া ইন্দ্রপুরী পারা হংকরেছি রাজকলোঙ দেহিয়া যুর্ধিষ্ঠিরর সন্দৈ গাড়ৈল।বৃকোদর ভীমরে ঘরগ পরীক্ষা করানিরকা মাৎল।ভীমে পরীক্ষা করিয়া বাগেইল, ঘরগ ঘি-থৌ-লা বুজিয়া বুজিয়া হংকরেছি।হারপেইয়া যুর্ধিষ্ঠিরে হাবিরে ছশিয়ার করল।

লৈলাট-লালফামে যুথিষ্ঠির স্থির-ধীর অর। আকতাউ নাছে ভাবহানলো, বনপ্রমন, মৃগয়া করিয়া থাইলা। পুরোচনরে হারপানি দিলা, তানুর কোন সন্দেহ নেই।মনে মনে কৃষ্ণাচতুর্দ্দশীত পুরোচনে ঘরগ জ্বি দিতৈ, উহান বাছেইয়া, কিসাদে হাবিগীরে জিংতা করানি, চিন্তা করিয়া সাবধান ঐয়া থাইল। যেসাদে বিপদ আহিলে পাহিয়া পাখ হাপ্দিয়া হাদিগোৎ বরেয়া থৈরী শৌ জাপদিয়া উসাদে যুধিষ্ঠিরৌ, মালক বারো বেইবুনি চারিয়োগীরে কলকরিয়া থৈল।

এবেদে বিদ্রর চিন্তা। কিসাদে পঞ্চ-পাণ্ডব, মাতা কুন্তীরে রক্ষা করানি। বালাপারা সুডুং খুদেকরা আগ পেইল। উগরে সাংক্রেতিক পরিচয়দিয়া যুধিষ্ঠিররাং বারনাবতে দিয়া পেঠাদিল। ক্রুনিকে ঘরর ভিতরেৎত সুডুং খোদিয়া গঙ্গাহানার পশ্চিম পারগ প্রুয়া নিয়া জঙ্গল আহানর হাদিৎ নিকালা দিয়া গেল্গা। এবেদে বিদুরে গঙ্গাহান লালনি পারবা ক নৌউলী আগ নৌল দা পেঠাদিল।

- চতুর্দেশী আহিল। কুন্তীয়ে চতুর্দেশী ব্রত করিরী। ভীমরে ব্রাহ্মণ-ভোজন করুয়ানিরকা মাৎলী।শ'য়ে শ'য়ে ব্রাহ্মণ ভোজন করলা, গোলাগা। সেন্ধা-সেন্ধাত মুনি জীপুত পাঁচগলো নিষাদ-গৃহিনী আগ কুন্তীরাং অন্নভিক্ষা মাগলী।আহারান্তেরাতিকার আশ্রয় বিস্তাড়লী। কুন্তীয়ে আশ্রয় দিলী।এহানাৎ সংগীতায় ঠাচা না করিয়া প্রশ্ন আহান আঙকরলী -

- উত্তর হিমালয়ে গঙ্গাতে ভগীরথী গঙ্গা বুলিয়া মাৎতারা। বারো বারনাবতেৎত ভগীরথী গঙ্গার পার, কমেউ দিন আহানার পথ। বারো টেঙারা খং কিতায় বুজেছে। উতার গজে দরা হিল মাহি।খননিক আগয় এতাপারা দীঘল সুডুং আগ রাতি আহানাৎ খোদানিহান কিসাদে সম্ভৱ। এতাহাবিতা গরৈপা য়্যারী পারা লাগের।

- ঐতে পারে। য়্যারীতে য়্যারী নাই। ঐলেউ বুদ্ধি-লৌশিঙ খাটেইয়া যুক্তি পূর্ণ করেছি। আসুটা ঠাচা নেই য়্যারীতে নাগৈ।' অনন্ত লিঙ্গমে যুক্তি দেহুয়েইরা মাতের -

- রাতি চিকৈয়া হাবি ঘুমে পড়লে ভীমে পুরোচনর ঘরর দোয়ারে, অস্ত্রগারে, জতুগৃহে জ্বি-দিয়া, মালকরে লেম্পালে তুলিয়া, বেইবুনীগিরে মুঙেদিয়া সুডুঙ্গ পথে হমেইল গা। বিয়ান ফুয়ানির আগে কালা চিংখেই গঙ্গার পারে বন হানাত নিকুল্লা। কতহান আটিয়া গিয়া গঙ্গার পারে আইলা। গঙ্গার অথৈ পানীহান দেহিয়া লালনীর চিন্তা করতারা মাপাহানাত নৌউলীগ ধলা ফিরাল-টাঙা নৌগল কাদাৎ আয়া উবাঐলী। পরিচয় দিলী। বিদুরে গঙ্গাহান লালকরে দেনারকা দিয়া পেঠাছে মাৎলী।

নৌগৎ কাইয়া গঙ্গাহান লালৈয়া বন আহানাৎ হমেইলা। ঘি-থৌ-লা লো হংকরা লাক্ষাগৃহ বা জতুগৃহ বৌয়ে বানায় দাউ দাউ করে লাগিয়া উঠিল।কালান্তক জ্বি-গৎ পুরোচন গাছিবারো নিষাদ-গৃহিনী লগে তেইর পাঁচগ মুনিষ্টৌ জ্বিত পুরিয়া মরলা। - বিয়ান্ত পৌহান বৌর আগে আগে, গাঙে গাঙে, ঘরে ঘরে, ফৌঐলগা পঞ্চ-পাণ্ডব, মাতা কুন্তী জতুগৃহে দাহ ঐয়া মরলা। হস্তিনাপুরেউ পৌহান গিয়া ফৌঐল্গা।

- ধৃতরাষ্ট্রর আহির পানী পড়িল। অন্তরগ মুজুরিয়া হুঙুমেউ কাঁদল। হাজার ঐলেউ বংশর বহক, জীপুতর ডেকি বেয়কর জীপুত। কুরুবংশ নাই। কুন্তি বুলিয়া নিষাদ গৃহিনীর পুড়া দেহগ, পঞ্চ-পাশুব বুলিয়া নিষাদ জীপুৎ পাঁচগীর দেহগী হস্তিনাপুরে আনিয়া রাজকীয় মান মর্য্যাদালো দাহকার্য্য করলা।

ভীষ্ম, দ্রোণ, কৃপাচার্য্য ঠাচা না করলেউ দুর্ব্বল হৃদয়ে ঐতেউ পারে বুলিয়া মাঙহান মানেইলা। বিদুরে না মরেছি হারপা হারপাউ মাঙহান মান্লো।' সংগীতায় ঔ বৈদিক কালর সাহিত্যিকর বুদ্ধি লৌশিং দেহিয়া মাতিরী -

- বলিহারি দেনা লাগতৈ য়্যারী লেঙ করে কুরা গিরকরে। বেদব্যাস অক বা যেগৌ অকা। য়্যারীর প্লট এহান হাজাছে লৌশিংহান। নিষাদ-গৃহিনী বারো পাঁচগ জীপুতর অন্ন ভিক্ষা, রাতিকার আশ্রয় জ্বিৎ পুড়িয়া মরানি। মানুরে, পঞ্চ-পাশুব বারো মালক কুন্তীর জ্বি লাগিয়া পুড়িয়া মরাণি, এহানরে বিশ্বাস্য, অকাট্য প্রমাণসহ য়্যাকরুয়ানীর হেইনাহান গভীর বুদ্ধি বারো লৌশিংল রসোত্তীর্ণ করেছে। লেখক অতি চিন্তাশীল সুক্ষাবুদ্ধি লৌশিংপা বারো বিচক্ষণ সাহিত্যিক তথা রহস্য সাহিত্যে পারঙ্গদ বুলিয়া মাতানি লাগতৈ।' অনন্ত লিঙ্গমে মাতের -

- এহানেহে মহাভারত আজিয়ৌ অমরঐয়া থাইল। মহাভারতর চরিত্র উতা টেইপাঙ মানু আটতারা, কাঁদতারা, আঁহিতারা পারা। অমর ঐয়া থাইল মহাভারত রচয়িতা শ্রীকৃষ্ণ দ্বৈপায়ন বেদব্যাস। লগে অমর ঐয়া থাইলা কুচক্রী মনর মানু ধৃতরাষ্ট্র, দুর্য্যোধন, শকুনি।

- কৌশিকে তিরুমল ভেঙ্কটেস্বামী অনন্ত লিঙ্গমরে আঙকরল-

- Uncle, পঞ্চ-পাশুবর স্বর্গারোহনর য্যারীহান কুংদিন ছনতাঙাই।

- 'কার্ত্তিক মাহাৎ' মাতিয়া ভেঙ্কটেস্বামী, অনন্ত লিঙ্গম, ভরবাজ, কৌশিক, সংগীতারাংতো বিদায় মাগিয়া ধরমশালাৎ গেলগা।



কন্ভেন্ট গার্ল

ডঃ মণি সিং বসন্ত বিহার

ঃ বদাগ না লালৈ। আল্থক্ অ। য়্যাম হাংকাং নাই। আ-ক্কুবালা লৈয় পরতাউ গা। ইহে! মাংতে না ছনিরী। ইমে লাম হেলৈরী। দে তা, জাংহান্ আক্খুরুম্ নিকালেইয়া চা। আজি, হয় তোর আক্তুপ্, নাহয় মোর আক্তুপ্। কংত মুনি ঘোড়াগ মালো পড়েছংগা। মোর গজে ফাল্দিউরীতা! আইংতে, চাঙহান, হারপাবেল তাউ। ই মে, বদাগ, লালৈয়াহে চা। আক্ছাটে হেন্টক ঐতেই ছাড়া, কথা নেই। ধরেছু এহান্লো দ্বি-তুপ্ করে বেলেইম্ তা না কিতা।' টুপীচরায় লৌদে লৌদে বেলীটিক্হান মুরগং কাকরেছে। আহিগী কড়িগী পারা করেছে। আঁধা কাচা ধলা চূল, সেঠুমুরিয়া, শুয়োরর চূল পারা উবা, উবা অছে। তিন দিনকার দাড়ি, নুয়া আলি খেং মেলেছে পারা। 'কুকিস্' পারা বেকা, দীঘল খাসীয়া' দা উহান, হিল আগং পানী দিয়া দিয়া তাক্ করের। তাক্করে তাক্ররে মৈলকরে গুজুরাং লাগেছে।

ঃ আইংতে টুপী চরা এগ ছলেছে। হঐম্মা, ঝড়ক ঝড়ক করের দা আহনৌ আত হানাৎ ধরেছে। আজি যে সাদেউ আক্তুপ্ করতৈ। মাটীগ পারা, না ছলের মানুগ। যেইংগা, সাজৌবাকারে বাগা দিঙ্গা। কাকা আইলে যেহানৌ আহান করতৈ। তা-ছাড়া নাইতৈ।' বুলিয়া খালকরে করে বাতেদে ঘর তিন গ বেলেইয়া সাজৌবা খুড়ার ঘরে লেইমাচাউবী খড়ি খড়ি দাপ্হান্লো গোলিগা।

ঃ হা। লেইমা চাউবী। বেলীটিক হানাৎ কিতা ঐয়া আইলেতা। ফ - ফ - করুরীতা কিয়াকা। দাপ্দিয়া আইলে থাং। ভিতরে যাগা। ছেয়াগৎ বৈয়া খানি ঠাণ্ডা অগা। সাজৌবা পণ্ডিত। বুজনে পণ্ডিত বুলতারা। কনাক ললে সাজৌবাকা বুলতারা। বয়স ৬৮-৭০ ঐতৈ। ফৌজে 'সুবেদার মেজর' ঐয়া 'রিটায়ার' করিয়া আহেছেগো। কি-য়া, গাঙ্ডড় বুজন, কনাক, ছৌ হাব্বিয়ে নিংকরতারা, মান্যতা দিতারা। তা কথা আহান মাৎলে উচ্চ-বাচ্য না করতারা। মুর নলৈয়া য়্যাকরতারা। লেইমা চাউবীয়ে ফ-ফ য়েইয়া মাংলী -

ঃ খুড়া। আইৎতে অন্থক্পা আহান অনাৎ পড়েছে। ঔনা নেই মানু আগ ছল্বেছে। দা-আহান দারা-দারা গুজুরাৎ লাগেছে। জ্জ্বি গ্ ফরদের। ডরহানে খুড়ারে বাগেইংআ বুলিয়া দাপ্দে দাপ্দে আইলুতা। খুড়ায় চালাক্ক আয়! আইখতে কিহান আহান ঐতৈ। মোরতা মুরগ না করল। মি যিংগা।' - বুলিয়া লেইমা চাউবী তেইর ঘরে যানারকা বুলন্ দিলী।

ঃ কুং টুপীচরা? ঔরে আফিম্পা সেল্কমীর জেঠা বেয়ক ? দোহার ঙাংবার পুতক? সিবেইংত রিটায়ার ঐয়া এমারী আহেছে উগ? উগতে আজি ৭/৮ বছর ঐলা বিয়া করিয়া ছৌ-ছুমারা আগৌ নায়া আছে গ-না! - হাই, তি যাগা, মি আউরী।' বুলিয়া সাজৌবাকা ঘর ভিতরে হমেইল্গা। লেইমা চাউবী পৌহান বাগেইয়া চিন্তার বক্চাহান, সাজৌবা কার উঠানে লামাদিয়া ঘরে গেলিগা।

ব্রজনন্দন গুজুরাৎ লাগেছে -

ঃ বর বাগরর বি. এ পাশ জেলাগো আহেছে! করবে নাই! তোর মক্তুর থাইলে কর। শালোয়ার কামিজ পিদে বেলেইয়া, অটে রং গছে বেলেইয়া, অ, -হাই! বাই-বাই! সী - ইউ - টুমরো। অ, ইয়েস, থাান্ধ ইউ! বুলে বেলেইয়া ইংরেজী কতহান তামকরে বেলাছং দেছয়াউরীতা! বর, সেক্রেটারীনিগ আহেছে। রাতি-মাদান খাল-নেই, থাংচা নংমাইচিং বন্ধ্ নেই, মিটিং। নিক্কা মিটিং। আজি SHG, কালি NGO, পৌরু Aam Way, চৌট্ঠা গোয়ালা, পঞ্চমে রানাদা। ঘরগতে হলি, হতরং! চা- আক্ছিটা, পানী আক্ছিটা দিবা মানু আগ নেই। কর, - হবা অছে! নাউ থিন্তক্ দেউরী। কিন্তু ঘরবারা চা-ন্-না-পা পাছরলে না-র নাই। নিজর ঘর-দোয়ার ছাঙে কাকরিয়া, মানুর-ঘর-দোয়ার হাজানি, এহান্ নাইতৈ, নাইতৈ। আজিংত নাইতৈ। ই-মে-নিকুলিয়া চা! কিতা অরতা

ঃ ব্রজনন্দন!' সোজৌবাকার ডাকহান হুনিয়া ব্রজনন্দন খাঙ্তা ভাকৈল। কথা হানি থুং করে নৃইলো। সাজৌবা-কা কুম্বাকা উঠানে আয়া উবা অছে ব্রজনন্দনে না হার পাছে। হারপেইল কথাউ নাগৈ। মানুগর্তা বৃদ্ধি-লৌশিং হাবি গুজুরতে গুজুরতে চুলর আগাৎ কায়া হুদাছে। নারগ হুনিয়া মুরগ তুলিয়া দেহিয়াই বেম্তাল্ লাগে পড়িল্গা। ফিঙৈয়া তুপিং না-পিং এয়া আক্ফালে মাংকলেৎত উঠানে- ই স্যা-র।' বুলিয়া সুরেদার মেজর সাজৌবা পণ্ডিতর মুঙহানাৎ উবা ঐল্গা। হমা দিয়া লাজপেয়া মূর তলেদে দিয়া মাৎলো -ই স্যার, ঘরে বহিক গা। রৈদহান্ জবর সারছে। হে কৈতে! ছনৌরীতা! কাকা আহেছে। ঠাণ্ডা পানী, সরবৎ কিতার ব্যবস্থা কর। মি আত হান ছাঙৈয়া আহিঙ। কাকা বহিকগা । বুলিয়া বজনন্দন পখুরীগৎ গেল্গা।

দাউ, দাউ, জ্বিগ, অরংক পানী খাং আহান পড়িয়া ফ্বেক মুতৈল পারা। রীণা, মানে ব্রজনন্দনর মৈলক, সাজৌবাকারে সোফাহানাৎ বহুয়েইল, নলৈয়া, নম্রতালো, জাঙর ধূলি মূরে লৈয়া হুমা দিয়া তাপয়া নুংশি ঠুম, তেইর নারগলো মাত্লী -

ঃ আংকল, গুড্ মর্ণিং! গারীগতে কিমে! হিন্পারথাং!

রীণার ঠুম, কঙালা, ইপুথৌৎ ঠাক থৈয়া নাতিনকর নুংশিপা, 'আংকল' ডাকহান সাজৌবা পণ্ডিতরে আকসাটে বেরেইলীর অফিসার কমাণ্ডিং ব্রিগেডীয়ার জেনারেল রানা নরেন্দ্র প্রতাপ সিংর জিলক 'নিনা'রে নিঙশিঙ করুয়া দিল! বাংলাগোত যানায়, নিনায় ঙক্করিরী! কেথক করিয়া, ওঠগী বেকা করে করে আহিগী জিপা জিপা মাৎতৈ -

ই আংকল! কাম অন্। আইয়ে না! বৈঠিয়ে না। পিতাজী ঘর পর নহী হেঁ। আঁপকো কহনে কে বোলী - হাঁ। বৈঠিয়ে না - নহীত নেহী বাতাউঙ্গী। বোলিয়ে কিয়া লেঙ্গে আপ! ঠাণ্ডা - ইয়া চায় কফী। উঃ, ৼ, কুছ নেহী সুন্না মুঝে। বৈঠিয়ে।' সাজৌবা পণ্ডিত বেরেইলীং 'নিনা'র মুঙে বহেছে পারা পেইল। ই বৈদহান জবর অছে। দিনহান সারছে। ঠাণ্ডা সরবং ফুটি পীক্।' বুলিয়া নিনা ঘরে হমেইলীগা। ট্রে আহানাং পানী গিলাচ আহান, সরবং গিলাচ আহান বারো কালাঘন, রসগোল্লা প্লেইট আহান সোফার কাদার টী টেবিল হানাং থৈয়া উবা ঐয়া থাইলী।

ঃ আপ্ কৈসী হাঁয়! আপভী বৈঠিয়ে না'! মাতিয়া সাজৌবা পণ্ডিত নিজেই গুাক পড়িল গা। 'আংকল' মধুর রবহানে বিভুলা ঐল বারাদে 'রিনারে 'নিনা' নিষ্করিয়া থতাথাতাৎ হিন্দী আহে পড়েছেগাতা। লাজ পেইল। সোফাহানাৎ খানি লড়িয়া বহিল।

ব্রজনন্দনৌ আহিল। সাজৌবাকারাংত খানি দুরেই ঐয়া আরাক সোফা আহানাৎ বহিল। সাজৌবাকা য় রিনারে বানালো কল্করিয়া কাদার সোফাহানাৎ বহুয়েইয়া মুরগ মাঠিয়া দিয়া দিয়া মাতের -

ঃ আজি মোরতা নৃয়া জীৱন আহান হমেইল। নুয়া - দৃষ্টি আহান পেইলু। আঁরাকৌ দ্বি-কুড়ি বছর জিংতা ঐয়া থানা মনাউরী।

তি-মোরে আক্কুড়ি পন্দর বছর বয়সে নিয়া বেল্লেগা। তোর সাদানে 'নিনা' বুলিয়া আমার O.C. গরতা নিঙ্লছৌ আগ আছিল। O.C র বাংলাগত গেলেগাই তেই মোরে ঠিক তোর এসাদে, ঠুমকরে 'আংকল' - বুলিয়া ঙক্করলী। জলপান খৌয়েইয়া বিদায় দিলী। মি হারৌ ঐলু। আমার তাউ 'নিনা' জরম ঐলা। ঘরে ঘরে তোর ডেকি 'রীণা' জরম অকা। ভগবানরাং এহানেই মাগুরী।

ব্রজনন্দন, তেরাদে আক্খুরুম রীণারে চেইল। রীণা মুরগ তুলিয়া আহিগীল ব্রজনন্দরে নাউ চেইলেউ হারপেইলী, ব্রজননন্দন তেইরে তেরাদে চাছে। রীণা, সোফাহানাৎত উঠিয়া সাজৌবা কার জাঙর ধূলি লৈয়া উবা ঐলী। পানী গ্লাসহান থদিয়া প্লেইট, গ্লাস হাবিতা ট্রেহানাৎ কাকরিয়া ঘরে হমেইলীগা। পানার সেলপাক হানাৎ এলাচি, লং কতগ আনিয়া সাজৌবা পণ্ডিতর মুঙ্খে থদিয়া বহিলী।

- ঃ ব্রজনন্দন !' সাজৌবাকায় বাণা-নুংশিলো ডাকল।
- ঃ কি গো কাকা। ব্রজনন্দন শ্রদ্ধা ভক্তিলো হাত জোড় করিয়া উবা ঐল। তারতাতে 'স্যার'। পয়লা চাকুরীত, মাছিম পূরে ড্রীল্ বাগা দেছেগো।
- ঃ দাড়ী কিয়াকা না খুরাছৎতা। পাহুরলেতা । 'হর সুবা সূরজ নিক্লতা সাফ্ সুত্রা জোয়ান, সূরজ উঠ্তা, সাম্ ঢলতা, চলতা ফেরতা জোয়ান।' তুম জোয়ান হ, খাপ সুরৎ হ, বাহুমে
- বল হ্যায়, মনমে আশায়ে হ্যায়, পর ত্র্যা বৈরাগী বন্কে দাড়ী পহনকে কিয়ো বৈঠেহ। সাজৌবা কাকার কথাত লাজ পেইয়া ব্রজনন্দন উঠিয়া দাড়ী খুরানীত যানারকা কর্লে সাজৌবা কায় খানি ব বুলিয়া বহুয়েইল। বারো মাৎল -
- ঃ লেইমা চাউবীয়ে মোরে বাগেইলীগা তি জবর ছৌ অছত। ছৌয়েয়া রীণারে হাইতা-নাগৈতা গুজুরেছং।
- ঃ অঃ, নো, নো। আংকল, নাথিং রং। নো প্রোবলেম এট্ অল। রীণায় লাজ পেইয়া সাজৌবাকারে বাধা দিলী। মাৎলী-
- ঃ আংকল, তা নাউ ছৌ অছে। নাউ গুজুরেছে। বারো মোরতাউ খানি দোষ আছে। একয়দিন, কামর জেলাছৌ ঔগৌ, মালকর নুয়ারা বুলিয়া ঘরে বেলেইয়া গেছেগা। মোরতাউ দোয়াদে আর্জেণ্ট কাম খানি থাইয়া প্রায়েই যানাৎ পড়ানিয়ে হি হেড্ লটস্ অব ইনকনভেনিয়েন্সেস। টু ডে বিং সান্ডে, নেচুরেলী হি ওয়ান্টেড্ মি টু বি উইথ হিম। আজ S.H.G. কা এক বোর্ড মিটিং থা ম্যায় উস্কী চেয়ারমেন। আজ নেহী জাউন্সী।

রীণার সহজ, সরল লাল স্বীকার করাণি হেইয়কর

তুলো তিলৈয়া হেইয়কর কথা ইলৈয়া চলানির সহাবস্থানে, ঘরগর ব্যবস্থা করিয়া থনার আগ্রহ বারো ইচ্ছা, সহযোগিতা, সাজৌবা পণ্ডিতরে আরাকৌ মুগ্ধ করল। তা কুনো কথা টটরা নুইল। আহেছিল, ব্রজনন্দরে গালেইয়া গুজুরিয়া ঠাণ্ডা বাণ্ডা করাণীং।রীণার কথা-বার্ত্তা, আদব-কায়দা, বুদ্ধি-লৌশিং দেহিয়া তায় পাঙ পড়িলগা। মূর্ত্তি-মতী লক্ষ্মী, সরস্বতী, জগন্তারিণী ভবানীর ঘরে তা কারে কিতা বুঝেইতো। মাংল -

ঃ ব্রজনন্দন মোর হবা কেডেট আছিল। লগরতায়, হাদি হাদিৎ ছৌ অর বুললা। মি নাদেহেছু। Army জোয়ান হান্তে, তারেউ তোর কামে লগে নিছ্গা। কাম করলে হারৌ ঐয়া থাইতৈ। তাউ শিক্ষিত B.A. পাশ, স্মার্ট ছৌগ। তোর কাম....

ঃ আংকল, মি আজিৎ ত উহানেই ঠিক করেছু। 'Made for each other' হাবি কামে হাবি ফামে, দ্বিয়োগীয়ে আকতা ঐয়া থাইতাঙাই। রীণায় সাজৌবাকার থতার কথা কারলৈয়া মাংলী - ঃ স্বাভাবিক। মুনিগ হান্তে তার স্বাভিমানে লাগের। এদিন হাবি সারভেন্ট, মেইড, আছিলা হান্তে তা মিয়াম নাউ খালকরেছে, হিনৌ না পাছে। এ কয়দিন মেইড নেই হান্তে হীন পেইতে এহান মোর খেয়াল অনা থকছিল। মোরতাই ভূল হান আছে। আর নাইতে। আমি সদায় দ্বিয়োগীয়ে থাইতাঙাই। বারো হেইয়ক নায়া মৈলক অক্খুলী আক্খুলী আটলে পাতালা অপরিয়ারগা, এহান আজি কতদিন ঐল হারপাউরী'। রীণা লাজে ডরে মাটীয়েদে চেইয়া মাংলী।

রীণার কথাত ব্রজনন্দনৌ পাঙ্কৈয়া চার। কাম হানতে করে বেলেইয়া এবাকা লাজ পার। এমাটিক বুঝ থায়া চলিরী টটরেইরী জেলা এগরে, কিন্তাউ নেই কথা আহান্লো কতি গুজুরলুতা। লাজ পেইয়া, সাজৌবাকার জাঙড় ধূলি-লৈয়া মাংল-

- ঘরে মিয়াম কামৌ নেই। দ্বিয়োগীয়ে হাবিতা করতাপ্তাই। সাজৌবা পণ্ডিত খানি আহিয়া মাৎল -

ঃ Made for each other. আমার হাবির ঘর এসাদে 'Made for each other' ঐলৈ আমারতা কিতার হীন।

ই Uncle! আমি বছ আগ বার্লাং। ছদ্দা নেইল পালিশ, লিপষ্টিক, আই সেপিং, আইব্রু প্লাকিং, সেডিং, ফেইস, টোনিং, মেহেন্দি রচি হাতমে নাগৈ, ইংলিশ মিডিয়াম স্কুলে, আইন-আদালত কম্পূটার, পুলিশ, নেভী, এ্যাড মিনিষ্ট্রেশন, হাবিতাত হমানি অকরলাং। হাবিংত আগ বাড়েছিহান - এম.এ পাশ নিঙল ঐলেউ, বি.এ., বি.এচ.চি, পাশ বর লইতে মনে হীন নাউ পেইতারা। শিক্ষিত নিঙল্পী চাকুরী না করতারা বরর তুলো বিয়াত আপত্তি না করতারা। কনভেন্টে, কলেজে, ইউনিভারসিটীং পাকড়লা নিঙলপীয়ে ঘরর কাম কাজে মজজুদ অছি। রীণায় কন্ভেণ্ট যুগর নিঙলপীর বাখান করিরী।

সুবেদার মেজর, সাজৌবাকা - সাজৌবা পণ্ডিত সোফাহানাৎত উঠিয়া রীণারে, ব্রজনন্দনরে, দ্বিয়োগীরে কল্করিয়া মাতের -

ঃ তোমার মন, তোমার বুদ্ধি-লৌশিঙ হাবি ঘরে ঘরে হাবি জেলেই মুনিরাঙ সিলক, বর্ত্তক। মন চাংখল অকা কামে লাজ না পাকা, আগোরে আগোয় আহানি নেই ররং আগর হবা আগয় হিককা, হবানেইতা বেলাকা, আগোরে আগোয় পাংকরকা, ঘরে হেইমাক তিলৈয়া-তাঙৈয়া, কৌলী-খাল্লা নাইয়া তোমার সাদানে Made for each other ঐয়া থাকা' - বুলিয়া আশীর্বাদ দিয়া বেলেইয়া গেল্গা।

লেইমা চাউবীয়ে, সাজৌবাকারে, ব্রজনন্দনে উঠানে হমা দিয়া জাঙড় ধূলি লৈতে দেহিয়া ডর বাগিয়া লেইরাঙ পূজাৎ হমাছোো।

- ঃ হাট্নে, যিক্গা তোমার মিটিঙে। এবাকাতে কামৌ হাবি লমৈল। ব্রজনন্দনে, রীণারে আতহানাৎ ধরিয়া নিজে বদাগ লালৈয়া মাঙকলে নিকুলিয়া আছুল দিল।
- ঃ না, বাবা, না। আর বদাগ না লালৈতৌ। রীনায় আহিয়া নাকরিরী।
- ঃ আইৎতে বুলিয়া ব্রজনন্দনে রীণারে বুকগোৎ হাপদিয়া থৈল।



ধ্রুব-জ্যোতি

শ্রীশংকর সিংহ

আজি সুধাময়র সম্বর্ধনা। হোটেল গ্রেট্ ঈষ্টার্ণ
নিয়ন লাইট, টুনি ল্যাম্প, ফিলামেন্ট বাল্ব, রোভার রোমিং
লাইট আদিলো ঝরক ঝরক করে হাজাছি। চারিওবারা বিজুরীলো
কল্মল্ করেছে। ইণ্ডিয়ান এসোসিয়েশন অর্ হিন্দুইজম,
কন্সাসনেস্ এ পাতেছি সভাহান। কন্ফারেনস্ হলগ
কলিকাতার গণ্যমান্য মানুয়ে গিজ্ গিজ্ করতারা। আই.
এ.এইচ.সি.র ইউরোপ, আমেরিকা, জাপানর বিশিষ্ট বিশিষ্ট কর্মা
কর্তাউ আহেছি। সুধাময়র জিপুত দ্বিয়োগী ধ্রুব বারো জ্যোতিয়ো
আহেছি। বহকলকেই, অপর্না, সুপার্নাউ আহেছি। লগে ধ্রুবর
পুতক ধীমান, জ্যোতির জিলক জীয়রীয়ো আহেছে। জিলক
কান্তি হেইয়ক সুমনর তুলো খানি-দুরেইত বহেছে।

বিশাল ডাইনিং হলগৎ খানা-পিনা চলেছে। চামচ-কাটা, ছরি, পরসেলিন প্লেটে টক্টাক্ শব্দ তাল-সম-লয়-নেই বাজনা বাজিয়া চলেছে। ক্যাসেটে বিস্মিল্লা খানর সানাই, এয়ার ইণ্ডিয়ার ফ্লাইট হান নিংশিঙ করার। অতিথি-অভ্যাগত হাবি নীরব নিশ্চল।

আই.এ.এইচ.সি.র কলিকতার সেক্রেটারী জয়দীপ মুখার্জীয়ে মাইকগৎ মাতের -

- ইওর এটেনশন, প্লিজ! আজি আমি 'শিকাগো-বিবেক-বেদান্ত' প্রোজেক্টর চিফ্ একজিকিউটীভ, নর্থ-বেঙ্গলর 'হেমবতী কমপ্লেক্স' ওর মালিক মাল্টি-মিলিওনেয়ার শ্রীসুধাময় সিংহ চৌধুরীরে আমার ইণ্ডিয়ান এসোসিয়েশন অব হিন্দুইজম্ কন্সাসনেসএ 'শিকাগো বিবেক-বেদান্ত' কমল্পেক্সর সফল রূপায়ণর কা সম্বর্ধনা জানেইয়ার।

সুধাময় সিংহ দক্ষিণ আসামর গাঙ আহানাৎ জরম অছিল। মেট্রিক পাশ করিয়া আসাম পুলিশে কনষ্টেবলর চাকুরী হানাৎ হমাছিল। নিজর কর্ম্ম কুশলতায় চাকুরীর ধাপে ধাপে প্রমোশন পেইয়া ডেপুটী সুপার অব পুলিশে পদোন্নতি পেইয়া রিটায়ার্ড অক্ষো। চাকুরী জীবনে গৌহাটীৎ ঘর-দোয়ার হংকরিয়া ছৌ-জিপুত পালিয়া-পুষিয়া আছিল। চাকুরীৎত অবসর পানার পিছে জেঠা পুতেকরে বি.এচ.সি পাশ করুয়েইয়া আসাম ফরেষ্টে, ফরেষ্ট রেঞ্জারর চাকুরীত বরা দেছিল। দ্বিতীয় পুতক

জ্যোতিরেউ বি.ই. পাশ করুয়েইয়া, নেপ্কোত এসিষ্টেন্ট ইঞ্জিনীয়ার হংকরেছিল। আকখুলী জিলক, কান্তিরে গৌহাটী বিশ্ববিদ্যালয়েংত এম.এ. পাশ করুয়েইয়া এম.বি.বি.এচ ডাক্তর আগর তুলো বিয়া দেছিল। জিপুত দিয়োগীরেউ তানুর বানা-নুংশির পাত্রী অপর্না, সুপর্ণার তুলো বিয়া দেছিল।

ধ্রন্ব, জ্যোতি, অপর্না, সুপর্ণা, কান্তি, অতিথির হাদিৎ পয়লাকার পারেঙ দুহানর পিঠিত তিন নম্বর পারেঙে বহেছিলা। জয়দীপে নাঙহানি মাৎতে আক্থুরুম উবাঐয়া ডায়াসে বহেছি বাপক সুধাময় বারো মালক হৈমবতীরে আত দ্বিয়োহানি জোড় করিয়া হমা জানেইয়া বারো বৈলা। তানু বৈলে জয়দীপে বারো মাতের -

– সুধাময় অতি সৎ পুলিশ অফিসার আগ আছিল। উহানে, পেইল বেতন হানিলো ঘর-সংসার চালেইতে হীন পেইল। চাকুরীত থাইতে কান্তির বিয়া দেছিল। প্রভিডেণ্ট ফাণ্ডর রূপা তুলেছিল। রিয়াটার্ড অনার দ্বি-বছর পিছে ধ্রুব বি.এস.সি. পাশ করেছিল। আক বছর চাকুরী বিছাড়েইয়া ঘরে বৈয়া আছিল। জ্যোতি ইঞ্জিনীয়ারিং পাকরিয়া আছিল। এ সময়হানি সুধাময় অতিহীন পেইয়া চলেছিল। কোনপধ্যে নুন-ভাতর যোগাড় করে পারেছিল। পিছে ধ্রুব ফরেস্ট রেঞ্জার ঐলে খানি নুঙেই অছিল। কিন্তু অপর্ণারে বিয়া করিয়া ধ্রুব বাপক-মালক-বেয়করে বেলেইয়া গিয়া আলাদা করে গৌহাঁটীৎ উদয়াচলে মানিকচাঁনর ঘৰে আছিলগা উপেই জবর হীন পাছিল। তেবৌ না বাগেছিল। পেনসনর পয়সা, ইনভেষ্টমেন্টর খানি আয়, ঘরর ধান-চৌলর খানি রূপালো জ্যোতির ইঞ্জিনীয়ারিং তামকরানির পয়সা দেনা হিন পেইল উপেয়, আসাম রোড, ওয়েজে, সিকিউরিটী অফিসারর প্রাইভেট কাম আহান লছিল। তিন বছর পিছে জ্যোতি বি.ই. পাশ করিয়া নেপ্কোত চাকুরীহান পানায় দ্বি-বছর আহান খানি নিংশা বেলাছিল। কিন্তু জ্যোতি যেবাকা অপর্ণার বনক সুপর্ণারে বিয়া করিয়া উমরাংশুত গেলগা উপেইৎ বারো হীন পাছিল।

ধ্রুব বরো জ্যোতি জয়দীপর কথা এতা হুনিয়া লাজপেইলা পাউরী উঠানিরকা কৈলা। কিন্তু অপর্ণা বারো সুপর্ণা উঠে নুইলা হান্তে বৈয়া থানাৎ বাধ্য ঐলা ধীমান বারো জীয়ায় ববাক-বপাকরাং যানারকা মিয়াম পীড়া পীড়ি অকরলা। ধ্রুব বারো জ্যোতি তানুরে তেমজানিৎ লাগেছি। জয়দীপে মাতিয়া যারগা –

- অবশ্যে ছৌয়ে বাপক-মালকরে নাচাছিতা নাগৈ। হাদি হাদিৎ তানু মারুতি গাড়ী আকেই হান্লো আইলা। ধ্রুবয় বাপকরে, বারো জ্যোতিয়ে মালকরে নিয়া তানুর ঘরে থানারকা মাৎলা। ঘরদোয়ার, দ্বিয়োগী জিপুতেই হবাক হংকরেছি। আধুনিক ব্যামেনিটিজ লাগাছি। সুধাময়ে, হৈমবতী হিনপেইয়ী দেহিয়া জ্যোতির তুলো যানারকা মাতেছিল। হৈমবতীয়ে, সুধাময়ে হিনপার দেহিয়া ধ্রুবর তুলো গিয়া থানার কা মাতেছিলী। পরস্তু বুড়াকালে হেইমাকহান আগােয় আগােরে ছাড়ানি না মনেইলা পাউরী, না গেলেগা। বুড়াকালে হেইমাকর প্রেমহান যৌবন কালেৎত খানি মিয়াম গাড়র পাউরী।

কথাহানি মাতিয়া জয়দীপে সুধাময় বারো হৈমবতীরে চেইয়া মুক্সি, মুক্সি দের। সুধাময়ে হৈমবতীরে বাংগুরীবারার আতহান্লো লেম্পালে আক্খুরুম ছকৈল। লেম্পালে বেলাছিল আচালাহানর পট আগলো আঁহির তল পুছলো। আঁহির পানী আহে থাইব। হৈমবতী নাতিয়ক দ্বিয়োগীরে জিঙ ধরিয়া চেইয়া থাইলী। আহির পানীয়ে আহিপট ভাহিয়া, আহিকুল পাহিয়া ফোটা ফোটা পড়ের, তেইরখিয়াল নেই। জয়দীপে আঙ্লীগিলো আহির পট পুছিয়া বারো মাতানি অকরল -

সুধাময় উবাকা তিনকুড়ি হাত বছরে পড়েছে। খানিয়ৌ হিনপার। তাঁর মারুপ আগরাং কন্যাচলর ঘরগ গীরোদিল।ইনভেষ্টমেন্টর রপা তুল্লো।আসাম রোড্ ওয়েজ, কোম্পানী এড়াদিয়া হৈমবতীরেল সুধাময় শিলিগুড়িত আহিল। রূপা হাত লাখলো অশোক ল্যালেগু বাস আহান লৈল। সেভক বোডে ঘর আগ ভাড়ালৈয়া বাসহান চালানি অকর্লো।বাসহান শিলিগুড়ি-ক্যালকাটা, শিলিগুড়ি-দার্জ্জিলং, শিলিগুড়ি-পাটনা আনাযানা করের। পিছেকার বছরে আরাক বাস আহান লৈলো। দেখতে দেখতে ৪/৫ বছরে 'হেমবতী ট্রেন্স্পোরট কোম্পানী' বারহান বাসলো উবা ঐল। সেভক রোডে ৫ বিঘা মাটী লৈয়া 'হেমবতী কমল্লেক্স' উবা ঐল। 'হেমবতী কমপ্লেক্স'এ যাত্রীথানার' রাধা-কুঞ্জ' হঙৈল। যাত্রীৰ খানা-পিনার 'গ্রীকৃষ্ণভাজনালয়' বহিল। লগে 'হেমবতী পেট্রেল' 'হেমবতী সারভিসিং সেন্টার বহিল। সুধাময় 'রাধা-কৃষ্ণ'র মন্দির হংকরিয়া

নাঙহান দিল 'সুধা-কুঞ্জ'। চব্বিশ ঘণ্টা কৃষ্ণ সুধামৃত বিলার। অহরহ, অতিথি, বামন, ভক্ত, অনাথ সেবাত মন-প্রাণ-ঢালে দিলো। দ্যৌর লেইফাম, মন্দির-মসজিদ, গীর্জা, ইস্কুল, হাসপাতাল, অনাথ আশ্রম এতাৎ যথাসম্ভৱ দান-ধর্ম্ম করের। 'হৈমবতী কমপ্লেক্স' র নাঙ ভারতবর্ষ ছাড়িয়া গেল্গা। সুধাময়-হৈমবতীর গুণগাথা, স্নেহমমতা, আতিথি বাৎসল্যর কথা ভক্ত মণ্ডলীর থতায় থতায় ইউরোপ-আমেরিকাত ছড়েইয়া পড়িল। আমার শিকাগো-বিবেক-বেদান্ত এসোসিয়েশন, শিকাগোৎ 'বিবেক-বেদান্ত কমপ্লেক্স' প্রোজেক্ট হংকরে দিয়া প্রোজেক্টহান রূপায়িত করা নিরকা তাঁরে মাৎলাং। তাঁ য়্যাকরিয়া শিকাগোৎ আমার 'বিবেক-বেদান্ত-কমল্পেক্স'গ হংকরেদিলো মাত্র আহৌ মিলিয়ন ডলার পারিতোষিকলো। ঔ দেব-প্রতিম গিরক শ্রীসুধাময়রে বারো তাঁর সহ-ধর্মিনী হৈমবতী গিথানকরে আমি সম্বর্ধনা দিয়ার - তানুর আয়ুষ্কাল আরাকৌ ঠৈয়ক, স্বাস্থ্য হোবা অক্, ধর্মে আরাকৌ মতি অক, 'হৈমবতী কমপ্লেক্স' হৈমবতী ট্রেনস্পোরট্ আরাকৌ চাংখল অক। এবাকা মি শ্রীসুধাময় সিংহ চৌধুরীরে হেইচা করুরী - তাঁর জীবনর মূল্যবান য়্যারী জীবনে প্রতিষ্ঠিত অনার মূল্যবান শিক্ষা, জনগণর আত্মোন্নতিরকা মহামূল্যবান উপদেশামৃত আমারে দেক।' জয়দীপ সুধাময়রে মাইকগৎ উবা করে দিয়া কাদাৎ উবাঐয়া থাইল।

সুধাময় মাইকগ ধরিয়া আক্তাউ না টটরেইয়া খানি আহান উবাঐয়া থাইল। কন্ফারেন্স হল্গর অতিথি অভ্যাগত হাবিরে চেইল। দ্বি-আত জোড় করিয়া হাবিরে হমাদিল। হৈমবতীয়ে আঁহির পট পুছলী।

ধ্ব বারো জ্যোতি বাপকরে চেইয়া থাইলা। কিহান মাতের ছ্নানিরকা কান হিণ্ডারেইয়া থাইলা। জ্যোতিয়ে মাতের -- দাদা! আইৌ মিলিয়ন ডলার এতা কতি রূপা। প্রায় পাঁচইৌ কোটী ঐতৈ না। বাবায় এতাহাবি রূপা কিতা করতৈ তা। হাবিতা দান করিয়া যিতৈগা পাউরী।

- কিতা মাৎতু। 'হেমবতী কমপ্লেক্স', 'হেমবতী ট্রেন্সপোরট কোম্পানীয়ৌ কম করে হাজার কোটী রূপা ঐতৈ। আমারে নাদলেউ নাতি নাতলগীরে দিলে দিতে পারে। ইমায় নাতি নাতল গীরে জিঙ ধরে চেইয়া আছে।' ধ্রুবয় মাত্লো। মাতিয়া চুপ থাইল।
- তোরে কত বার মাৎলু ইমা বাবারে লগে নিয়া থৈক্গা। তি হুদ্দা বাবারে নেনা মনেইলে। এবাকা উতা খাল্করিয়া কিহান

কনা। বাবা-ইমার জাঙে ধরিয়া ক্ষমা বিছারেইক্গা। বাপক-মালক ছৌ-ছুমারার দোষ না ধর্তারা। তানু আমারে যেসাদেউ ক্ষমা করে দিতাই।'অপর্ণায় ধ্রুবরে বুঝেইরী।

ত্রামি আরাক আক বছৰ দ্বিবছৰ বাবা-ইমার তুলো থাইলে হবা অছিল। অন্ততঃ কন্যাচলর ঘরগ বাবায় গীরো নাদলৈছ। ঘরেনা অইলেউ হাদি হাদিৎ বাবা-ইমার তুলো দেহা সাক্ষাৎ করলে হবা ঐলেছ। অন্ততঃ এতাহাবি রূপা-পয়সা-সম্পত্তির বাট আহানতে পেইলাং এছ। এবাকা জিয়ারীরে ইমার উড়কে থ'দিক। ইমা নাই অরেতে। নাতিনকরে কুরাং বেলা পারতৈ তা।' সুপর্ণায় জ্যোতিরে বুঝেইরী।

- ধ্যেং। চুপমারিয়া ব। এবাকা ইমা-বাবার বানা-নুংশি না দেহয়েই। ইমা-বাবার তুলো থানা নুয়ারতেই বুলিয়া কতি পীড়লেতা। তুমি দ্বিয়ো বেইবুনীয়ে হীন পেই তারাই বুলিয়া আমারে বাবা ইমার তুলো থানা নাদ্লায়তানা। জ্যোতিয়ে সুপর্নারে ধমক আহান দিলো।

সুধাময় মাইকগৎ টটরাণি অকরল -

- বাপক-মালক যশমান, ধনবান, কীর্তিমান ঐয়া খানা লাগের। আমরণ আত্মনির্ভৰশীল ঐয়া থানা লাগের। অর-বস্তুরকা ছৌ-ছুমারার গলগ্রহ অনা না লাগের। বুড়াকালে ছৌয়ে খোয়েইতাই, ছৌয়ে চেইতাই, বুলিয়া ছৌ-ছুমারার গজে ভরশা করানি থক্ নেই। পরিবারে নির্ভৰশীল ঐলে, কি বাপক, কি মালক, কি বেয়াপা-বেইবুনি আগয় আগরে নাউ চেইতারা। উসাদে জীৱনর কোন মর্য্যাদা নেই। বাপক-মালকে জিয়া-জিপুত জরম দিয়া পালিয়া-পুষিয়া ডাঙড় করতারা উসাদে লয়ৈলগা দিন পেইয়া দিয়া থৈয়া যানা পারলে শৌ-ছুমারারাং বাপক-মালকর আদর যতু থার। জীব-জন্তু পশু-পক্ষীয়ে তানুর ছৌ-ছুমারা ফর হিকিয়া কুংগ কুরাং গেলাগা নাউ হারপেইতারা। ছৌ-ছুমারা উতার্য়ৌ, তানুর, মালক-বাপক কুংগ কুরাং থাইলা, খেইলানে, মইলানে নাউ হারপেইতারা। মানু যদি এসাদে ঐতারা উতা ঐলে পশু পক্ষী, জীব জন্তুর তুলো ভেদাভেদ কিতা থাইতৈ।' খানি আহান জিরণ-লৈয়া পানী গিলাচ আহান পিয়া, আচালার কাদা আগৎ থতাহান পুছিয়া বারো মাতের -

- জিপুতর প্রতি পিতৃ-মাতৃর কর্ত্তব্যতে আমি পালন করেছি। জরম ঐয়া বহে নুয়ারলা, আটে নুয়ারলা দিনে, ককে, উড়ে করিয়া থৈলাং। লেইরিক লেইছৌ তাম করুয়েইয়া ডাঙর দীঘল করলাং মানু হংকরলাং, সংসারে প্রতিষ্ঠা করলাং। কিন্তু এহান কি বিধান, উপযুক্ত ছৌয়ে আটে নুয়ারতারা, লরে নুয়ারতারা

বুড়া বাপক মালকরে তানুর পাংকাল্পা আত আহানৌ আগ বাড়েইয়া আটোঁয়া নুয়ারলাতা। আমিতে ছৌ তিনগ-চারিগ ঐলেউ খোয়েইলাং পিউয়েইলাং, ভরন-পোষণ করলাং কিন্তু ছৌয়ে বুড়া-বাপক-মালক দুগরে দ্বি-মুঠি ভাত দিয়া নুয়ারতারা।' আচালার পট আগলো আঁহির পটগী পুছিয়া বারো মাতের -

- আমিতে ছৌ বিয়া দিয়া, হেইমাক হানরে জোড়া দেহিয়া আজীবন হারৌ থাইলাং। বুড়া ঐয়া না মরেছি পেইয়াউ বৌয়েই-জিপুত, নাতি নাতল্লো আক্পেই থানা মনেইলাং। এহান কি নীতিহান, আমার ছৌয়ে আমারে বাটিয়া থনা মনেইতারা। বুড়াকালে হেইমাক খেইকরাণি মনেইতারা। ছৌতে হেইমাক ঐয়া থানা, বাপক-মালকতে খেই খেই থানা, কিসাদে খালকরে পারতারাতা।' সুধাময় আহিগী সেঙকরিয়া হৈমবতীরে চেইয়া মাতের -

- জোয়ান কালে চলা-বৈঠা-খানা-পিনারকা সাহায্যর মিয়াম দরকার নেই। বুড়াকালে আটানি-বহানি-খানা-পিনা হাবিতাতে অর্হনিশে আগ না আগর সহায় লাগের। ছৌ ছুমারা নিজর কামে ব্যস্ত থাইতারা। বৌয়েই তানুর ছৌ-ছুমারা, হেইর কামে ব্যস্ত থাইতারা। বুড়াবুড়ি আগয় আগয় সহায় ঐয়া চল্তারা। অতীতর বানা-নুংশির য়্যারীপরীদিয়া, ছৌ-ছুমারা, আত্মীয়-কুটুম-কাষার য়্যারী নিংশিঙ ঐয়া ঐয়া আগয় আগরে ছনুয়েইয়া সময় কাটেইতারা। এ বয়সে কিসাদে ঠৈগয় পারিয়া বুড়াবুড়ির হেইমাক খেইকরতারাতা। তাঁনুর কথা, তাঁনুর স্মৃতি, এতার, কোন মূল্য জিপুতরাং না থাইলেউ আমি বুড়াবুড়িরাং আছে। উতায় আমার সময় কাটেব, আমার হীন ককর। সুধাময়র হক্গ আহিল পারা। খানি জিরেইল। জিরেইয়া মাতের -

- যে উপযুক্ত ছৌয়ে বুড়া বাপক, বুড়ি মালক পালানি না করিয়া ঘৰ দোয়ার বেলেইয়া যিতারাগা তানুরে পিতৃ-সম্পত্তি দেনা থক্নেই। সহায়-সম্বল নেই, হীন পেইতারা বুড়াবুড়ি, অনাথ, আতুর-পিতুর এতার ভরণ-পোষণ বারো থানারকা সম্পত্তি এতা দান করে দেনা লাগের। মি এহানেই মাতানি মনাউরীযে সংসার এহানাৎ, নুঙেই ঐয়া, শান্তি পেইয়া, আত্মমর্য্যাদা বারো স্বাভিমান্লো লমৈলগা দিন হানি পেইয়া কাটানি মনেইলে, হাবি বাপক-মালকৌ নিজর নিজর ভরণ-পোষণ, অন্ন-বস্ত্ব-চিকিৎসা, সামাজিকতার ব্যয়ভার নিজে নিজে লনার যোগ্যতা থনা লাগতৈ। পরান্ন ভোজনর ডেকি লাজ, মানসিক নির্য্যাতন আর নেই। তারো বুড়াবুড়ি ধনবান, যশবান, কীর্ত্তিমান থানা লাগের। সেবার মনোভাবলো বুড়াবুড়ি, বাপক-মালকরে ছৌ-জিপুতে

পাল্লে অমর্য্যাদা নার। বরঞ্চ বাপক মালকে স্বর্গসুখ পেইতারা।

সুধাময় কথা এতা মাতিয়া হৈমবতীরেলো উঠিয়া ডায়াসগোৎত লামিয়া যানা অকর্ল। ছৌর কাদাফৌ ঐলে, বৌয়েইয়ে জিপুতে জাঙে পড়িয়া ক্ষমা ভিক্ষা বিছাড়লা। ধ্রুবয়-জ্যোতিয়ে বাপকরে তানুর তুলো থানার কা হেইচা করলা। সুধাময়ে না করল। মাতলো -

- তোমার মালকরে মাতিয়া চেই।

ধ্রুব-জ্যোতি, অপর্ণা, সুপর্ণা হৈমবতীর জাঙে পড়িয়া তানুরে ক্ষমা করেদিয়া তানুর তুলো থানারকা মাৎলা। হৈমবতীয়ে মাতলো -

- মালকগ হিসাবে তোমার প্রতি মোর কর্ত্তব্য আহান আছে। বারো মৈলকগ হিসাবে স্বামীর প্রতি আরাক কর্ত্তব্য আহানৌ মোরতা আছে। যেবাকা মাতৃ-কর্ম্ম বারো পত্নী-কর্ম অক্না-অক্নি অর উবাকা পত্নীকর্মাই গজর থাক্হান পার। তারো মি তোমার বাপকর তুলো থাইতৌ।
- হৈমবতী কমপ্লেক্স'এ তুমি, বুড়া-বুড়ি ঐয়া তোমার ছৌয়ে না চেইলে তুমি থাইয়োগা। সুধাময়ে এহানি মাতিয়া, হৈমবতীরেলো নিকুলিয়া গেল্গা।

(য়্যারী এহান ইকরতে হিন্দী বারো বাংলা সিনেমা দুহানর প্রেরণা আছিল।)



TVIS BETTER TO WERE OUT THAN TO RUSH OUT.

ভতিই মুক্তি। সমর্পনই ভাষ্য সদালাগ সদটিতা আনন্দময়। শিষ্টবটন, প্রিয়বচন, হিতবটন, সোমা-মৌন প্রসম ভার সদাসুখময়।।

> বিদ্যা মিত্রং প্রবাসের কাহে মিত্রং গ্রহিনী। অসুথে উমধি মিত্রং, সক্ষেমাঞ্চ জনাধুন।।

অনীর্ত্ত

শ্রীবিভূতি সিংহ

- কানা দ্যৌ এগয় মোরে নাউ নেরগা। তাঁরাং কি হান অপরাধ করেছুতা? জনম এহান তাঁর সেবা পূজা করতে করতে এবাকা কুরু সুমৈলু। এবাকাউ মনারতা মি সেবা করানি! লড়ে চড়ে নুয়ারলু, আহিগীলৌ হবায় না দেহুরী, কিসাদেতে তোর পূজা করতু? আক্গ পেইলু ছৌগৌ দিল্লীৎ গিয়া আর নাহের। কোরাঙকার হিন্দুস্থানী জেলা আগ থৈয়া আহুগো বুল্তারা। হৌ যে মেলেটারীৎ গেল্গা এগ্ আর আলৈয়া নাহিল।

সেনারেস্বীয়ে চুহির তলে জাঙহানি দিয়া দারিগৎ বৈয়া সেন্ধাহানাৎ বিলাপ করাত লাগেছে।

ঃ বুড়ীমা! মি দুপ-থংমেই দিয়া দিতৌ নায়! কিয়াকা হীন পাউরীতা। ত্রি সেন্ধা হানাৎ আহির পানী না বেলেই। ছৌ-ছুমারার অমঙ্গল অর বুলতারা। অনীতা কাঁদার পাপলুর ঘরর খুলি বহকগ। তানুর ঘরর দুপ-থংমেই দিয়া হদেইয়া সেনারেম্বীর ঘরর দুপ-থংমেই দিয়া দেনাৎ আহেছেতা। নিক্কা নিক্কা সেন্ধাকার দুপ-থংমেই তেইয়ে দিয়া দিরী।

পাপালুর পুতক সুদর্শন বি. এস. সি. পাশ করিয়া এম. এস. সি.ত ভর্ন্তি অনা নুয়ারেছিল। অঙ্কত অনার্সে মার্কস কম পাছিল। তা এম.সি.এ. বারো এম.বি.এ. পাকরিয়া দিল্লীত বিদেশী কোম্পানী আগৎ চাকুরী করের। পয়লা বছর হাত লিশিং বেতন পাছিল। এবাকা আক্কুড়ি দ্বি লিশিং পার। গেলতি বছর বিয়া করেছে। অনীতা এম.এ. পাশ করিয়া গাঙর ইংলিশ মিডিয়াম ইস্কুল আগত মাষ্টারী করিরী। সুদর্শন দিল্লীত ঘর-দোয়ার যুগৎ করে নুয়ারিয়া তেইরে ঘরে থৈয়া আক্খুলাগ দিল্লীত আছোা। দিল্লীত খরচ মিয়াম হান্তে না কুলার। পিছেদে বেতন খানি ঠৈয়েলে তেইরে নিতৈগা বুলেছে।

- ইমারো ! মিনিট আহান ব। মি দ্যৌ হমা দিয়া বেলেইং।' বুলিয়া অনীতারে বহুয়েইলী। দ্যৌ-হমাদিয়া সেনারেম্বী ঘরে হমেইলিগা। বারনর নামফাগংত মজা চাম্পা কলা চারিগ আহান আনিয়া অনীতারে দিয়া মাতলী-
- কলা এগী খা। গেল্গা হাপ্তাৎ তম্বকসেনারেলো কলা জাকহান কোন মতে কাপুয়াছিলুতা। এরে কান্দা এহান তোর হৌরক হৌরিয়কর কা ঘরে নিয়া দিছগা।

- বুড়ীমা ! তি হে খা। কিয়াকা আপ্পানে হীন পাউরিতা। আমারতাতে আছে নাই। মাতিয়া অনীতা কলা আগ খেইলী।
- সুদর্শন তে ঘরে আহের তা। আমার এগতে ঘর নিংসিঙ নার। কিসাদেউ আইত। মৈলক হিন্দুস্থানীগয় আহানি দিলেহে নাই। সেনারেম্বীয়ে দুঃখ করিরী।
- বুড়ীমা! হীন নাপেই। আজি কালি অতি কঠিন যুগ আহান পড়েছে। ছৌ-ছুমারা এতারে বিয়ান হাত বাজিৎ ইস্কুলে ফৌকরাণি লাগের। মাদানে তিন চারি বাজিৎ বারো আনানী লাগের। ঘরর পড়া এমাটিক মিয়াম অর, ছৌরেলো সেন্ধাহান লেরিক বাগা দিয়া বহানি লাগের। ছৌ এতা পরীক্ষাৎ হবা নম্বর না পেইলে হবা ইস্কুলে ভর্ত্তি অনা নুয়ারতারা। উতারগজে ইস্কুলর ভর্ত্তি ফিস্ মাসিক বেতন, আনা যানার গাড়ীর খরচ, লেইরিক লেইছৌর খরচ, পোষাক-আশাক, টিফিন, কিতা-কাতা যোগাড করিয়া চালানি অতি কঠিন অপড়েছেগা। কামর মানুয়ো পানা হীন। পেইলে ধন-মাহী মাগতারা। উতাউ কাম হবা করে না করতারা। জেলাগয়-মুনিগয় আত না লাগেইলে ঘর চালানি হীন। গাড়ী আহান নাইলেউ, স্কুটার আহান ছাড়া পথ আটানি চিল। সিটীবাসে ভীড়, বাসৌ কম। সিটিবাস বাছেইলে, ইস্কুল, অফিস যানা ডিলৰ। অটো রিক্সাত পয়সা য়্যাম। মোহনদাতে পেনসন্ পাছে হান্তে পয়সা কম পার। অন্য অন্য কাম করানি লাগের। - অনীতায় সেনারেম্বীরে আজি কালিকার দিনকালর অবস্থাহান বুজেইরী।
- ঐলেউ বছরে দ্বি-বছরে আকেই খুরুম ঘবে আইলে হবা। আমারেউ দেখ্লো গাঙ-ঘরর মানুর তুলৌ তিল-পারল। সেনারেম্বীর অন্তরগ অনীতার কথাৎ সায় দেনা হীন পার।
- এবাকা ছৌ এতা ছুপকরেউ সময় না পেইতারা। ইস্কুল কলেজর পড়ার চাপহান জবর। হাপ্তায় হাপ্তায় পরীক্ষা, মাসে মাসে টেস্ট। বছরে বছরে নুয়াকরে ভর্ত্তি অনা লাগের। বিষয়হান লেহে মাষ্টর থৈয়া রাতি-মাদান, দিনে দশ-বার ঘণ্টা করে না পাকরলে নুয়ারতারা। উতার গজে কম্পুউটার, ড্রইং, এলা-নাছা, এম্বডায়েরী, স্পোর্টস্ মাসে মাসে আউটিং। বিচিত্র শিক্ষার জগং। আগেকার ডেকি নাগৈ। মানু-কমছিলা। শিক্না কমছিল। চানা-পানা কমছিল। ইস্কুলে ভর্ত্তি ঐতে ডনেশন নেয়ছিল।

ধরাধরি নেয়ছিল। চাকুরী পেইতে ধন-দেনা না লাগেছিল। এবাকতে কোন আহান তামকরতে, পরীক্ষা দিতে, কৌচিং ক্লাশ করতে, দালাল ধরানি লাগিল। ট্রেনিং আকেইহান লৈতে রূপ লাখ - দ্বি লাখ লাগের। উতার গজে, ভর্ত্তি ঐতে, চাকুরী পেইতে, রূপা লাগের। উতাউ কম করে নাগৈ। রূপা পাঞ্চাশ হাজারেৎত পাঁচ ছয় লাখ পেইয়া লাগের। ছাত্রছৌ এতা মনেইয়াউ মনেইতারা বিষয় উহান পাকরে নুয়ারতারা। পাকরিয়া উঠিয়া বারো চাকুরীর চেষ্ঠাৎ বছরর পিছেদে বছর বাছানি। কোন কোন গরতা চাকুরীর বয়স লালৈয়া য়ারগা। পিছেদে বেহা-বেপার, প্রাইভেট কোম্পানীত চাকুরী, এসাদে ঐয়া ছৌ ছুমারার ছাত্র-ছাত্রীর মনৌ ভাগে পড়েরগা। কিসাদেউ হবা মন আহানুলো থাইতা। পাগল নাইয়া আছি এহানৌ বালা। এতাহাবি পাকরিয়া লপুকর খেতি-বাতির কামৌ কিসাদে করতা। তেবৌ করতারা। যেকোন কাম আহান করতারা। তারো নিঙলছৌয়ৌ মুনিছৌয়ৌ বয়স ঐলেউ বিয়া না করতারা। কাম-কাজ আহান নেয়ৈলে, ধন পয়সার আয় আহান নেয়ৈলে, বিয়া করিয়া কিতা খৌয়েইতায়। ছৌ ছুমারা ঐলে কিসাদে পালিয়া পৃষিয়া ডাঙর করতায়। পেইতারা ধনহানিলো নিজরতাউ নারগা, কারে খৌয়েইতাই, চেইতাই। তা আরো, ঘর-দোয়ার বাপক-মালক বেয়াপা-বেইবুনি আত্মীয় কুটুম এতাৎত দূরেই ঐতারা। আজি কুংগ আছিতা, কুটুম-কাষা, নিংশিং ঐতারাতা, কয়গ আছি, বিদেশ-বাড়ী, দূরেইর কুটুম, থুঙৈতারাতা। পথ-আটানির খরচ এইপাৎ, খুতুল, মাছ আকচারা, ভাত আকচারা খৌয়ানির খরচ জারে পারানি চিল অছে। মকা-পুঠি এবাকা কিলোত রূপা আহৌহান। বোয়াল, চিতল, রৌ, বাউ, রূপা আহৌ য়্যাংখেইৎত রূপা সাড়ে তিনহৌ চারি হৌ ফৌঐল্গা। কলা কান্দাহানাৎ রূপা দশহানাৎত রূপা পঞ্চাশ পেইয়া। বাসর ভাড়া, ট্রেইনর ভাড়া, তোমার দ্বি-আনার ফামে এবাকা রূপা দশহান। তারো বুড়ীমা, এবাকা ছৌ-ছুমারারে দোষ নাদি বরং ভগবানরাং বরহে মাগেদে, যেসাদে করেউ তানুরে সংসার এহানাৎ বর্ত্তিয়া থানার, হিম্মত, মনর উৎসাহ, চেষ্টাশক্তি বারো পুঞ্চি দেক। ঘরেদে নাউ চাকা, তানুয়ে হবা ঐয়া পালৈয়া থাকা। চিন্তায় চিন্তায় আমারতা ঘুম নার। কনাক বয়সেৎত হার্টর নুয়ারা, প্রেসার, ডায়েবিটীস, অল্লশূল, পিত্তশূল, ষ্টোন, সুগার, ক্যানসার, বাত, কিডনীর নুয়ারা, মুর, কামাড়ানি কাকালী দোহানী, লারিকটা, উরৎ, থরোয়া, মুদা দোহানী, এতালো ভর ফাচি। 'নারসিংহোম' আকৃতা আছে ঔতাত চিকিৎসারকা বরানিয়ে, টেষ্ট, ফিজ হজকর দাম দিতে দশ-বার

হাজার লাগের। কিতাপারা অপারেশন কিতা ঐলে রূপা দ্বিলাখ, তিন লাখ লাগের। ডাক্তরর ফিস্ চানা হান লেহে অহৌৎত আহৌ য়াংখেই। আজিকালি নুয়ারা আগ সেমটানি মানে রূপা দ্বি-তিন লাখর কম নাগৈ। এতার চিন্তাত আমার ছৌ, আমার মানু আরোহে জিংতা ঐয়া আছি। তারো বুড়ীমা, মোহনদারে না গুজুরিছ। তাহে হবা ঐয়া থাকু।

কথাহানি মাতিয়া অনীতা উঠ্লী। যানারকা করতে, সেনারেম্বীয়ে আতহানিলো ধরিয়া খাম করিয়া বারো বহুয়েইলী। বহুয়েইয়া মাতিরী –

- অনীতা ! তি এবাকাৎত এমাটীক খাল্ করৌরীতা। হবে তোরতা আটাইশ-উনত্রিশ বয়স অথাই ব এবাকা নৌ-নৌ করের ছৌ আগ উড়ে, করিয়া হারৌ-তিয়াম করিয়া, চিন্তা ভাবনা না-করিয়া আটবে ফিরবে সময়হানার্থ কতি খাল করৌরীতা। বুড়ীগ ঐলে পারা। মি এবয়সেউ এতার বিন্দু আগ খালকরে নুয়ারেছু। তোর এ বয়সে মোরতা মুনি-ছৌ আগয়, জেলাছৌ আগয় অছিলা। দ্যৌয়ে নিয়া দিলাগা। নাইলে এবাকা নাতি নাতল বিয়া দিয়া ঘরগ ঝম্ ঝ্ম্ করিয়া থাইলুঐছ। খৈতং পন্দর-ষোল বছরে কলেরাই মরে পড়িলগা। মাগোতে বিয়ার পিছে ছৌগ জরম দিতে গেলিগা। এমাটীক না খালকরি। ভগবানে আপ্লানেউ করতৈ।

- বুড়ীমা । মাতুরীহান চুম। কিন্তু আগেৎত না খাল করলে পথতে কিসাদে পেইতাঙাই। যেগরতা ভাবনা নেই উগরতা ভগবানৌ নেই' বুলতারা। 'যেগো ঘুমজিয়া থার উগোর কপালহানৌ ঘুম জিয়া থার"। মহিষাসুর এগোরে দুর্গায় দ্বি-হান আতলো মারে নুয়ারতৈ দেহিয়া দ্যৌএতায় আরাক আত আটহান দিয়া, আতে আতে খুজু-খুচ্চেই দিয়া দেছিলাতা। দুর্গা গিথানকে আত দশহানূলো লালফাম করিয়া মহিষাসুররে জিঙেছিলীতা। আজিকার সংসার এহানতে মহিষাসুর মাল। আমি চিন্তা ভাবনালো পথি না নিকাললেতে এ মহিষাসুর এগরাংত কিসাদে জিংতা ঐতাঙাই। চিন্তাতে করানি লাগতৈ, পথি নিকালানি লাগতৈ, মন-প্রাণলো কর্ম্ম করানি লাগতৈ। সংসার এহান কঠিন অছে। জটিল অছে। আগেকার, ডেকি লপুকে খেতি করিয়া, বিলে মাছ ধরিয়া, ঘরে খানি-মানি ফুতি-ফালি বুনিয়া, বাড়ী-কলে হৌ-পাত খানি রুয়েইয়া তুমি চল্লায় উহান নাছে। এবাকা লপুকে কিয়ার আহান খেতি করলে ধান দশ মন নার, খং-ঘাট-বিল নেই মাছ-মারানির, থাইলেউ মাছ নেই। বাড়ী খেতিত ফসল নার। কাদা বারার টেঙরাৎ বাহা-

ক্র-নারৌ-ছন্ নেই। হৌদিন গেল্গা। এবাকা নুয়া নুয়া কল-ক্রকানা বেহা-বেপার, ফুতি-ফালি, রং-তামসা নিকুলিরা মানু ভার গদে বেরছি। পৃথিবী এহান এবাকা ফর দিয়া ছালছে। ও নিত্য নৃতনর তুলোনা দাব্ দিলে আমি অতি পিঠিত পড়িয়া ক্রতাণ্ডাই। এবাকা পিঠিৎ পড়িয়া থানার কাল নাগৈ। এবাকা লব্ দিয়া আগে যানা। আগে খানা। এবাকা, আগে গেলে বাঘে বার, পিছে গেলে হোনা পায়' নাগৈ। এবাকা 'আগে গেলেগা হাগে যানা, পিছে গেলেগা পিঠিত থানা।' বুড়ীমা। এবাকা বিছ্গা। রাতিকার ভাত রাধানি অছে।ইমা আজি ঙাল্করে খাছে হান্তে ভক্পা থাইব। বাবাউ গারীগ খানি নুঙেই না পার ব্লেছে। বুলিয়া উঠিয়া গেলিগা। যেইতেগা যেইতেগা মাতলী-

সেনারে দ্বীয়ে খালকরিরী পাপালুয়ে তম্বক আগ হকেগ করে আনেছে। কতি খাল্করিরীতা। নিজরকা, ছৌ-ভৌপুতরকা, বুডা হৌরক হৌরিয়করকা। কিন্তাউ সম্পর্ক নেই, মোর কাউ। ভগবান! এছাদে নিঙলছৌ ঘরে ঘরে জরম দিয়া

সেনারেম্বী রাতি ভাত না খেইরী। সেল্কম গ্লাস আহান, কাপক-বারো চিড়া-মধুর-কলালো ফলার খেইরী। আজিয়ৌ উতা খেইয়া ফামে হমেইলীগা। খানি থাইয়া ঘমুজে পড়লীগা। হপন আহান দেহে দেহে নুঙেই এয়া ঘুম জেছে -

- মোহন আহেছে। বহক আহেছে। নাতিয়ক আগয় নাতিনক আগয় আহেছি। মোহন চাকামে হমাছে। ভাতর যোগাড় করের।
 তেইরে আংকরের -
- ইমা কিতা খানা মনাউরীতা। ইলিশাউ আনেছু, কালিকার বোয়ালৌ আছে। রাতি বোয়ালে লেউএ নাউ খেই। কালি মাদানে তেই হবাক রাধে দিতৈ। তাপ্থা ঐয়া খেইছ। এবাকা ইলিশায় মুখীয়ে রাধে দিং। মাছ টুমা আকেইহান বাজে দিতৌ। আরাক টুমা আকেইহান হৈরলো হিজা দিয়াদিং। ঐতৈ নাই, ইমা। ফামহানার কাদাৎ আইয়া আত-জাং মাঠিয়া দিল। দরিয়াহান গারগ পেইয়া আচুলে দিল। মহরিহান হবাক খালকরে দিয়া ডাঙর লাইটগ নিবা দিয়া ছরকাং লাইটগ লাগাদিয়া চাকামে ভাত রাধাত হমেইলু গা।

বহকগয় ছৌ দ্বিয়োগীরে লেরিক বাগাদিরী। ঘণ্টা আহান পারা ইংলিশ বাগা দিলী। আরাক ঘণ্টা আহান পারা অঙ্ক বাগা দিলী। পিছে বাংলা বাগাদিলী। উতার পিছে ভাত খোয়েইয়া ঘুমজা দিলী।

খানি পিছে খানার ঘরে মাটীহান লেপিয়া ফিটা আহান পাতেদিলী।ভাতর চাংলুকহান হাজেইয়া আনিয়া থৈয়া তেইরে উঠেইয়া নিয়া ভাতে বহা দিলী। কাদাৎ বৈয়া ইলিশার কাঁটা বাছে দিয়া পুকামে থ'দিরী। হৌ-ভাত ঐবগা করে আংকরে আংকরে খৌয়েইয়া থতা-আত ধদিয়া, খুৎতেই হান্লো পুছে দিয়া ফামহানাৎ ঘুমজা দিলী।

মোহনে-তেইয়ে, তানুর ভাতগী নিকালেয়া খেইলা। মোহন উঠিয়া গেলেগা তেই ঘর চাকাম লম্ করিয়া তেইর কাদাহানাৎ ফামহানাৎ ঘুমজিয়া থাইলী।

বিয়ান পাঁচ বাজিৎ উঠিয়াই ঘর দোয়ার হুরিয়া পুছিয়া হিনেইয়া আইলী। তুলসীবুঙে দুপ-থংমেই দিয়া পাকঘরে গেলিগা। সাড়ে ছয় বাজিৎ রাধিয়া পুড়িয়া ছৌর-ইস্কুলর ভাত টেবিলে থদিলী। টিফিন বক্স দুগ, পানীর বোতল দুগ কাদাৎ থদিলী। ছৌগীরে উঠুয়েইয়া হিনাৎ দিয়া পেঠেইয়া তানুর ইস্কুলর লেরিকর বাাগ দিয়োগী হাজেইয়া টেবিলে থদিলী। হিনেইয়া ফু তি পিদিয়া আনায় ভাতে বহা দিলী। মোহনরে ছৌগী ইস্কুলে থিক্করে দেনারকা উঠা দিলী। খানি থাইয়া মোহন স্কুটারহান উঠানে নিকালেইয়া উবা এল। বহকগয় ছৌদিয়োগীরে নিয়া স্কুটারে কাকরে দিলীগা। পিঠিৎ ইস্কুলর ব্যাগগী, হাতে পানীর বোতলগীলো ছৌ-দ্বিয়োগী বহেছি। মোহন স্কুটার হানাৎ কায়া ছৌগীরেলো গেল্গা।

বহুকগ ঘরে আইয়া তেইরে উঠেইলী। আত-জাং-মেইথং সেঙনির তপ্তাপানি, য়্যাথিল আগ, খুংতেই তুপ্ আহান কাদাৎ থদিলী। দাঁত দারেইয়া আহি মেইথং দৈয়া বিয়ানকার চা-পানী পিনারকা মাতিয়া চাকামে গেলিগা।

তেই ফামহানাংত উঠিয়া মাংকলে গিয়া দোয়াৎ গেলিগা। আইয়া, দাঁত কিতা দারেইয়া পুছিয়া ঘরে হমেইতেগা বদাগং উসুটন্ খেইয়া 'অনীতা' বুলিয়া চীকারি আগ দিলী। উবেদে মাং ফৌঅ পাড়লীগা।

বিয়ানহান হুতুমেউ ফুরাছিল। প্ববারা ঙালছিল। সেনারেশ্বীর চীকারিগ হুনিয়া, পাপালু, পাপালুর মৈলক থৈবী, পুতক অর্জুন, বহক বসুন্ধরা বারো অনীতা ধাবদে আইলা।

- বুড়ীমা ! বুলিয়ি অনীতায় সেনারেম্বীরে ধরলীগা। আংকরলী-
- বুড়ীমা, হপন দেহিয়া ডর পেইয়া চীকারিগ দিলেতা ?
- না হে। বদাগৎ উসুটন্ খেইয়া বুড়ী আঙুলিগীৎ দোহেইলু হান্তে তোরে চাকামেৎত ডাক্লুতা।
- কৈ, চেইং কুম্পেই দোহেইলেতা' বুলিয়া জাংহান চেইতে বরফ পারা ইং জাংহানি তেইর আত হানাৎ ঠেক্তেই অনীতায় লৌদিলী -
- বড়ীমা নেই !

স্থার সভাত

– নহস

গ্রীকৃষ্ণয় মাতের -

- তিল দেছি রাজর্ষি, দের্বিষি, ব্রন্দর্ষি, মহর্ষি, বরেণ্য সমাজ নিংপা গিরিগিথানী। হাবির শ্রীচরণে ভক্তি কাংকরুরী। আপনা গাছির শুভাগমনে আজিকার মহতী সভাহান ইঙাল ঙালৈল। সত্য, ত্রেতা, দ্বাপরে স্বর্গরাজ্যে এসাদে সমাবেশ কোনদিন নাছে। বার ভবিষ্যতে ঐব বুলিয়াউ নিং নেই। তারো, আজিকার সভাত মৈর্ত্যর মনুষ্য এতার কর্ম্ম-ধর্ম্ম আচরণ বিধি নির্দ্ধারণ করে দিক্।

সভাপতি ব্রহ্মায় শ্রীকৃষ্ণর বন্ধৃতা হান কৃপকরে ছনের। মনে মনে খালকরের পিছলা কুঞ্জালিকাগ! তারেউতে কাগজর ফটোৎ, হিলে, মাটিয়ে, পিতারেই, এমন কি রুকে রং ছাংকরিয়া মৈত্রর মানুয়ে থদেছি! এগােয় বারাে কিহান করাণি মনেইলতা! মােরতাউতে প্রজাপতিগ ছেচা দিয়া তানুয়ে তানুয়ে স্বাক্ষীথায়া কাগজে ইকরা-ইকরি করিয়া যেগাে-হাদা উগােরে বিয়া করিয়া লেহা লেহা ছৌ-ছুমারা জরম দিতারা। জেলাছৌগ না মুনিছৌগ ঐতৈ উহানৌ মি ঠিক করানির আগে তানুয়েই ফটো চেইয়া হারপেইতারা। তাতে, পাকানা ছাইয়া মােরেই সৃজন করেছেগ বুলের হান্তে কিহান মাতের ছনিক।' খালকরিয়া ঝুম মারিয়া চিন্তা করিয়া থাইল।

দ্যৌ-অসুর, রাম-রাবল, কুরু-পাণ্ডব যুদ্ধ এতায় পেল নাইয়া বার কুং যুদ্ধহান লাগারতা। মৈর্ত্যর মানু এতা ঘর-ঘরেন্ত ধন-পয়সা মাগিয়া আমারকা দ্যৌর লেইছাং হংকরে দিয়া আমারে উতার ভিতরে বরা দিয়া তালা-চাবি লং করিয়া, পুজা করিয়া থছি। দেবাদিদেব মহাদেবরতা যেসাদে আলাদা ঘর, ব্রহ্মা, বিষ্ণু, দুর্গা, হাবিরতাউ আলাদা আলাদা ঘর। আমারে হবাকরে খানারতা দিতারা। তানুতে নাখেইতারা। ইমে থিন্ এরারুটর বিস্কুট আহানে, পানীগিলাচ আহান পিয়া থাইতারা। এমাটীক ভক্তি। চকৈয়া কাঁটাগি অযিতারাগা। আমি আজি বিধান আহান দিক্। আমার লেইছাং হংকরাণির কা, আমারে পুজা করানিরকা ঘর ঘরত্তে যেতা ধন-পয়সা মাগিয়া আন্তাই উতা নিজে খানি খাকা-পিকা। অবশ্যে, কামহান যত ইজ্জু খালকরিয়ার তত নাগৈ। মৈর্ত্যর মানু অতি ধূর্ত। তারো এসাদে করাণিরকা সল্লা দিক্। ধন-পয়সা লৈলে খাতার পাতাহানাংত আধা আহান পাতা দেনার পিছে মুরাগত থার বাকী আধা পাতা

হানাত নামছা বার সুরাণীগ য়েক্করে দেকা। দিয়া কত্ত বছর ঝুম মারিয়া থাকা। খাতাহানতে জমা না দেকা। মাত্তে মাত্তে ঠু-ঐলে আজি খানি, কালি খানি করে রূপা জমা দিলে ঐতৈ। বার অতি টানা-টানি করলে মুরাগ মাঙৈলে বুলিয়া দায়মুক্ত করাণির কা 'প্রেয়ার' পিটিশন আহান দেকা।

ব্রহ্মায়ঃ শ্রীকৃষ্ণর বিধান এহান ছনিয়া মনে মনে সল করের। শ্রীকৃষ্ণ নাইলে এসাদে সংবিধান বেন্ড করানি পারাক কালোপযোগী বুদ্ধি দিয়া পারতাইতা। ভক্ততে জিংতা করতনাই। ভক্ত জিংতা ঐলেহে আমিদৌরে জিংতা করতা নাই। যে যুগহান আহেছে। অবশ্যে ব্রহ্মায় চাতুরীহান ঠিক পেইলেউ ঠকামিছা ঠিক না পেইলো। তবে নিমাত থাইল। টটরলে বারো পিছেকার বছর সভাপতিগর পদ ফামহান্ নাদতে পারে। উহানৌ ডরপার। শ্রীকৃষ্ণয় মাতে যারগা—

— মৈর্ত্যর মানুয়ে আমারে হবাক স্তব-স্থৃতি করে পারানিরকা এবাকা ইমাঠার হান তামকরাণি মনেইতারা। কিন্তু লেইরিক লেইছৌতে মহর্ষি বেদব্যাস, মহর্ষি বাল্মিকী, দেবর্ষি বৃহস্পতি, ভৃগু, পরাশর, সিদ্ধিদাতা গণেশ গিরক গাছিয়ে ইকরেছি হানতে দেব শুরু বৃহস্পতি বার অসুর শুরু ভৃগু তানু এহানর সদবৃদ্ধি আহান দেকা।

সভাপতি ব্রহ্মায় পয়লা দেবগুরু বৃহস্পতিরে তাঁর সংপরামর্শ দেনরকা হেইচা করল। বৃহস্পতি গিরকে মাইকগত উবা ঐয়া মাতলো -

- মৈর্ত্যর মানু এতারে খানি ডর পাউরী। আমার গণেশগুরির কাদাত জটিয়ার উপেয় সরস্বতী গিথানকে লেইরিক-লেইছৌ ইকরাণি-হংকরাণিরকা যাজ্ঞবল্ক্ষ্য, গার্গী, মৈত্রিয়ী, মিহির গাছিরে, থদেছিলী। মৈর্ত্যর মানু এতায় তানুর ইকরা লেরিক উতা না করিয়া কাহিল করে বেলাছি। তেবু, মাতানিরকা মাতলায় হানতে মাতিং। পারতারা আগয় লেরিক আহান সংকলন করক। নিজে ইকরলেউ কিন্তাউ নেই। পিছেদে মুনি ঋষি পাঁচ-ছয়গয় উহান অনুমোদন করকা। উতার পিছেদে অন্য আরাক আগয় তানু ইকরেছি হান বুলিয়া নিকালাকা। সংলককে খানি মানি আপত্তি করতে। করক। ফামে ফামে সভাসমিতি করিয়া মাতলে ঐতৈ – সমাজর হবারকা লেইরিকান আমারহান করলাং। কতি শাক্তি-মানুগ। এতাপারা হবা

কামহানাত দীঘালী-পাথালী দেরতা। ইমাঠার পুঞ্চি পালক' উহানৌ যৌকরকা। ইমাঠারর কথা। ইমার জিপুত ! কি সাদে না-হায় বুলতাইতা। মিয়াম মাত্লে 'থয়োরো' বুলিয়া বক্কা মালৈলে লমৈল। টটরতে টটরতে ঠুঐয়া খামৈতায়।' মাতিয়া বৃহৎপতি বহিল।

ভৃগুয়ে বৃহস্পতির যুক্তিহান য়্যাকরল। উঠিয়া মাইকগত গিয়া মাত্লো -

- আমিতে অমৃত পান কর্লাং। মানুতে সুরাপান করতারা। তানু পরর্তারে নিজরতা করে পার্তারা। নাগৈতারে হায়তা করে পারতারা। পারিলমাহি পররতা কারলকা। ইমাঠারর লেইরিক-লেইছৌ সম্পর্কে মি বৃহস্পতির পরামর্শহান সমর্থন করুরী। এসাদে না করলে মৈর্ত্যর মানু জিংতা নাইতাই, মাতিয়া ভৃগু বহিল।

ব্রহ্মায় খালকরের ন্যায়মূর্ত্তি বৃহস্পতিয়ৌ আহিগত কৃতিহান্লো পট্টি বাঁধিয়া ফাল্লাহান ধরেছে। অসূর গুরু ভৃগুয়েউ অমৃতরকা দ্যৌর তুল অসূররে যুদ্ধ করুয়েইল। এগ এবাকা সুরাপান হবা বুলের। 'মা গৃধ পরস্ব ধনম' বুললু মি-এবাকা কি হান মাততু। মোরেতে আদিত থদিলা। অন্তে মধ্যে গিয়া নুয়ারলু। চেইঙ কি হান করতারাতা। সভাপতিগ 'রাবার ষ্টাম্প'গ বুলিয়া মাতানি অকরেছি। টটরলে বেরা। খালকরিয়া পানীর কলগ এয়া থাইল।

শ্রীকৃষ্ণয় সভাপতি ব্রহ্মার য়াথাং লৈয়া বারো মাতের
- লেরিকহান উবা ঐল। এবাকা ছাপেইয়া নিকালানি। ঘরঘরেত্ত চাঁন্দা করকা। মৈর্ত্যর অধিপতিরতা খাজাঞ্চীখানাত ধন
নেই।বারাদেত্তকুংগ আগয় মাতের-

- ছাপতে উগোয় ধন আছে বুলের। তা লেইরিকহান পেইলে ছাপাদিতৌ বুলের।' শ্রীকৃষ্ণয় হুনিয়াউ নাহু নেছেগ পারা শ্রয়া তেরাদে মুকৃছি আহান দিয়া মাতের -

- ঘর-ঘরেত্ত লেরিক ছাপানিরকা বুলিয়া খাতার পাতা না দিয়া ধন তুলকা। লেরিকর কথা। ভাষার কথা। হাদিত পাকৈল কথা। অতদিনকার হপন। খৌরাং ঐয়া আছি। কুম্বাকা টেইপাংঐতৈ। ইমা ঠারে তামকরতাই। ধন-মাতলেই দিতাই। সমাজর কথা। সামাজিক কাম। আকগয় পারলেউ দিতৈ। সামাজরকা দান, নাঙ আহান নাই। দশে য়াকরলে এসাদেই করাণি।

সভাহানে সন্মতি দিলা পারা। ঝুম মারিয়া আছি। ব্রহ্মায় খাল করে করে বিভূলা অর। শ্রীকৃষ্ণ এগ কুমবাকাত্ত সমাজর মানুগ ঐলুতা। হবা কাম আক্হান না করেছো। কনাকে ননী চর করল। ব্রঞ্জবধ্র কলো কান করল। রাধারে পথে থেপ্করল। মৈর্ত্যর মানু এতারে ধন খানার পথি এতা নিকালা দেনাৎ মেইখ্যু কাইলতা কিয়া। মৈর্ত্যতথানা মনেইল তা না কিতা! নাতে মাতের।

সন্দীপন মুনিয়ে সভাপতি ব্রহ্মারাং খানি আহান মাতানি দেনারকা য়াথাং বিছাড়ল। ব্রহ্মায় য়াথংতে দিল। দিয়া খালকরের। মান্টর এগয় বার কিহান মাততৈতা। সভাআহান বৈলে মাতানি মনাকুরা এহান আইতারাতা। হুনেকুরাতে কম। মাতলেই যেমন ইলৈতাই। সন্দীপন মুনিয়ে মাতের –

লেরিকহানতে দেখলু। কিসাদে বাগাদেনা উহানৌ মাতেছি। এহানৌ য়াকরের, হৌহানৌ য়াকরের বুলেছি। ছৌর চিন্তাশক্তি বাড়তৈ। তানু যেহানৌ য়াকরের যুক্তিলো ডাঙড় ঐতাই। মৈর্তার মানু এতা হুতুমেউ অতি বুদ্ধিলৌশিং পালপা অছি। যেতাউ অক বাগাদেনার মাস্টরতে দেনা লাগতৈ নাই। এহান, হৌহান, যেনানৌ বাগাতেদিতানাই।

খাংথা নারদ 'নারায়ণ, নারায়ণ' বুলিয়া উবা ঐল। ব্রহ্মায় গালেইল-ইন্দ্র পুরীত দেবর্ষি, মহর্ষি, ব্রহ্মার্ষি, রাজর্ষির সভাত থাইবেগতে নাগৈ। হামেশায় নরলোকর এলা দ্যর। দৌলিশিং দৌলাশার সভাত নারায়ণ নারায়ণ কররতা কিয়া। এহান নরর ঘরগ থাং। পানীকাটাগ ঐয়া বৈয়া ছন। সন্দীপন মুনি-এতাপারা সাংখ্যতীর্থর আচার্য্যগয় মাততে বেরাচেরা না করি। সভার বেভার না বাগি।'

নারদর থৌহান খানি আহান উয়ানথা ঐলেউ নাতে বহিল। করজোডে ব্রহ্মারাং নিবেদন করল -

- পিতামহ, মৈর্ত্যর পৌ আহান দিং। আচার্য্য সন্দীপন মুনিরতা মাতানিত সহায় ঐতৈ। 'নারদ সিদা সিদায় নাইলে তেরা বুদ্ধি নিকালানির মেশিনহান।

- উতা ঐলে মিনিট আহানাত মাতে বেলা। ব্রহ্মায় য়াথাং দিল। নারদে মাতের -

- দৌ লিশিং দৌলাশা গিরিগিথানী। মি গেল্গা মাহাত কৈলাশে যিতেগা বৈরাকর পারগত পর আহান জিরাছিল। উপেয় দেখলু, মৈর্ত্যর মানু কতগয় আমার আচার্য্য সন্দীপন মুনির পাঠশালার সাদানে পাঠশালা খুলেছি। দোয়ার হানাত মাস্টরে মাস্টরে মারা-মারি লাগেছি। পাঠশালাত কুংগ আগে হমেইতা। আমার স্বর্গলোকেতে মাস্টরএতা পাকরাত আইলে বেতন পেইতারা। মৈর্ত্যর পাঠশালাগত, ছন্লুতা, পাকড়ানিত আইতারা মাস্টবে পয়সা দি তারা। পাঠশালা আগত ভাষার জ্ঞান দিতারা। আরাক আগত কৌশল বাগা দিতারা।

দিয়তার কৃংতায় ইমাঠারর লেরিকহান বাগাদিতাইতা। হাদিত্ত আকতাই বার বাগাদেনিরকা মান্টর নালাগের বুলেছি। যেতা যেতা পুরানা মান্টর আছি তানু বাগাদিতাই। মৈর্ত্যর অধীপতিয়ে তার খাঞ্জাঞ্চীখানাত ধন নেই বুলেছে। নুয়াকরে মান্টর এবাকা দিয়া নুয়ারতায়। আচার্য্য গিরকে বাগাদেনির মান্টর দেনার কথা মাতের। আগেদেউ মান্টর বাগাদেনিত গিয়া ছৌর ইস্কুলে লৈলাটে পড়েছিলা। কথমপি পরাণ রক্ষা পেয়া জিংতা এয়া আহেছি বুল্লা হান্তে মি আহান মাতানি মনাউরীতা, মৈর্ত্যর মান্টরর মুরে বুদ্ধি র লগে আমি হিং জোড়া আকেইহানৌ দিয়া দিক্। মাতিয়া নারদ বহিল।

সন্দীপন মুনি কতহান খাল করল। পিছে মাতলো -

- শ্রীকৃষ্ণ! তোরে মি সাংখ্যবিদ্যা, ন্যায় শাস্ত্র, ব্যাকরণ বাগাদেছিল। হিং দারেইয়া খুরুম দেনার শিক্ষা দেছু বুলিয়া নিংশিং নাউরী। তি মৈর্ত্যর মানুর তুল এবাকা জবর গলাগলি অকরেছত। তানুর তুলো সমাজ পাতানি মনার পারা। অর্থ-সাংখ্য দর্শনর য়ারী পরী তি মিয়াম দ্যর। এ মৈর্ত্যর মাস্টর কিসাদে অনা লাগের তি হে মাত। মাতিয়া সন্দীপন মুনি বহিল।

শ্রীকৃষ্ণ উবা ঐল। কতহান চিন্তা করিয়া মাইকগত ফুঁ আহান দিল। পাঞ্চজৈন্যগ রহিল পারা। সভাহান হিঙারলা। সভাত বহেছিলা রাজর্ষি, দের্বিষ, ব্রহ্মর্ষি হাবি উংখাত ঐলা। বার কুরুক্ষেত্রর লালফাম হান ঘোষণা করতৈ তা না কিতা' ব্রহ্মায় সভাহানর পিঠির পথগ আকখুরুম চেইল। এঃ, দোয়ারহান খোলা আছে. দেহিয়া চিন্তা মুক্ত ঐল ! শ্রীকৃষ্ণয় বাতর বারার আতহান কহনিগ পেয়া তুল্ল। তর্জ্জনীগ উবা করিয়া টিং দিল। ব্রহ্মায় খালকরের বার সুদর্শন চক্রগ আহ্বান করের তা না কিতা। শ্রীকৃষ্ণয় কিন্তু উহান না করল। আঙুলীগ দেহুয়েইয়া মাতলো - গিরিগিথানী ! আগে মি মৈর্ত্যত কিশোর'রে দা পেঠাছিলু। তাঁ মৈর্ত্যর মানুর মান্টর বরা দিল। যুগহান হবা অছিল। কথা কমছিল। এবাকা আকেইগীয়ে নার। তারো দুগ হাবি দা পেঠাছু। আগ, বৌদের কৃষ্ণ। হেরে উগো দেরগ দেবক।' শ্রীকৃষ্ণয় মাতে যারগা -

- বৌ কৃষ্ণয় মৈর্ত্যাধিপতিরে বৌ দিয়া মাষ্টর পঞ্চাশগ পারা বরা দেছিল। দেবকে গিয়া মৈর্তাধিপতিরে দে দে বুলিয়া জ্বালানী আকৈয়া মৈর্ত্যাধিপতিয়ে ছৌঐয়া খেদে দিল। কতদিন আগে বৌকৃষ্ণ বার মৈর্ত্যাধিপতিরাং গেছিলগা। মৈর্ত্যাধিপতিয়ে গালেইয়া মাতেছিল, দিলু আর তিতে বৈয়া থাইলেগা। দেবকে বিশ্বর মানুহাবি ডাহিয়া মাষ্টর দেনা লাগতৈ বুলিয়া পৃথিবীত মোর জারী পিটলো। এবাকা কারে দিতু। তি

তড়াকরে যাগা, মাহাত্মা বাগে ভূ-বারতর যুবশক্তি হাবি পুলকর।
মুঙ্চেদে মোরতা মহারণ আহান বৈশাখে আহের। মোরে যুব
সিবেইয়ে পাংকরাণি লাগতৈ। সভাহান করিয়া আয়। আগে
পঞ্চাশগ দেছিলু। এবাকা একশগ দিতৌ।

- হাদি এহান দেবক বারো গেছিলগা। মৈর্ত্যাধিপতিয়ে মাতেছে তিতে মোরাঙৌ দে দে বুলর। হৌগরাঙৌ দে দে বুলর। আগেদেউ উসাদে করলে। তোরে ঠাচা নেই। তোর নিয়ত হবা নেই। ছদা পুখাম ছিল্করর্। এবাকা মি বৌ কৃষ্ণরে দিতৌ। এবাকা তাল-তাঞ্জা-মাতাম বেরা লাগেছে। তি এজেপ, হৌ জেপ, বিজেপ, বেশেপ, বেশেপ য়ারী মাহি না দি। কিতাউ নেই কথালো দৌর চিন্তা শোভা না পার। আমি এহানেই সিদ্ধান্ত নিক্গা। মৈর্ত্যর মানু খানি আটকা। আকসাটে পেইলেতে আমারে কেরেপ না করতাই। ইমে আকখুরুম দেনা-আকখুরুম না-দানি এসাদে আচুল ঠেলাং থৈক। পাংকাল খানি টুমকা। পরিনামে আমি হাবি আছি নাই।' এহানি মাতিয়া খানি খামৈল।

ব্রহ্মায় শ্রীকৃষ্ণর ভেদ নীতিহান ঠিক না পেইলেউ মনে মনে থাইল। খালকরের এহানর শেষহান কিহান ঐতৈ। লাগাদে লাগাদে পিছেদে আমিয়ৌ লাংলাত পড়তাঙাইতা না কিতা। এবাকা বারো হিন্দু-মুসলিম-শিখ্-ইশাই এক বুলতারা। মৈর্ত্যর মানু এতা কিহান ঐলাতা। খুটাগ লিং নাইতারা।

শ্রীকৃষ্ণয় মাতের

- মাষ্টরর তা কর্ম-বিধি এসাদেই থাক। আরাক কথা আহান মৈর্ত্যর মানুরকা ঠিক করানি লাগের। এহানতে মহর্ষি কৃষ্ণ দ্বৈপায়ন বেদব্যাস গিরকে করে দেক। মিতে দ্বাপরে মাতেছিলু বর্ণসংকরে পাপর ভাগী ঐতাঙাই। কলিকালে না ছনতারা। তারো আর এবাকা মি না মাতিং। ইমেউ মোরে বদনাম দিতারা। হাবি নম্ভর জরগ তি বুলুতারা।

ব্রহ্মায় কৃষ্ণ দৈপায়নরে মৈর্ত্যর মানুর বিয়া-বিধি সম্পর্কে খানি মাতানির কা হেইচা জানেইল। - মহর্ষি শ্রীকৃষ্ণ দৈপায়ন বেদব্যাস পাশুব বংশ জিংতা করানির সল্লা দেছিল। উসাদে সল্লা লৈয়া ধৃতরাষ্ট্র, পাশু, বিদূর, জরম অছিলা। পঞ্চ পাশুবো বর পেয়া কুন্ডীয়ে মাদ্রীয়ে পাছিলা। ব্রহ্মায় কৃষ্ণ দ্বৈপায়নর সম্যক পরিচয় দিল। মহর্ষি কৃষ্ণ দ্বৈপায়ণে মাতের -

— গিরিগিথানী। এবাকা সত্য, ত্রেতা, দ্বাপর গেল্গা। কলিহান চলের। আমার পরীক্ষা-নিরীক্ষা এতা এবাকা না লৈকরলে পরবর্ত্তী যুগে আমি কিহান করতাঙাই উতা নিরূপনর কা ডাটা না পেইতাঙাই। মৈর্ত্যর মানু এতারে আমি বিয়া-বিধির ব্যাপারে তানু মনেইতারা উসাদে করানির কা সল্লা

দিক। বেদব্যাসে মাতে যারগা -

- আগে সৈত নাম তুললা। ডোম-চাড়ালেত্ব জরম অছি বুলতারা। বুলকা। মানুতে মিয়াম মানুতে মিয়াম ঐলা নাই। ঠারহান ডোম-চাড়ালর বুলতারা। বুলকা! ঠারহান সেঙৈকায়। স-গোত্র থছি। শাকতি নেই। বেইবুনির জিপুত থনা অকরেছি বুললা। মোহনকর জিপুত থছি। দামান-কৈনার কা চিন্তা কমৈতৈ। এবাকা জাত না বাছিয়া থনা-থনি দিক্ বুল্তারা। হোবাহান। থকা-দেকা। বিশ্বহান ডাহানি অকরেছি। ভূ-ভারতে তুপ্তি নেই। বিশ্বায়নর যুগ এহানাত মৈর্ত্যর জাত-পাত বিছাডেইয়া কোনে কাঞ্চেলে পড়িয়া থাইলে হীনৈতৈ। আজি ঠারহানলো চল্লিশ লক্ষ বছর কতি হীন পেইলাং। লেইরিকলো কতি লীলা কর্লাং। মাষ্টররকা কতি চিন্তা। শ্রীকৃষ্ণরে কতিয়ৌ নাঙ পাল্টা পাল্টা মৈর্ত্যে দিয়া পেঠেইতাং। 'কিশোর' করিয়া निया পেঠেইলাং। বৌ কৃষ্ণ করিয়া দিয়া পেঠেলাং। দেবক বুলিয়া দিয়া পেঠেইলাং। এহানাত্তে টটরানিয়ৌ না করের। বিশ্বর মনু এতা বিয়া-সাদী করিয়া জাত আকহানাত তিলৈয়া একাকার ঐলেতে একজাত-একভাষা-একপ্রাণ-এককথা। ঠারর চিন্তানেই, ভাষার চিন্তা নেই, লেরিকর চিন্তা নেই। মাষ্টরর চিন্তা নেই। বিশ্বায়ণর নুঙেই হান এহান। আমার ডা-টা কালেকশন, মন্দির হকেরানিরকা ধন-পয়সা মাগানী না লাগতৈ। লেরিক ছপানরিকা পয়সা মাগানীরকা মিছা হাচা টটরাণি না লাগতৈ। হয় 🖪 মেরিকায় নাইলে হৌ এরাবি কায় করে দিতাই। মসজিদ চা, গীরজা চা। মৈর্ত্যর মানু চালাক। তানু-দ্বিয়তারেউ থৈক বুলতারা। মৈর্ত্যর মানু কতি শিং। দ্বিয়োতারেউ পানেই তাই। পরসার কি অভাব। এবাকাউতে এমেরিকাত্ত ডাকতারা যেইতারাগা। দোবাইত্ত ডাকতারা যেইতারাগা। আর যানা-ভাহানির দরকার নেয়ৈতৈ। হোত আকগ অপরকাগা। চেইক নে। হোবা ঐলে পরবর্ত্তী যুগে আমিয়ৌ উহান করবাংতা। আপ্লানে অসুরে-দৌয়ে মারামারি কাটাকাটি করিয়া শক্তি ক্ষয় কৈলাং। হবা ঐলে আমিয়ৌ দেবাসুর ঐলাং। এক জাত - এক প্রাণ - এক ধর্ম। ভেজাল নেই। হান্তে গিরিগিথানী, মোর প্রার্থনা, এ থনা-থনি-হান য়াকরিক। পরামর্শহানি দিয়া শ্রীকৃষ্ণ দ্বৈপায়ন বেদব্যাস বহিল।

শ্রীকৃষ্ণ দ্বৈপায়ন বেদব্যাসর কথাহানি ব্রহ্মায় ঠিক পেইল। মনে মনে মাতের 'যেতাউ অক মোরে জিংতা কৈল। আকগ অছিলু নুঙেই আছিলু। দুগ অছিলাং হারৌ অছিলাং। পিছেদে মিয়াম হারৌ ঐতৌ বুলিয়া দুনিয়াহান হাবি সৃষ্টি করিয়া কি লৈলাটে পড়েছুতা। এঃ, বেদব্যাস এগ কতি হারপারতা। মোরকা এহান মাতেরতা। আজি চল্লিশ কোঁটী বছর ঘুম নেয়ছুগনা। বেদব্যাসে শান্তি নিদ্রার যুগৎ আহান করে দিল। ধন্য বেদব্যাস।' এসাদে ওয়াখাল আহানে ব্রহ্মা গিরক প্রশান্ত এল।

শ্রীকৃষ্ণয় ব্রহ্মারে সভাপতির ভাষণ দেনার কা হেইচা করল।ব্রহ্মা উঠিল। কৈ-ছপা, দাড়ি-ছপা বাঙ্গুৱীবারার আতলো মাঠিয়েইয়া পাইট করল।বাতদে মাইকগ ধরল।মাতের -

- বন্দে দেবর্ষি, মহর্ষি, রাজর্ষি, সর্কৈর সভামধ্যে সম্পৃস্থিতান। বন্দে শ্রীবিষ্ণু শ্রীমধুস্দনং। মৈর্ত্যর মানুর কা আজিকার সভাহানে দিলাং কর্ম্ম-বিধিহানি হাবিয়ে আকতা ঐয়া সমর্থন করলাং। মৈর্ত্যর মানু এতা তিলৈয়া এক ঐলে আর কোনদিনৌ বহুধা নাকরতৌ। ইমে সৃষ্টির আদিত ডিম আগ করেছিলু উসাদে ডিম আগ হংকরিয়া উগর ভিতরে বরেইয়া হাবিরে থৈতৌ। তানু এবাকা আমারে মন্দিরর ভিতরে বরেইয়া সুরাণি মারিয়া থছি। এতারে চৈ চৈ নাংহান ঐয়া ফালদানি দিলে নিজেউ মরতাই আমারেউ মারতাই। অনথক্পা মানু। সৃষ্টিহান খালু জালু করতাই। ডিমগোর ভিতরে থায়া চংদকা, ফালদকা। উহানেই তানুরকা হ'বা।

- কথা য়াম মানু। এতা ডিমগোর ভিতরে য়াম চুনা-ঐতাই। আজিকার সভাত সর্ব্বসন্মতিক্রমে এহানেই সিদ্ধান্ত নেনাঐল মৈর্ত্যর মানু এতার সৃষ্টির আদির ডিমগোর ভিতরগৈ তানুর তা পৃথিৱীহান অক।

- সভাহান ভঙ্গ ঘোষণা করলু।

সভাহান ভঙ্গ করিয়া ব্রহ্মাগিরকে দীঘল করে ওয়াইসাঙৈয়া নিংশ্বাহান কারল। উঃ মৈর্ত্যর মানু হংকরানির বিপদ হানান্ত মুক্তি পেইলু। আরতে কুরাং মৈর্ত্যর মানু হংকরানির জঞ্জালে হমেই তৌতা। মরতেউ মৈর্ত্যর মানু সৃষ্টির আনন্দ না মনেইঙ ক। মৈর্ত্যর মানুয়ে এবাকা টিসু কালচার, টেষ্ট টিউব বেবী, ক্লোউনিং এতালো জীব, জন্তু, গাছ বিরুখ, মানু হংকরাত থেগুছি। ডিমগোত বরা দিলা, অন্থক করে ওয়াই ছাঙৈলুক। দিলে তিন দোষ, নাদলে এক দোষ। দেনাউ নেই, নাদানিউ নেই। মোরে দোষী-দাষীয়ে আর লাগাল নাপেইল। দৌ-দুক, মানু, আর বর মাগানিত, বিচার কাৎকরানিত মোরাং নাইতাই। মূর পাঁচগলো জবর হীন পেইলু। এবাকা মূর আকগলো নুঙেই এলু।

দোল উৎসৱ

বলদেব সিংহ, বরবারী, গৌহাটী

দোল উৎসৱ সর্বভারতীয় হিন্দু সমাজর প্রধান উৎসৱ।
ফাল্পুনী পূর্ণিমার দোল-উৎসৱে রাধা-কৃষ্ণর বিগ্রহ দোল বা দোলনাত
বা ঝু লনাত স্থাপন। মেরাকেউ বিগ্রহরূপী শালগ্রাম স্থাপন অর।
দোল উৎসৱ আগেকার সেন্ধ্যার প্রাক অনুষ্ঠান বা পূর্ণিমার সেন্ধ্যাত
যে অনুষ্ঠান অর, উহানরে অসমীয়ার চাচর বারো বিষ্ণুপ্রিয়া
মণিপুরীর জর্ম্ম বোলতারা।জর্ম বা চাচর অয়লতায় বহিন্দ উৎসৱ।
খের বা শনলো হংকরা মেষ বা ছাগীর প্রতিকৃতি পুরিয়া দগ্ধ অর।
এক্রিয়ার প্রসিদ্ধি যে ভগবান শ্রীকৃষ্ণই মেট্টাসুররে বধ করিয়া
দোলারোহন করিয়া হোলি উৎসৱ সম্পন্ন অর। পশ্চিম ভারতে
প্রায় মাহ আহান যাবৎ হোলি উৎসৱ চলের।

কিন্তু আশ্চর্য বিষয়হান যে কৃষ্ণলীলা বিষয়র গ্রন্থ শ্রীমদ্ভাগরত বিষ্ণুপুরাণ, হরিবংশ, ব্রহ্মবৈবর্ত্ত পুরাণ আদিং এসাদে বৈষ্ণর তথা হিন্দুর উৎসবর কথা উল্লেখ নেই। শ্রীকৃষ্ণই বৃন্দাবন লীলাত দানব-অসুর বধ করাণি য়ারী পেয়ার কিন্তু মেট্টাসুর বধর য়ারী নাপেয়ার।

শ্রীমতি রাধার লগে শ্রীকৃষ্ণর দোলারোহন বা গোপ-গোপীর লগে রাধা-কৃষ্ণর রঙ আবির, ফাকু আদি খেলার কোন আভাস নেই। সম্ভবত দোল উৎসব আদিতে শ্রীকৃষ্ণর লীলাত অক্ষতি নেরছিল।পিছেদে কোন সামাজিক প্রয়োজন বশতঃ সংযুক্ত আছে।কিসাদে, কিসুত্রে দোল যাত্রা কৃষ্ণলীলাত সংক্রামিত অছে, উহান সঠিক মাতে নারিয়ার। সৃত্র আহানর মতে উড়িষ্যার রাজা ইন্দ্রদূদ্দ ১১৯৪ খৃঃ পুরুষোন্তম মন্দিরর সংস্কার সাধন করিয়া দোলযাত্রার প্রচলন অছে বা মগধর পাল বংশীয় রাজা ইন্দ্রদূদ্দ ১২০০ খৃঃ দোলযাত্রার প্রচলন অছে।অন্যমতে ১৩ শ শতাব্দীতে শ্রীচৈতন্যদেবর সময়ে দোলযাত্রা কৃষ্ণলীলার অন্তর্গত অছিল। আবির কুমকুমল রাঙীলা করানির রীতি প্রচলন অনার উল্লেখ শ্রীচৈতন্যদেবর সময়ে পেয়ার।জীব গোস্বামীর ইকরা লেরিকে পেয়ার -

'অপিবত। জনতাসু হোরি কায়াং।

হরিমতি সম্ভুরেহো ব্রজস্য নার্য।' অর্থাৎ আহা। ব্রজর গোপীয়ে হোরি উৎসৱে হরিরে জনতারাং রঙ আবিরেলো অভিষিক্ত করেসে। বাসুদেব ঘোষর ইকরা পদে সহচরবৃন্দর লগে চৈতন্যর হোলি খেলার উল্লেখ আছে। ফাশু খেলে গোরাচাঁদ নদিয়া নগরে যুবতীর চিত্ত হরে নয়নের শরে।' আসামর মহাপুরুষ শ্রীশঙ্করদেবর কীর্ত্তন ঘোষার 'উরেষা বর্ণনা''ত, শ্রীকৃষ্ণর ফাকু খেলিয়া দোলযাত্রার উৎসৱ বর্ণনা পেয়ার -

রঙ্গে ফাকু খেলে চৈতন্য বনমালী
দুয়োহাতে ফাগু গুঞ্জা সিঞ্চত মুরারী।
ফানীত গোবিন্দক তুলিয়া দোলত
দোলযাত্রা, করে মহোৎসৱে সি বেলাত।'
দোল উৎসৱ উল্লেখ -

ফাশু খেলে করুণাময় এ নন্দকুমার দেবর দুর্লভ কেলি ফাশুর বিহার।' হিন্দু ধর্মৰ বিভিন্ন গ্রন্থে 'দৌল', দোল, ফাগ, ফাশু আদি শব্দ প্রচালিত।অন্যান্য ভারতীয় ভাষার ভজন কীর্ত্তনে হোলির গাথাৎ সমার্থবাচক 'হোরি'শব্দর উল্লেখ -

'হোরি খেলত কানহাইয়া রুমঝুম ছা হোরি খেলত হ্যায় গিরিধারী..... ইত্যাদি। এতারমা 'দোল' শব্দহানেই প্রাচীনতম কারণ স্মৃতি শাস্ত্রকার রঘুনন্দনে বিষ্ণু বা জগন্নাথর দোলাত বহের কথা উদ্রেখ করেছে, হোলির কথা উল্লেখ না করেছে।

পদ্মপুরাণে দোলযাত্রার উল্লেখ আছে -'দক্ষিনাভ মুখর কৃষ্ণং দোলনায়নং সকৃন্নরা দৃষ্টাপরোধ নিচয়ৈমুক্তা স্তে মাত্র সংশয়।' স্কন্ধ পুরাণে দোলোৎসবর ব্যাখ্যা আছে -

ফাল্পনমাসি কুবীত দোলারোহন মুগুমম্। যত্র ক্রীড়তি গোবিন্দো লোকানুগ্রহায় বৈ।'

স্কন্ধ পরাণে তিন বা পাচদিন ফল্পু উৎসব বারো দোলর আগের রাতি বহ্নি উৎসব করার কথা উল্লেখ আছে। রং আবিরর উল্লেখ নেয়লেউ কর্প্রয়ো গন্ধদ্রব্য বিকীর্ণ করার কথা উল্লেখ আছে। গন্ধদ্রব্য বিকীর্ণ ক্রিয়াই পিছর যুগে আবির বং খেলার রূপ ধারণ সম্ভব। এ সূত্রে আজি পেয়া দোলোৎসবর আগের দিনে মঠ-মন্দিরে গন্ধলনা বা গন্দ দেনার প্রথা বিদ্যমান। অধিক সংখ্যক মঠ মন্দিরে দোলোৎসবর দিনে শ্রীকৃষ্ণর বিগ্রহ দোলারোহন করাণি অর বারো আবির, কুমকুম আদির বিভিন্ন রঙর খেলা খেলিয়া হোলি বা ফাকুর এলা অর।

কিন্তু বসন্তকালে এ উৎসবে দোল, দৌল, ফাল্পু বা কাহুবা আদি শব্দ কিসাদে অয়া যুক্ত অয়ল, লগে বহ্নি উৎসব কাবো নানা রঙর খেলার প্রথা সন্মিলিত অইল উহানর যথার্থ কাহেদ না পেয়ার।

'দোল' শব্দর উদ্ভৱ অছেতায় কালর গতিত পৃথিৱীর 🖛 🖙 গতি পরিবর্ত্তন (আয়ন গতি) ক্ষেত্রত পৃথিবীর দোলন ক্ষর্বত্ত। পৃথিবীর অৱস্থানর পরিবর্ত্তন ক্রিয়াই দোলন। বৈজ্ঞানিক ভরমতে পৃথিবীর অৱস্থান বছরে দ্বিখুরুম পরিবর্ত্তন অর।এ দ্বিয় 🕶 বরস্থানরে উত্তরায়ণ বারো দক্ষিণায়ন বোলিয়ার। এ দোলন 🖛 পরিচায়কৰূপে ভারতে উদ্ভৱ অছে দুহান মাত্র উৎসৱ। শ্রাবন 🕶 হেও পৌষ মাহ পেয়া সময়হানরে দক্ষিণায়ন। শ্রাবন মাহাত ক্রেন বা ঝুলন যাত্রা। মাঘ মাহেত্ত আষার মাছ পেয়া সময় হানরে 📚 বায়ন। ফাল্গুন মাহাত দোল যাত্রা। যাত্রা শব্দর অর্থ প্রাৰম্ব ৰাব্রা গতি অর্থবাচক। এ যাত্রা সূর্য বিষ্ণুর প্রভাব উৎক্রমনর 📲 🗪 না । সূর্যর তেজস্ক্রিয় জীবনী শক্তির আধার।গতিকে বেদে ক্রাবে বিষ্ণু বোলেছি। কালক্রমে যুগান্তরে বিষ্ণুর প্রভাব শ্রীকৃষ্ণরাং আরোপ অছে। এ কারণে সূর্য বিষ্ণুর প্রভাব পৃথিবীত সংক্রমনসূচক 📻, দোলন আদি যাত্রা উৎসৱর উপাস্য বারো নায়ক অয়লতায় 🚁 । এ কারণে উৎসৱে কৃষ্ণর বিগ্রহরে দোলনাত আরোহণ 🖛 অর। কালক্রমে সহজিয়া বৈষ্ণব ধর্ম্মর ধারায় কৃষ্ণর বাঙ্গেদে স্থাপনা করলাতায় হলাদিনী শক্তি শ্রীরাধারে। কিন্তু প্রকৃতার্থত ক্রনান্ত দোলন ক্রিয়া গতি বা পরিক্রমার সঙ্কেত। ঝুলন বা ক্রেল শব্দ দোলন শব্দর অপভ্রংশ।

বসন্ত কালে ফাল্পুন মাহাত ঋতু উৎসবরূপে এ উৎসব

তিপাদিত অর এহানরে ফল্পু উৎসব বোলতারা। ফাল্পুনর ফল্পু

তেসব অনুসারে এ উৎসবরে ফাগুৱা বা ফাকুরা বোলতারা।

তেবেদে এ উৎসবে নানা রংর ফাকু ছিটিয়া রং তামাসা করানি

তার এহানরে ফাকুরা বোলতারা। বসন্ত ঋতুর আরম্ভনিতে

তরি উরেয়া ঋতু রঙ্কর বিনোদন ক্রিয়াই এ উৎসবর বিশেষত্ব।

হোলি নাঙ উদ্ভবর ক্ষেত্রে কিংবদন্তি যে হোলিকা ব্রুণ্যকশিপুর ভনক) নাঙ্জর শিশু ভক্ষিকা রাক্ষসী আগ আছিলী। ব্রুক্সীরে ফাল্পুনী পূর্ণিমাত শ্রীকৃষ্ণই বধ করেছিল আর ফাল্পুনী ব্রুদ্মত হোলি উৎসবর উৎপত্তি।রাক্ষসী হোলিকারে বধ করানির ব্রুদ্মে উৎসবর নাঙ হোলি। রাক্ষসী হোলিকার রকতে যমুনার পারগ রাণ্ডা অনার স্মৃতিহান থয়া হোলি উৎসবর রং তামাসার খেলা।

দোলোৎসবর আগের দিনর বহ্নি উৎসব মেট্টাসুর বধর উৎসব। প্রবাদ অনুসারে মেট্টাসুর মেষ বা ছাগ আকৃতি বিশিষ্ট। এ মেট্টাসুরে অন্তরীক্ষত থায়া সূর্য বিষ্ণুরে দোলনাত আরোহণ করাণিত অর্থাৎ সূর্যর উত্তরায়ন প্রবেশে বাধার সৃষ্টি। এ কারণে মেট্টাসুররে দগ্ধ করিয়া বিষ্ণুরে দোলনাত আরোহণ করানিত পরিল। এ মেষদাহরে বহ্নি উৎসবর প্রকাশ।

মেষদাহ বা বহ্নি উৎসবরে বৈষ্ণব পন্থী বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরীয়ে জর্ম বোলতারা। ফাল্পুনী পুর্দিমার দিনে গোড়ীয় বৈষ্ণব ধর্ম প্রচারক গৌরাঙ্গ বা চৈতন্যদেবর জরমর দিন বোলিয়া জন্ম বা জর্ম উৎসব পালন। এ কারণে হোলি উৎসবে গৌরাঙ্গরে মহাপ্রভু বোলিয়া উচ্চারণ করতারা। অথছ্যেৎ বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরীয়ে শ্রীচৈতন্যর জরমর দিনেত্ত হোলি উৎসব পালন করতারা বোলিয়া ধারণা অর। বারো শ্রীকৃষ্ণর অবতার গৌরাঙ্গ অছে বোলিয়া অউ দিনে শ্রীকৃষ্ণর বিগ্রহ বা শালগ্রাম উপস্থাপন করতারা। কিন্তু অন্যান্য দেশে অন্যান্য বৈষ্ণব পন্থীয়ে বহ্নি উৎসবরে গৌরাঙ্গর জর্ম বোলিয়া পালন করাত না দেহিয়ার। বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সমাজে যেসাদে শ্রীকৃষ্ণ বা শ্রীরাধার জন্মান্তমী পালন অর উসাদে গৌরাঙ্গ মহাপ্রভুর জন্মোৎসর পালন অয়তে না দেহিয়ার এহান আশ্চর্যজনক তথা সন্দেহজনক।

বিভিন্ন সূত্রর পর্যালোচনাক্রমে এহান সিদ্ধান্ত যে দোলোৎসব প্রকৃতপক্ষে পৃথিবীর অবস্থান পরিবর্ত্তনর উৎসব। বৈদিক সূর্য বিষ্ণুর অয়নপথে পরিভ্রমণ তথা পৃথিবীর দোলনসূচক এ দোল উৎসব। মদনোৎসব বারো বসন্ত উৎসব যুক্ত অয়া এক সর্বভারতীয় উৎসবে পরিণত আসে বারো ভারতীয় সংস্কৃতির অবতারী পুরুষ ভগবান শ্রীকৃষ্ণর লীলার লগে তিলয়া এক সার্বজনীন মহান উৎসবে পর্যবসিত অছে। ঋতুর রঙ্কর প্রতীক স্বরূপে সময়োপযোগী রঙ আরিরর হোলি খেলা সমাবিষ্ট অয়া ভারতর এক জাতীয় উৎসব ধারণ অছে। এ উৎসবে হক্র-ডাঙ্কর, লেইরা-বরা সমায়িকভাবে একাকার অয়া এ উৎসব অপরেছেগা আজি মহামিলন তথা সমপ্রীতির উৎসব। ইতি -

'ওম শুভমস্ত্র'



নাটক বারহ আমি

সুখেন্দ্র কুমার সিংহ গুৱাহাটী

নাটক সম্পর্কে বিস্তৃতভাবে ঈকরাত গেলেগা ভপ জাগা বা পরিসরর দরকার। পরিসরহান কম থাংতে, নাটকর মূল বিষয়বস্তু বারহ আমার সমাজে নাটকর প্রভাৱ কিসাদে উহান সম্পর্কে আলোচনা খানি করানি অইল।

নাটকর উৎপত্তি বা জন্ম সম্পর্কে বছ গিরিগিথানীর মন্তব্য বিভিন্ন ধরনর। তবে নাটকর জন্ম গ্রীস দেশেত্ব অছে এহান বছ পণ্ডিত বর্গই মাতিয়া গেছিগা। কোনো কোনোগই মাতৃতারা এলা নাছাত্ব নাটকর উৎপত্তি, কোনো কোনোগই মন্তারা এহান নাগই। সময় আহানাত গ্রীসদেশে মারুপ কতগই লপুকে ফাগি ফারাং করিয়া যারী দিতারাতা, উতার মাজে মারুপ অগাই খাল করেছিল যে এ দেহুয়ার উহান অইলে আমার ফাগি এহান হাবিয়েও দেখ্লা-হুনলানায় বুলিয়া নিংকরিয়া দশগোরে দেহুয়াছিলাতা উপেত্বই নাটকর সৃষ্টি অছিল বুনিয়া মাতৃতারা।

যেতাও অক্ নাটকর সৃষ্টি গ্রীস দেশে অছিল, বারহ গ্রীক নাট্যকার ঈচকিলাচ মিয়ামগায়া অগ্রণী নাট্যকার আগ। তাঁর জীবনে নবর্বইহান নাটক ঈকরিয়া নাটকরে বহু উন্নতি করেদেছিল।

নাটক ঈকরাত গেলেগা নাটকর কতহান নিজস্ব ধর্ম্ম আছে, উহানরে পালন নাকরলে, নাটকে নাট্যরূপহান নাপার বরং গদ্যরূপহে পার। নাটকর ঔ ধর্ম্ম উতার মাজে সার্থক নাটক আহান ঈকরতে গেলেগা পইলা প্রথমে নাটক বারহ মানুর জীবনহান অঙ্গাঅঙ্গি যেমন পইসা আহানর এপিঠি হৌপিঠি। দ্বিতীয়ত নাটকরমা গতিবেগ লাগের তৃতীয়ত নাট্য উৎকণ্ঠা, চতুর্তত চরিত্র সৃষ্টি, পঞ্চমে সংলাপ, ষঠে সংঘাত এহানি থানা মিয়াম প্রয়োজনীয়, নাইলে নাটকে নাটকীয়তা নাথার।

বর্তমান যুগে নাটকৰ দৃষ্টিভঙ্গী আনেক উচ্চে গিয়া ফৌবইলগা। তিন ধরণর নাটক যেমন কমেডি, ট্রেজেডি বারহ এবসার্ড নাটকর প্রযোজ্য মিয়াম। উতার মাজে সংলাপ প্রবন নাটকে বর্তমান যুগে ভপয়া চলের। সংলাপর মাধ্যমে ট্রেজেদি বা কমেডিপ্রকাশ করেইতারা। আগে মাতানি অইল জাগার অভাবে নাটক সম্পর্কে বিস্তৃত আলোচনা সম্ভবনাইল। আমার সমাজে নাটকর প্রভাৱ বহু পুরাতন। মাতৃতে গেলেগা ঈগাল্পা বা ডাকুলায় সংকীর্তনে যে রসর সঞ্চার করতারা উহানেই নাটকর পইলা রূপহান। যে নাটকীয় ভাব ভঙ্গিলো আমি রসাস্বাদন করিয়া আপ্লুত অয়ার, উহানেই নাটক। উসাদে করে নাটক আমার সমাজে পূর্বপুরুষেত্ব আয়া প্রতিষ্ঠা লাভ করেছে কিন্তুমান উহানরে। বা আমার সমাজ জীৱনর গজে নাট্যরূপ দিয়া আমি বর্তমান যুগর অন্যান্য ভাষাভাষীয় নাটকর সমকক্ষ করে নুৱারেছি।

হারপানি মতে আমার ভাষাত পইলা প্রথম ফাগিয়ামর সৃষ্টি আছিল এবং ও ফাগিয়াম উতা সমাজে সমাদর পাছিল। কিন্তুমান নাট্যধর্মী ছিরিয়াচ একশন যুক্ত নাটক খুব কম প্রকাশ পাছে বা ষ্টেজ অছে। উতার মাজে কতহান লেংকরা প্রিন্টেট নাটক দেহিয়ার উতা বারহ নাটক বুলিয়া চিহ্নিত করানি মিয়াম চিলর। কিয়া বুল্লেতে সংক্ষেপে মাতৃতে গেলেগা নাটকর যে যে উপাদান মিয়াম জরুরী, উহানর বিন্দুমাত্র ও আমার কতিপয় লেখকে অনুসরণ না করতারা যেহানরকা নাটকর স্তরে নেনা উহান সম্ভাবপর নার। মেরাক নাটকতে বামাবারনেই ভুল করতারা। যেমন ধরিক Serious Drama ত অন্যান্য উপাদানর মা Climax এহানরে শুরুত্ব দেনা লাগের, ও Climax আন্তে গেলেগা বারহ আরোহণ বারহ অবরোহন দুহানর গজে বিশেষ শুরুত্ব দেনা লাগের। কিন্তু বেশীর ভাগ আমার নাটকে এ উপাদান এতার অভার থানায় সার্থক নাটক সৃষ্টি নাছে।

নাটকর plot আমার সমাজে কোনো অভাব নেই। সৃষ্টিশীল গতিলো নাটকর মূল ধর্ম-উহানিরে ঈলয়া লেংকরলে আমার সমাজে অপূর্ব নাটক সৃষ্টি অইতয়।

আমার সমাজেও শ্বৈনায়া উৎকৃষ্ট নটিকর সৃষ্টি অইতয় এ আশালো এ নাটকর সংক্ষিপ্ত আলোচনা এহান ইতি দেনা অইল। (লেখকর 'নাটকর কিতিকরুম' নাঙে লেংকরা লেইরিক আহান অতি ত্বরা করে প্রকাশ অইতয়, তবে নামাকরণ পরিবর্তন অইতে পারে।)



জীবন জিনার আরাক নাঙ

দষ্টিকোণ

নারণিকা নাহেছি এ হোনার দেহেলা। জরম অইলুরে
নাহি আকদিন মরণ আহিতয়। কিন্তু মরাণিহান আকৃগয়ো না
নেইতারা। এহানেই ধ্রুবসত্যেহান। জনম-মরণৰ হাদির সময়
ইহানিয়েই মনুষ্যর জিনার মাতামহান। জিনারমা জীবনর নুংশিপা
কপ আহান থার। উরূপ উহান ভোগ করানির আশায় মনুষ্য মরণ
কবতারা। আশা, আকাঙ্খা, কামনা, বাসনা, লোভ, লালসা, প্রেমক্রিতি, ভালবাসা জিনা এহানরে নানা রঙে হাজেইয়া কাম্যবন করিয়া
হলের। উ কাম্যবন কিসাদে এড়া দিতায়। জীবনর জিনাহান মরণের
ভোগর তাড়নায় অতিক্রম করের। মরণহান পিঠিত পড়িয়া থার।

মরলে মনুষ্য দেহাগ প্রাণহীন অয়া পড়িয়া থার উপেয়
বিরার আয়ুহান ফুরেয়া মরেছেতা। কততায় মাতৃতারা চৌলগ
করাছে। য়েকনাপায় মাততারা একশ আট পাপ পুরিয়া মরেছেতা।
বিত্রত মাতৃতায় বিধির বিধান। বিধিতায় নিরালে যেহান ইকরেছে
ইহান অয়ত নাই। এতা হাবিতা আমার হাদির প্রচলিত কথা
হ্যোখাল।

জিনা এহান চলস্ত বস্তু। জীবন এহান আসুটা বস্তু।
জিনাহানে যেবাকা জীবনরে আচুলিয়া নেরগা উবাকা জিনার
করিশ্রম অর। আচুলতে আচুলতে জিনার কাকেই লড়ক-থড়ক
কর। জিনাহান জিনার খানি বিধি-বিধান আছে। উহানি জীবনে
ভামকরাণি লাগের। অভ্যাস করাণি লাগের। জিনাহান
করালপারকা।

জীবন জিনার পথে মনুষ্য সৎ কর্ম্ম, সৎ চিন্তা, সৎ অভ্যাস, সদানন্দ ঐয়া থা পারলেজিনাহান পাংকালপা অর। কু-কর্ম বাগিয়া সুকর্ম করাণি। কু-অভ্যাস বেলেয়া সু-অভ্যাস করাণি। অসং চিন্তা বেলেয়া সচিন্তা করিয়া। নিরানন্দ নায়া আনন্দিত থানা। অসাদে ভাবহানলো কর্ম্ম করাণি লাগতয়। উতার পিছে কর্ম্মর কিচার পিঠিত যেতা আছি তানু করতায়। জিনাহান নিজ বিচারে বিয়া থনা নালাগের।

সৃষ্টির মানস পুত্র মনুষ্য। তারো আমার জ্ঞানী গুণীজনে অতেছি -

> "সৃষ্টির করেছে সৃষ্টি কর্মাই সৃজন অজ্ঞানী জনেরে দিল জ্ঞান ও জীবন।

কর্মজ্ঞানে সংসার করিছে বাখান কর্মাই সৃষ্টি তার জীবন সমাধান।।

মরণরে জয় করানিরকা জীবনরে জিনার সাজেলে হাজেয়া থনারকাই কর্মার অভ্যাস করাণি লাগের।কর্মা না করলেই জিনার ইতি পড়তয়।তারো শ্রীকৃষ্ণর গীতাত অর্জুনরে মাতেছেতা-'যুদ্ধ করতৌ বুলিয়া আয়া যুদ্ধ না করাণি উহান পাপহান। তি তোরেল খালকর। তি কিসাদে জিংতা ঐতেয়, তি নিজরে কিসাদে প্রতিষ্ঠা করতেই, উহানে তোর কর্ম। তোর জীবন জিনার পথে বাঁধা-বিপত্তি আহেছে এতা জিঙানি তোর কর্ম। একর্ম এহানেই তোর যুদ্ধহান। কুংগ মরতায়, কুংগ জিংতা ঐতায়, আপা-বপা, দাদা-খুড়া, বন্ধু-কুটুম্ব এতা তোর খাল করিল কথা নাগৈ। বাধা হাবি দূরেই কর।জিনাহান জি।আত্মা এগ অশরীরি।তা দেহাগনা পালৈলে সৃষ্টি করে নুয়ারের। তোর আত্মাগো তোর দেহাগৎ থাইতে যেতা পারিলতা কর। শত্রুয়ে দেহাগো কাপিয়া বেললে আত্মাগৌ বেলেয়া জিতৈগা।আত্মাগো নেয়ইলে, দেহাগৌ নিষ্কর্মা পড়িয়া থায়তয়।আত্মা এগয় নিষ্কর্মা দেহাগ আলীপার। নিষ্কর্মা দেহাগ এরাদিয়া আরাক কর্মম দেহা আগত হমেয়তয়গা। ঔ দেহাগ ধরিয়া তা অন্য কর্ম্ম করতৈ। তোর দেহালো তোর আত্মাগরে কিয়া কর্ম্ম করাণি নাদরতা। এহান পাপহান। তারো কর্ম্ম কর। এবাকা এ রণ ভূমিত তোর আত্মাগর কর্ম্ম যুদ্ধ অছেতাই যুদ্ধ। তারো যুদ্ধ করাণি দে। যুদ্ধ কর। তোরে বাছেয়া থানার তার সময়নেই। কর্ম্মে বীতশ্রদ্ধ নাই।কর্মহানরে ধর্ম বুলিয়া কর্ম করে যাগা।জীবন তার জিনাহান জিয়ক।

বেদ-বেদান্ত, পুরাণ এতা মানুয়ে সৃষ্টিকরেছিতা, রচেছিতা মানুরে জীবন জিনাহান বাগাদেনিরকা। পৃথিবী এহান মনুষ্যর জিনার স্থলহান। ভোগময় পৃথিবী এহান কর্ম্মছাড়া ভোগ করানি নার। এ ভোগ্য পৃথিবীবান কিসাদে ভোগ করাণি উহান কর্ম্ময় বাগা দিতয়।

মনুষ্য দেহাগ পানার আগে আমি হার না পাছি পৃথিবীহান কিহান, সৃষ্টিহান কিহান।জরম-ঐয়া হারপাছি সৃষ্টি বারো পৃথিবী। ভূলোক, গোলোক।তারো জিনাহানরে সার্থক করাণির কা কর্ম করাণি থক।কর্মার সাধনা করাণি থক।প্রতিষ্ঠার সাধনা করাণি থক।জীবনে প্রতিষ্ঠানা পেইলে, জিনার রূপ-রস-শব্দ-গন্ধ, স্পর্শ, সৃষ্টি হাবিতাউ মিছা।জিনাহান উপেয়েই লময়তায়।

জীবন এহান বাস্তৱহান। জিনারকা মনুষ্য বাস্তববাদী অনা থক কল্পনালো নিষ্কর্ম পড়িয়া থাইলে জীবন হান মূল্যহীন অয়তয়। কল্পনারে রঙে-রূপে-স্বাদে-গন্ধে-বরণে বাস্তবায়িত করে পারলেই জীবনর আস্বাদ পেইতে নাই জিনার হাতাপে। তারো কর্ম্ম করাণি থক।

ভগবান শ্রীকৃষ্ণ আমারে আমি চিন্তা করে নুয়ারিয়ার কর্ম্মজ্ঞান দিয়া গেছেগা। তাঁ আমারে কর্ম্মচিন্তালো বাঁধিয়া না থছে। সদাসৎ কর্ম্ম বিচারে কালক্ষয় করাণি জীব-ধর্ম্ম নাগৈ বুলেছে। মুঙ-পিঠি চিন্তালো মনুষ্য কর্মবদ্ধ অয়তারা। তারো মাতেছে কর্ম্মকরে যাগা। হবা শান্তি তোর বিচার নাগৈ। কর্ম্ম করলে আহানতে আরাক আগরতা হবা নাইতে পারে। উহানে তি কর্ম্ম না করতেয়তা। আমিতে সংকর্ম-কুর্ম্ম সদাসৎ চিন্তা করাণিরকা মাতিয়ার। কিন্তু সদাসৎ কর্ম্ম নেই। হাবিয়েই কর্ম্ম। কর্ম্মই না করলে, কুংহান পাপ কর্ম্ম কুংহান ধর্ম্ম কর্ম্ম কিসাদে হারপেয়তে। শাস্ত্রলো মিয়াম চিন্তা করলে কোন কর্ম্ম করে নুয়ারতেই। তবে, পাপ-পূণ্য ধর্ম্মাধর্ম্ম খাল করিয়া কর্ম্ম করে পারলে হবা। কিন্তু খালকরে নুয়াররে উগোয় কিহান করতৈ। কর্ম্ম না করতয়তা। কর্ম্ম না করলে তা কিসাদে জীবনহান জিনা পারতৈ? কর্ম্মবীর, কর্ম্মজ্ঞানী উতায় ছদ্দা পৃথিবীহান বোগ করতায়তা নাগয়। পৃথিবীত জরম ঐলে হাবিরৌ

ভোগর অধিকার আছে। হবা অয়া নায়লে শান্তি অয়া।

হায় তবে, মনুষ্য দেহাগো পেয়া জিনারকা কর্ম্ম করকো কর্ম্মর ধারা কর্ম্মর রীতিনীতি খানি আছে। যেমন লু কর্ম্ম, সিল কর্ম্ম, পাতল কর্ম্ম, ভরি কর্ম্ম। উতা অবশ্যে সাধন করিয়া অভ্যাস করিয়া করাণি থক। উতা ঐলে কর্ম্মবীর, কর্ম্মজ্ঞানী অয়া জীবন জিনাহান পরিপূর্ণ সুখদায়ক বারো আনন্দময় অর। নিষ্ঠালো শৃঙ্খলাবদ্ধ কর্ম্ম করলে জীবন জিনা পরিপাটী অর। জিনার নুংশিপা মেহেক আহের।

জিনাহান নুংশিপা, হারৌ-পিয়মলো ভরপুর নায়লেউ জরম অয়লুরে মাহিতে জীবন হান জিনাতে লাগতয়। তারো যেকোন কর্ম আহানতে করাণি লাগতয়।নাইলে নিষ্কর্ম দেহাগো বেলেয়া আত্মাগ যিতয়গা। জরা-ব্যাধি, অনাহার, অপুষ্টি, বাঁদা-বিপত্তি, আপদ-বিপদ অয়া অকালে জীবন হান জুরতৈ। জিনা নাইতয়।আমি -

- জন্মিলে মরিতে হবে অমর কে কোথা বরে

চিরস্থির করে নির হায়রে জীবন নদে। বুলিয়া নাইল জনমহানর দোষ ভগবানরাং পিদ দিয়া, 'জন্ম-মৃত্যু বিধির বিধা', 'হাবিতায় ভাগ্য না' বুল্তে বুল্তে পৃথিৱীর বুকুহানান্ত মেমৃত অয়া যিতাগ্রাইগা।



রীতি-নীজি নিদ্যা-দিনয় উত্তর্জির গোরার। প্রিয়-পাত্র-ঐভারাতা অন চাংখল যেতার।।

निश्मिश्घांउत ग्रांति

শ্রীসুখজ্যোতি সিংহ

আজিত্ত প্রায় স্বর্ণযুগ আহানর আগর কথা এবাকাও
স্কু অইয়া নিংশিং অউরি।

মি উবাকা হাইলাকান্দি গার্লস স্কুল, এবাকার 妻 কুমারী গার্লস স্কুলর সহকারী হেড মাষ্টারনীগ। এ স্কুল **্রান্ত পয়লা মি ডেপুটেশ্বন পেইয়া গৌহাটী বিশ্ববিদ্যালয়ে বি,** 🌊 তামকরাত আহেছুতা। বি, টি, ক্লাশে যোগ দিতে দ্বিমা আহান 🗺 পরলুগা। ক্লাশ আরম্ভ অছেতাই মার্চে মি যোগ দিলুতাই 📾 লের শেষে, কারণ মোর পরামারাধ্য পিতৃদেব রায়সাহেব 🛋 চৌধুরী সিংহ গিরক ১৫ মার্চ ১৯৫৪ ইংরাজীত দৌর খয়া ্রুইলগা হানতে স্বাভাৱিকতে শ্রাদ্ধ কর্ম হাবি লইকরিয়া আইতে 🗪 লাগিল। যেতাও অক মোটামোটি ক্রাশ করিয়া তিনমাহা অহান গেলগা কিন্তু কিতা পাকরেইতারা উতা কিন্তাও হার শউরি ছদ্দা মি হার নাপাউরি বুলিয়া মনেইতেতে মোর সহ শ্বীন আগ শ্রীমতি পুণ্য হাজরিকা বুলিয়া নর্থ লক্ষীমপুর ক্রার্স হাইস্কুলর শিক্ষিকাগ তেইও সরকারী ডেপুটেশ্বনে বি, 📚 তামকরাত আহেছেগ তেইও মাতিরি দিদি বাছা, প্রফেসর 🚅 কৈতা বাগা দিতারা এতা কিন্তাও হার নাপাউরিতাতে। ब्बका খानकतनाः कि উপায় कतानि ? ভাবিয়া চিন্তিয়া ঠিক ৰুবলাং Psychologyর প্রফেসর বি, ছি, করর লগে দেহা ৰুবিয়া আমার অবস্থাহান জানেইয়া মাতিক বার আমারে এ ক্রেনিং এহানাত্ব রেহাই দেনার ব্যবস্থা করানিরকা হেইচা করিক। এহান সিদ্ধান্ত করিয়া স্যাররাং গেলাংগা দ্বিয়গই। ্রিকে আমারে দেহিয়া ড্রইংরূমগত বনা দিয়া আমারে ত্রকবল - কিয়াকাথাং গিথানক গাছি মোর ঘর ক্রেঅইলায়াতা? উবাকা আমি লাজ-কাজ এরা দিয়া মাতলাং স্তুর আপনাগাছিয়ে ক্লাশে কিতা বাগা দেরাই উতা কিতাও হর নাপেয়ার, তার নির্ঘাৎ ফেইল করাত পরেছি। ইমে ছাত্র-হারী অইলাং অইছতে কিন্তাও নেই - ফেইল করিক কিন্তু অমিতে স্কুল আগেইগর শিক্ষয়িত্রীগি আহেছিতা হানতে আমি ক্ষেইল করলে ছাত্রীর মুঙে মেইথং দেছয়েতোগ্ডাইতা কিসাদে? 🖹 মাতলু মোর জেলাছৌগ বছর আহানাও নাছে উগরে বেলেয়া আইয়া মিও হিনপাওরি ছৌগও হিনপেয়রী। পুণ্যও ৰতিরী 'মোর বড়া মালক বাপকরে এরা দিয়া আহেছু - তানুরে চাকুরা নেই হানতে আমারে এরে ডেপুটেশন এহানান্ত এরা দেনারকা হুকুমদে স্যার।' কথা মাতলাং এতা আকখানো মিছাহান নাগই। মিতে পনর দিন গেলেগাই অস্থির অইয়া জেলাছৌ উগবকা ছুটীয়া হাইলাকান্দিত যাওরিগা। জেঠা মুনিইৌ উগতে তিন বছর কিতা অছে হানতে তারকা চিন্তা নাকরোরি।

যেতাও অক প্রফেসর কর স্যারে মাতের 'না-না হিন নাপেইয়ো কিতাও নেই হাব্দি হার পেইতারাই কিতাও কঠিন নেই. কিয়াকা ফেইল করতারাইতা?' এতা কিতা মাতিয়া বুজেইয়া আমারে চা পানী কিতা খয়েইয়া বিদায় করল। কিতা করতাং দ্বিয়গই দ্বিয়গর মেইথং চেইয়া আলইয়া আইলাং। আমার দৃশ্চিন্তা নিয়াম অইতে থাইল। প্রফেসর ডি, দাসগুপ্ত বুলিয়া প্রফেসর আগ আছিল, তা বার তার note ঔতা আক্সরেদেও dictate করের উতা ইমে ইকরিয়া ছালছি। Ross. Nun কিতা কিতি লেখকর বই লনারকা মাতল, উতাও লইলাং। শিক্ষা বিভাগে বই লনারকা 'কিতাপ ঘর বুলিয়া বইর দোকান আগরে ছকুম দেছি - উতাই আমারে বই যোগেইলা। কিন্তু যোগেইয়াতে কিতা অইব - ক্লাশে তামকৰুয়েতে এ বই আহানৰ অধ্যায় আহান তামকৰুয়েইতারা - বার ফালদিয়া আরাক বই আহানর অধ্যায় আহান বাগা দিতারা। মহা যাতনাত পরলাং। এসাদে অবস্থাত গরমর বন্ধ আহিয়া পড়িল - বন্ধ উহানাত বার প্রশ্ন কতহান উত্তর লেখিয়া আনানিরকা কর স্যারেও দিল, দাসগুপ্ত স্যারে ও দিল -বজ্রপাত অইলনায়। গ্রীত্মর বন্ধত দুশ্চিস্তাল ঘরেদে ছালইলাং।

মাহা আহানর মাজে প্রশ্নর উত্তরহানি ইকরানি লাগতই হানতে বিষয় আহানরে কতহান বই তামকরিয়া এ বই এহানৰ লাই আহান হেরে বই আহানর লাইন দুহান তুলে তুলে প্রশ্নর উত্তর আহান খারা করলু। পিসেদে দেছরিতা বিষয় উহান খানি সহজ অ পরিলগা। ছুটীন্ত আলয়া আইয়া ক্লাশ attend করতে দেছরিতা বাক্কা হারপাওরি। উবাকা খানি মনহানাত বিশ্বাস আহান আহিল – না বি.টি, হান পাশ করে পারতৌ বুলিয়া।

কিন্তু এহানও ভাগ্যত নেইঅউল - বি, টির ক্লাশ পুরা করে নুয়ারতৌ - অবশ্যে উহান অনাগত সৌভাগ্যরকা।

বড়দিনর বন্ধ হাইলাকান্দিত কাটেয়া গৌহাটীত আইয়া ফৌয়ইতেই appointment letter আহান Community Development Deptt.ন্ত, আহিয়া উপস্থিত। কোন যুগে ১৯৫২ খৃষ্টাব্দে A.P.S.C., interview আহান দিয়া থছিলুতা - উহানৰ ফল ১৯৫৫ ইংরাজীত আইয়া মোরে Community Project & Chief Social Education Officer বুলিয়া গেজেটেউ পোষ্ট আহানাত নিযুক্তি দিয়া পাঠাছি। বেতনৰ স্কেলহান অইলতাই ২৫০-৬০০ টাকা পেইয়া। নিযুক্তিপত্র এহান পেইয়াতে বিবুদ্ধি অইলু - কুরাংকার সরুপথার, গোলাঘাট প্রজেক্টর হেড কোয়ার্টারে। নাঙ ও না হনেছু ফাম উহানর। যেতাও অক হাইলাকান্দিত ফোন করলু মোর স্বামী শ্রী কৃষ্ণ সিংহরাং - মোর চাকরীর খবরহান দিলু। তা মাতল - 'হাইদে মি কালি ফোন করতৌ, কিহান করানি ভাবিয়া চেইতৌ। মাতল উসাদে পিছেকার দিন ফোন করিয়া মাতল যে তার ভাগিনাক রাধাকান্ত, দশম শ্রেনীত পাকরের উগরে দিয়া পেঠা দিতউ গৌহাটীত মোরে সরুপাথারে নিয়া যানারকা। সেপহান চেইয়া দেহেছে সরুপাথার এহান তিনসুকীয়া রেল লাইনর গজে বার যোরহাটেত্ত নিয়াম দুরেই নেই। মনেইলে যোরহাটে তার বিনক ভীমসেন রাজকুমারর ঘরেও ছুটী ছাটাত গিয়া পারতৌগা। যেতাও অক হারপেইলু যে গিরকে মি ক্ম্যুনিটী প্রজেক্টর C.S.E.O. পোষ্ট উহানাত যোগ দেনা হান মনার।

গতিকে মানু আগর রাধাপুরার যে টুপী আরি লাগে উতা লইলু। বেতর বাস্কেট আগও রূপা নৌহান দিয়া লইলু, বেতর বাক্স আগও লইলু বি,টির বই উহানি নেনারকা। মনে মনে আশাহানতে থাইলতা বি,টি, পরীক্ষা দিতৌ, বি,টি, ডিগ্রীহান লইতৌ। পিছেদে বাক্স পেটেরা বেডিং হাব্বিতাত নাঙাহনর লেবেল লাইগেইলু।

রাধাকান্ত বিদিনর মাঝে আইয়া ফৌঅইলগা। তারেল রেলগাড়ীল গৌহাটীন্ত সরুপথার ছালইলু। রেল এহানতে সোজা তিনসুকীয়া যারগা হানতে লামডিংএ গাড়ী বদলানি না লাগিল। পিছেকার দিন বিয়ানে দশটার মাপা উহানাত সরুপথার ষ্টেশনে গাড়ীহান ফৌঅইলগা। ষ্টেশন উগর উবেদে চেইতেতে দেহুরি রাঙা টিনর বিচালা ঘর আগ আধাহান উদালা, বের-গোর নেই। উহান যাত্রীর waiting roomগ পাউরি। বার আধাহান বাহার বেরার ঘরগ, দুয়ার খিরকীও আছে। উগত ষ্টেশন মান্তারগ তার যন্ত্রপাতিল বহেছে। ষ্টেশন উগর কাদা বারাদে জঙ্গলহান অছে। জঙ্গল উহান দেহিয়াতে খালকরলু বোবারো, জঙ্গল এহানাততে নাইতই, গাড়ীহানাত কাইয়া যোরহাটে যানাই বালা অইতই বুলিয়া খালকরিয়া গাড়ীহানাত কাইংগা বুলিয়া ভাগিনাক উগরে মাল উহানি গাড়ীহানাত কাকর বুলানিয়ে গাড়ীহান এরাই দিয়া বেলল। ছক্কাং ষ্টেশনগ নাই - গাড়ীহান নিয়ামপারা না থামের। এবাকাতে কিহান করানি? কাঁদানি আহিলপারা!

সরুপাথার ষ্টেশন এগত মানু নিয়াম উঠা নামা নেই। Community Project আগ বহেছে বুলিয়া ষ্টেশন আগ বহাছিতা।

দেখতে দেখতে ষ্টেশনগ খালি অ পড়িলগা। থাইলাংতাই মিয়ে রাধাকান্তই বার আরাকও মানু আগ ছদ্দা এবেদেন্ত উবেদে আটের। কতহান থাইয়া মানু উগই ইংরাজীল মোর ভাগিনাক উগরে আংকরল - 'তুমি, গৌহাটীত্ত আহরাইতা, মিসেস সিংহ আহেছেতা ?' হাই বুলানিয়ে আধা বয়সী মানু উগই মোরে নমস্কার দিয়া তার পরিচয়হান সরুপথার কম্যুনিটি প্রজেক্টর অভারসিয়ার প্রতাপ হাজরিকা বুলিয়া মাতল। তার লগে পিকৃআপ ভান আহান আনেছে উহানাত কাইয়া দেড়ুমাইল দ্রেইত প্রজেক্টর হেডকোয়ার্টরে গিয়া উপস্থিত অইলাংগা। গাড়ীহানান্ত নামিয়াই মিঃ হাজরিকাই পাঁচগ আহান যুবকর লগে পরিচয় করে দিল। এগ মিঃ বরুয়া, এগ মিঃ ভূইএগা, এগ মিঃ ভাটনাগর, এগ মিঃ বৰুয়া ইত্যাদি ইত্যাদি। হাবিগী গেজেটেড্ অফিসার। তানুরে পরিচয় করে দেনাই হাব্বিয়ে হাত ডিগল করিয়া করমর্দ্দন করানি মনেইতারা, মোরতা কানমুর গরম অপরিলগা - কোনরকম নমস্কার আহান দিলু হাব্বিরে। এবাকার ২৪/২৫ বছরর নিংলপী আকেইগই জামা পিদিয়া 'খুকী' অইয়া আইতারা বয়স উহানাত মি দুগর মালকগ অইয়া এরে যুবক এগির মুঙে পরিয়া ডরহানে মরলু না, চাকুরী করে নুয়ারতৌ এতার হাদিত বুলিয়া খালকরলু। যাই হোক কোন রকম প্রজেক্টর চাকরীহান প্রায় দ্বিবছর করলু। এ বছর এহানিতে যে কতরকম অভিজ্ঞতা ঘাত প্রতিঘটিতর মাজেদে কাটিয়া গেলগা উহান সুযোগ সুবিধা মতে জানেইতৌ।

আগেদে বি,টি, তামকরতে প্রজেক্টর মুখ্য সামাজিক শিক্ষা বিষয়ার চাকরীহান পেইয়া আহেছিলু বুলিয়া উল্লেখ করেছিলু উহান যে হেতু 'ডেপুটেশন' হানাত আহেছিলু হানতে উহান না করলে যতহান রূপা মি সরকাররাংত লছিলু উহানি আলকরে দেনা লাগতই তার বি,টি, পরীক্ষাহান দেনাত লেপইলু। কিন্তু লেপইলেউ না চলতই নাই পরীক্ষাতে বনার অনুমতি ও পানা লাগতই। কিন্তু মি অনুমতি পানার পক্ষে অন্তরায় অয়ল কারণ বি,টির course হানি না লমকরিয়া আইলু হানতে পরীক্ষাত বনার অনুমতি নাদতারা। উপায় পথ নাপেয়া ডাঃ বিরিঞ্চি বরুয়ারে, উবাকা বিশ্ববিদ্যালয়র ক্লাশর সেক্রেটারী আছিল, নিয়াম কাকুতি মিনতি করিয়া চিঠি আহান ইকরলু উহানাত গিরকে মোরে দয়া করিয়া পরীক্ষাত বনার অনুমতি দিল।

পরীক্ষাত বনার অনুমতিতে পেইলু কিন্তু সুপতে না পাকরেছু হানতে কিতা পরীক্ষা দিতু। যেদিনেত্ত প্রজেক্টে হমেইলু দিনেত্ত গাঙে গাঙে বুলে বুলে, কতহান হাটিয়া কতহান জীপল গিয়া তিন মাহা আহান কাটেইলু হানতে বইহান মেলানির সময় নাপেইল। যেতাও অক বুলিয়া ইমা সরস্বতীরে নিংশিং অইয়া সরুপাথারেত্ত গৌহাটিত রেলর প্রথম শ্রেণীর কোঠা আগত উঠিয়া ছালইলু। নিজর পয়সাল রেলর টিকেট করিয়া যদিও আউরি, ছুটীত আছরি হানতে, মতলবহান অইলতাই রাতি রাতি রেলহানাত লেরিক পাকরিয়া আইতও কিন্তু বিধাতায় নাদলে মানুয়ে কিতা করে পারিয়ারতা? কোঠা উগত চারিহান বনা গুমজানির বার্থ - গজে আহান তলে আহান। হানতে মোর সিটহানর তলে পরেছে. যদিও ভদ্রলোক আগ বইয়া খানি খানি থাইয়াও ষ্টেশন আকেইগত নামিয়া মদর বোতল আগ আনের। হানতে ডরেইয়া হেরে তলর সীট উহানাত মুরেগারে ঘুরিয়া গুনজেসে ভদ্রলোক উগরে উঠেইয়া মাতলু মোর লগর মানু এগরে তার গজর সীটহানাত যানারকা খানি মাতেদেনে, রাতি ১২ টা বাজিল নাই বুলতে বুজন উগই 'মি কিতা করতু' বুলিয়া বারা বুলন দিয়া গুমজিয়া থাইল। এসাদে মদ পিযেকুরা মানুর লগে না গেছগাহানতে ডর এহানে পারা মানু উগরে তেরা তেরাদে চেইয়া থাইলু - মোরে কিতা করতইতানা কিতা বুলিয়া। যাই হোক সাহস সঞ্চয় করিয়া মানু উগরে মাতলু রাতি ১২টা বাজিল মোর সীটহান এরাদে। অ হাই হাই বুলিয়া গজে কাইলগা উবাকা নিংশা হান বেললু। গজে কানাই মানু এগতে ছয়গর পারা অইয়া রহাত লাগিল। উচ্চুম করে হাত আকখনর গজে কুন্তুকর্ণ পারা অইয়া গুমজিয়া কাটেইল। এতা কুমেই এতা চেইয়া না ঘুম অইল, না পাকরে পারলু। বিধির বিধান না যায় খণ্ডন।

ছাত্রীবাড়ী খৃষ্টান হোষ্টেলে মোর আগর সীটহানাত আইয়া উপস্থিত অইলু। মোর সহপাঠী হাজরিকাই মোরে পেইয়া হারৌ অইল। তেইতে রাতিয়ে দিনে বেজান পাকরানিত লাগেছে মাত্র ২/৩ দিন পরীক্ষা বাকী। মিও পাকরানি অকরলু হানতে কুরাংকার ঘুম আহানে বেজান বেরা করের। ঘুমহানরও দোষ নেই। এহান মাতৃত্বর অভিব্যক্তিহান। মোর তৃতীয় সন্তানর আগমন বার্ত্তাহান। যাই হোক উতা কিতা অসুবিধার ভিতরেদে পরীক্ষা দেনা অকরলু কিন্তু বাস্তব (Practical) হানাততে ঠেকে পরলুগা। মোর বিশেষ বিষয়হান আছিলতাই ভূগোল। ভূগোলৰ বাস্তব পরীক্ষাহানাত পাঁচহান আংকরলে তিনহান পারুরী, না হয় দুহান পারুরি - বাকীহানি sorry বুলিয়া কাটাউরি। পিছেদেতে দীঘল প্রশ্ন আংকরাত লাগলা - বিশেষ করে মি Community Projectএ চাকুরী করুরী বুলানিয়ে 'হা জঙ্গলহানাততে তি কিসাদে বেয়াপাগই চাকুরী করৌরিতা - বাঘ, ভালুক ডর নাপাউরিতা, কতি ডাঙর ডাঙর গাছ আছেতা, কতি মূল্যবান গাছ আছেতা' ইত্যাদি ইত্যাদি। এহানাত মি সুযোগ পেইয়া নানান রঙ চরেইয়া মাতিয়া তানুরে মাত করে দিলু। যা পিছেদে যেতা অইলতা অইতই। পরীক্ষা দিয়া আলইয়া কর্মক্ষেত্র নামবর জঙ্গলেদে গেলুগা। তিনমাহা পিছেদে পরীক্ষার ফল নিকুলিল উবাকা Assam Tribune এ মোর নাঙহান পাশ করেছি উতার লিষ্টর মাঝা মাঝি জাগাত আছে। বিশ্বাস নাকরলু অনেক সময় ভুল করিয়া ছাপেইতারা পিছেকার দিন বার ভুল অইল বুলিয়া ঔ ভুল উহান খণ্ডন করতারা। আরকও নিয়াম সন্দেহ অইল কারণ হানতে শ্রীমতি বৰা বুলিয়া গোলাঘাট বালিকা বিদ্যালয়র শিক্ষিকা আগৰ নাং নেই পাশর লিষ্টিত অথচ তেইরে বিশ্ববিদ্যালয়র হাবিয়ে 1st class পেইতই বুলিয়া খাতির করলা। কিহান অইল নাজানু - শ্রীমতি বরার নাঙ্হান বাদ পড়িল অথচ মোর ছাদে ছাত্রী আগর পাশর সুপও আশা নেই উগর নাঙহান পত্রিকাত দেছি। যাই হোক भीशंधी विश्वविদ्यालस्य ठाकती कतल श्री धतनी मात्र वृलिया আমার বন্ধ ব্যক্তি আগই মোরে অভিনন্দন দিয়া তার আহান দিল উবাকা বিশ্বাস করলু - হাই মি পাশ করেছুহান অছে।

তার কতদিন পিছেদে সহকর্মী হাবিরে বান্দারা আহান খওয়েইয়া মাতৃত্বর ছুটীত হাইলাকান্দিত আইলু।

মোর ব্যক্তিগত কথার অবতারণা করলু কারণহান মোর বেয়াপারে বুজানি মনাউরি যে লেইরিক পাকরানির কোন বয়স নেই আর তামকরানি মনেইলে কোন বাধাই বাধা নাগই - ভগবানে সহায় করের মা সরস্বতীয়ে কৃপা করিরি।



ভাগ্যৱতী

'মিৎলাউবা'

ক্রেইমেণ্ট্ নোটীশহান পেইয়া 'লীড্-লাইফ' মোটর ইন্সিউরেন্স কোম্পানী ফাফরে পড়্লা। আহিয়েদে দিনে মাদানে জিন্ জিনি দেখ্লা। গেল্গা মাহাতেই তিনহান্ এক্সিডেণ্টর ক্রেইম রূপা পন্দর লাখ দিয়া মূর তুল্তে না তুল্তে বারো এমাহাৎ রূপা সাড়ে পাঁচলাখর নোটিশ হান্। এসাদে ঐলেতে কোম্পানীগ লাটে কাইতে মিয়াম দিন নাইতে।

কোম্পানীর বোর্ড অব্ ডিরেকটারসর কার্য্যকরী কমিটীর আপংকালীন বৈঠক হান্ ডাক্লা। ডাহিয়া সিদ্ধান্ত নিলাগা -কেইস্ এহান্ প্রাইভেট গোয়েন্দার আতে তদন্তরকা দেনা বারো ডাঙড় উকিল আগো আঠৈপা দেনা।

ঔমতে প্রখ্যাত প্রাইভেট গোয়েন্দা রজত বরণ চৌধুরীরে তদশুর ভারহান দিলা। একসিডেন্ট ট্রিবিউন্যালর নাঙফিটা, উকিল তারিণী চরণ ভট্টাচার্য্যরে কেইসহান্ ট্রিবিউন্যালে লড়ানির কা লৈলা।

রজত বরণ চৌধুরী নোটীশহান্ পাকরিয়া দেখল - রফিক আহমেদ বুলিয়া বুড়া আগ সিটিবাসর থেঙনাত জখম ঐয়া নয়গাও সিভিল হাসপাতালে মরেছে, উগরকা রূপা দ্বি-লাখ, বাস হানর ড্রাইভার মন্টু সরকার, হেণ্ডিমেন মানিক সরকার, বারো আরাক আটগ সিটিবাসহানর প্যাসেঞ্জারর চিকিৎসার খরচ বারো ক্ষয়-ক্ষতিরকা জনে আককুড়ি লিশিং করে দ্বি-লাখ, সিটিবাসহান মেরামতির কা 'লীড-লাইফ' মটর ইন্সিউরেনস কোম্পানীর নিজস্ব সারভেয়ার কণিকা দাসর ডেমেজ-রিপোর্টর ক্রেইম রূপা লাখ আহানে পঞ্চাশ হাজার। মোট সাড়ে পাঁচ লাখ। রজত বরণে মনে মনে খালকরল - বাসহানর ভাগ্যবতী নাঙহান্ অতি চুনা আছে। সহকর্মী মানুসিংরে মাত্লো -

- কেইস্ হান্ অইব কালী কোর্টে কাইতৈ। মানু, ভাগ্যবতী সিটিবাচর মালিক - ভাগ্যবান মোঃ আকবর আলী সেখরে দর্শন পেইয়া আহিক্গা বেনাই। মানু সিংয়ে 'হাই দাদা, যিক্গা' বুলিয়া ছালৈল।

রজত বরণ চৌধুরী মানুসিংরেলো, সিটি বাসহানর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখর ঘরে গৌরীপুরে গেল্গা। ইোনাবী-পর্বর হমারহা লনা-দেনা লৈ করিয়া রজত বরণ চৌধুরীয়ে আকরবর আলীরে আংকরল –

রজত বরন ঃ হাইদে সেখ্ সাহেব, আপনে রামপুরেৎত কুম্বাকা গৌরীপুরে আইয়া ঘর-দোয়ার হংকরিয়া আছিতা।

আকবর ঃ প্রায় ১১/১২ বছর ঐল।

রজত বরণ ঃ আপনার বেইবুনি, খুরতাক্, জেরতাক্র ছৌ-জিপুত এবাকাউ রামপুরে আছি, না।

আকবর ঃ হাঁই, আছি। মোর সায়-সম্পত্তি হাবি রামপুরে আছে।

রজত বরণ ঃ আপনার পিতৃ - সম্পত্তি রামপুরে কুংগয়তে দেহা-হোনা করের।

আকবর ঃ মোর জরম বেয়কর পুতক রফিক আহমেদে চা-চিতা করের। তারে মাহে মাহে বেতন বাবদ রূপা ছয়হৌ পারা দেউরী।

রজত বরণ ঃ রফিক আহমেদতে জয়নগর বাজারে সিটিবাস এক্সিডেন্টে মরেছে বুলেছিগতে!

আকবর ঃ অঃ হাইয়ে'। বুলিয়া পাঙ্জৈয়া থাইল। রজত বরণ চৌধুরী 'আজি উঠিং, আরাক আক্দিন আহিতৌ' বুলিয়া মানুসিংরেলো উঠিল্। মোঃ আকবর আলী সেখর ঘরর গেইট্হান্ লালৈতে পথে লেংড়া বুড়া আগরে দেহিয়া মানু সিংয়ে রজত বরণরে মাতলো -

মানুসিং ঃ দাদা । এরে তঞ্জি আলা, ধলা দাড়িওয়ালা, লেংড়া বুড়াএগ রফিক আহমেদ অ থাইব। আঙকরতু ?

রজত বরণ ঃ আংকর। আরাক কতবছর গেলেগা তিয়ৌ ডিটেক্টিভগ ঐতেই। গুড্ গোয়িং, কিপ ইট্ আপ্। বুলিয়া থৌতাল্ দিল। মানুসিংয়ে বুড়াউগরে ডাহিয়া আঙকরিয়া হারপেইল- বুড়া-লেংড়াগ, মোঃ আকবর আলীর বেয়কর পুতক রফিক আহমেদ রামপুরে থার। আজি তিন মাহা ঐল তারে খুরতাকে গৌরীপুরে ঘরে আনিয়া থছেতা। আরতাউ হারপেইল রফিক আহমেদরে ড্রাইভার মন্টু সরকারে জবর বানা পার। মন্টু সরকার রামপুরে ঘরে থার।

পিছেকার দিনে রামপুরে যানা ঠিক করিয়া রজত বরণ চৌধুরী নয়গাঁও ডাক্বাংলাগোত থানার্কা বুলিয়া মানুসিংয়ে কিতায় গেলাগা। রাতিহান ডাক্বাংলাগোৎ থাইয়া বিয়ানে রামপুরে মনুটু সরকারর ঘরে গেলাগা।

রজত বরণ ঃ আপনে মন্টু সরকার। ভাগ্যবতী সিটিবাসহানর ড্রাইভার।

মন্টু ঃ হাই

রজত বরণ ঃ সিটিবাসহানর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখ। গাড়ীহানর নাঙহান ভাগ্যবতী। ঠিক হার নাপেইলু।

মন্টু ঃ অঃ উহান। মোর পরিবারর নাঙহান্ ভাগ্যবতী। নুয়া গাড়ীহান গৌহাটীত লৈয়া কামাখ্যাৎ পুজাদিয়া আনিয়া রামপুরে আমার ঘরে তেই ধুপথংমেই দিয়া ঙক্করেছিলী বুলিয়া চাচায় গাড়ীহানর নাঙহান্ তেইর নাঙ ভাগ্যবতী থ'দিলতা। চাচা আক্বর আলী সেখ আমার নিজরতা পারা। তেইরে জিলক পারা য়্যাকরের।

রজত বরণ ঃ গাড়ীহান্ গেল্গা কালি গৌরীপুরে দেখ্লু। একেবারে নুয়াহান্ পারা ঐয়া আছে। ভাগ্যবতীর ভাগ্যহান জবর হবা।

মন্টু ঃ আমি গাড়ীহান জবর হবা করে থৈয়ার। মাহানাৎ আকখুরুম বহুয়েইয়া সারভিসিং করিয়ার। গ্রীজিং মি থাইয়া করুয়াউরী। আজি পেইয়া গাড়ীহান হিলগৎ পেইয়া ধাকা না মারেছে।

রজত বরণ ঃ গাড়ীহানাৎ খেৎ আহান্ পেইয়া না দেখলু। গৌরীপুরে হুন্লুতা, রফিক আহমেদ বুলিয়া লেংড়া বুড়া আগরে আপনে জবর বানা পেইয়া ধন-পয়সালো সহায় করিয়ার। ঔ বুড়া উগ মরে পড়েছ্গো।

মন্টু ঃ হাই, জবর হবা আছিল্ বুড়াগ। জিয়া-জীপুৎ, সাগেই-সেন্সেই, কুংগৌ নেই। জয়নগর বাজারে ভিক্ষা করিয়া খেইয়া আছিল্। ইমে ঔ বাজারর পথর কাদার খৌনাং আক্ঝারির তলে রাতি ঘুমজিয়া থাইল্। আস্পাতালে গিয়া মরে পড়িলগা। আমি হাবিহানে তিলৈয়া আমার এপেই তারে কবর দেছিলাং।

রজত বরণ ঃ মি হুন্লুতাই, মোহন চন্দ্র দাস বারো রেজাউল আহমেদে নয়গাঁও সিভিল আস্পাতালে চিকিৎসা করুয়ানিত নেছিলাগা। ঔদিনেই আসপাতালে মরেছিল।

মন্টু ঃ হাইহান্।

রজত বরণ ঃ ধন্যবাদ। আপনার তুলো টটরেইয়া জবর হারৌ ঐলু। এ মাপাৎ মানুসিংয়ে প্রশ্ন আহান করলো।

মানু সিং ঃ আপনার স্বাস্থ্যপাতি জবর হবা ঐয়া আছে। আপনে হদায় বিয়ানে হিনেইয়া নাম্ছা-পাতি পিদিয়া পূজা করিয়ার পারা পাউরী।

মন্টু ঃ হাইহান। ভগবানর আশীর্বাদে আজি পেইয়উ কোন দশা-লালফামে না পড়েছি।

মানু সিং ঃ কিন্তু মি হুন্লুতা, আপনে গেল্গা মারী জয়নগর বাজারে এক্সিডেন্ট্ আহান্ করিয়া রফিক আহমেদ বুলিয়া মানু আগ মারে বেলাছি।

মন্টু সরকার শৌও পড়িল্গা। শৌয়ৈয়া মাতলো -

মন্টু ঃ মোর শত্রুরেউ মাতে নুয়ারতাই আজি পেইয়া মি পশু-পক্ষী-জীব-জন্তু আগৌ মারেছু বুলিয়া। মানুতে দূরেইর কথা।

মানু ঃ না শৌরৈবাং। মানুয়ে মাংলা হান্তে মাতুরীতা। ঔ এক্সিডেন্টে আপনারে পাবলিকে জবর কিলাছি বুল্লা। এমন কি মুর ফাটাদেছি বুল্লা। বারো গুৱাবারীর পুলিশে এ্যারেষ্টো করেছিলা বুল্লা। আপনার গাঙ রামপুরর রফিক আহমেদ বুলিল লেংড়া বুড়া আগরে একসিডেন্টে মারে বেলাছি বুল্লা। মন্টু সরকার ইমেতেই শৌঅছিল। এ্যারেষ্ট অছিল বুলানিয়ে জ্বির গজে ঘি পড়িল পারা। জ্বি মেইপুল এয়া মাৎলো -

মন্টু ঃ এতাহাবি দারোগা কমল মহন্ত, সার্ভেয়ার্ কণিকা দাস, আকবর আলী বারো রেজাউল আলীর কু-চক্রান্ত! জয়নগর বাজারর ভিখারী লেংড়া বুড়া রফিক আহ্মেদরে রামপুবর রফিক আহ্মেদ বুলিয়া হাজেইয়া করেছিতা। গাড়ীহান এক্সিডেন্ট নায়াউ একসিডেন্টে রফিক আহেমেদ মরেছে বুলিয়া মোরে জনমকার দাগ আহান থ'দিলাতা। মি ঔদিন্ গাড়ীহানেই না চালাছু।

রজত বরণ ঃ আমি উঠিক্। জয়নগর বাজারে যানাৎ পড়েছু। বুলিয়া মাতিয়া রজত বরণ চৌধুরী বারো সহকর্মী মানুসিং উঠিয়া গেলাগা। ঔদিন মাদানে চক্রধ্বজ বুজর বরুয়া বুলিয়া জয়নগর বাজারর স্থায়ী দোকানদার উগর দোকানে রজত বরণ

চৌধুরী মানুসিংরেলো হমেইল্গা। দোকানীগরে আংলাক কর্লা।

রজত বরণ ঃ মি প্রাইভেট গোয়েন্দা রজত বরণ চৌধুরী।তা মানু সিং মোর সহকর্মী।মি কথা আহান হারপানীত আহেছুতা। ১০/৪/২০০০ ইংরাজীৎ জয়নগর বাজার বার অছিল্। এপেই সিটিবাস ভাগ্যবতী টি.এছ. - ২৫-৮৮৮৯ গাড়ীহান্ এক্সিডেন্ট করিয়া রামপুরর রফিক আহমেদ বুলিল্ লেংড়া বুড়া আগরে ধাকা মারিয়া উগ ঔদিন নয়গাও আসপাতালে মরেছিলতা।

বুজর বরুয়া ঃ এপেই আজি পেইয়া কোন এক্সিডেন্ট্ নাছে, মানু মারাণির কথাতে বাদ্দিক্। ঔদিন আমার বাজারর ভিখারী লেংড়া বুড়া রফিক আহমেদরে রেজাউল আহমেদ বারো মোহন চন্দ্র দাসে আসপাতালে চিকিৎসারকা ভর্ত্তি করুয়াছিলাগা। উগো, ঔ আসপাতালে মরেছিল।

রজত বরণ ঃ আপনারে ধন্যবাদ। আমি আজি উঠিক্। লাগ্লে আরাক্ আক্দিন আহিতাগুহি বুলিয়া উঠিয়া গেলাগা। রজত বরণ চৌধুরী বারো মানু সিং ঔ রাতি নয়গাঁওর ডাকবাংলাগোৎ থাইলা। পিছেকার দিনে গুৱাবারী থানাৎ যানার কথা।

> বিয়ান্ সাড়ে দশ বাজিৎ রজত বরণ চৌধুরী সহকর্মী মানু সিংরেল গুৱাবারী থানাৎ ফৌএল্গা। সিটিবাস এক্সিডেন্টে জয়নগর বাজারে রফিক উদ্দিন আহমেদর মরণর ঘটনাহানর সরজমিন তদন্ত করিয়া নথি পত্রলো কেইস্হান্ ডাইরী করেছে সেকেণ্ড অফিসার, কমল মহন্ত, সাব্ইন্স্পেক্টর্র তুলো পরিচয় আদির পিছে গোয়েন্দা রজত বরণ চৌধুরী দারোগা বাবুরে আঙলাক করাণি অকরল -

রজত বরণ ঃ দারোগাবাবু। সিটিবাসহান্ এক্সিডেন্ট অছিল্ ফামে আপনে তদন্ত করানিরকা কয়টাৎ গেছিলাংগাতা ?

দারোগা ঃ মি বাসহান্ এক্সিডেন্ট্ অছিল্ ফামহানাৎ লগে লগেই গেছিলুগা। ফামহান জয়নগর বাজার। ৩৭ নং ন্যাশনেল্ হাইওয়ের গজে আমার গুৱাবাড়ী থানাৎত ছয় মাইল পুরেদে।

রজত বরণ ঃ ঘটনাহান দুইহাজার ইংরেজীর এপ্রিল মাহার দশ তারিখে দিনে তিন বাজিৎ ঘটেছিল। আপনে খবর পাছিলাং দিনে তিন বাজি তিরিশ মিনিটে। আপনে ঘটনার ফামে চারি বাজি কিতাত গিয়া থাইবাংগা।

দারোগা ঃ হাইহান্। এক্সিডেন্ট অছিল্ রফিক আহমেদরে রেজাউল আহমেদ বারো মোহন চন্দ্র দাসে অটো-রিক্সা আহানাৎ কাকরিয়া কাদার নয়গাঁওর সিভিল আসপাতালে চিকিৎসারকা ভর্ত্তি করুয়াছিলাগা। এক্সিডেন্ট্ করেছিল দুর্ভাগীয়া সিটিবাস টি.এচ. - ২৫-৮৮৯৯ গাড়ীহান্ ড্রাইভার মন্ট্রু সরকার বারো হেন্ডিমেন্ মানিক সরকারে গুরাবাড়ী থানাত নিয়ারগা বুলিয়া নেছিলাগা।

রজত বরণ ঃ মোহন চন্দ্র দাসে এক্সিডেন্টে জখমী রফিক আহমেদ আসপাতালে মরেছে বুলিয়া পৌহান আপনারে বাগাছিল্
তায় তিন বাজি তিরিশ মিনিটে বুল্লাং। জয়নগর বাজারেৎত নয়গাঁও সিভিল আসপাতালগ তিন মাইল দুরেই।
জয়নগৰ বাজারে জীপ্গাড়ীহানল আহিতে আপনারতা আধা ঘণ্টা সময় লাগেছে। জরর হবা কথাহান্।
পাবলিকে হামেশায় মাৎতারা পুলিশে লগে লগে ঘটনাস্থলীত তদন্তে না যিতারাগা। মারা-মারি, কাটা-কাটি,

দাবোগা

দাঙ্গা-হাঙ্গামা, শান্ত ঐলে, চর-ডাকাতি করিয়া গিয়া হদেইলেগা তদন্তে যিতারাগা। আপনে যোগ্য অফিসারর যোগ্যতা দেহুয়েইলাং। এবাকা আপনার তদন্তর রিপোর্টহান পাকরিয়া হ্নুয়েইক। তদন্ত করিয়া কিহান পেইলাংতা। মি সরজমিনে তদন্ত করিয়া পেইলুতা - সিটিবাসহান গৌরীপুরেংত আহেছিল। গুৱাবাড়ী জয়নগর-নয়গাঁও ঐয়া কনগাওঁও যানার্কা। ড্রাইভার মন্টু সরকারে অতি তীব্র গতিত গাড়ীহান চালাছিল। বজার বার, বাজার অঞ্চলে গাড়ীর গতি ঘন্টায় ১৫ মাইল অনা থক্ছিল। মদর নিশাত ড্রাইভার মন্টু সরকারে ঘণ্টায় ৪০ মাইল গতিত গাড়ীহান চালাছিল। রফিক আহমেদ পথগর হমবুকৃত আছিল। ছেচে নুয়ারেছে। ড্রাইভারগয় সিয়ারিং কন্ট্রল হারাছিল। গাড়ীহানে রফিক আহমেদ পথগর হমবুকৃত আছিল। ছেচে নুয়ারেছে। ড্রাইভারগয় সিয়ারিং কন্ট্রল হারাছিল। গাড়ীহানে রফিক আহমেদরে পিঠিয়েদেংত ধাকা মারেছিল। ও ধাকাত রফিক আহমেদ অজ্ঞান ঐয়া পথে উবুরী ঐয়া পড়েছিল। কাদাত আছিল আলাউদ্দিন সেখ, পানীরামদাস, যুগল সিং, মোহন চন্দ্র দাস রেজাউল আহমেদ গাছি দাব্ দিয়া ছেচে পড়োছিলাগা। গাড়ী জবর করে ব্রেক্ মারেছিল। কিন্তু ছুচুরেইয়া ২৫ হাত গেছিল গা। রেজাউলে, মোহনে অটোরিক্সা আহান্লো জখমী রফিক আহমেদরে নয়গাঁও আসপাতালে চিকিৎসারকা ভণ্ডি কক্ষয়াছিলাগা।

রফিক আহমেদ বুড়াগ। বয়স আনুমানিক তিন কুড়ি বছর। জাং আহান লেংড়া। জবরক আটে নুয়ারের। রামপুর গাঙে থার। সিটিবাস গাড়ী হানর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখর ভতিজাগ।

মি ঘটনার ফামে ঘটনাহান ঘটতে দেহেছি তিনগ মানুর জবানবন্দী লছিলু। তানুর জবান বন্দী এসাদে -

(১) মোঃ আলাউদ্দিন সেখ - বাপক -মৃত -উস্মান সেখ। গাঙ - সাতগাঁও, থানা ঃ গুৱাবাড়ী। বয়স - তিনকুড়ি ছয় বছর। রামপুরেংত ২ মাইল পুবে। সিটিবাসহান অতি দ্রুত গতিত গুৱাবাড়ীদেংত আহেছিল। জ্ञয়নগর বাজারহান এক-দেড় বাজিত লৈয়েলেউ বাজারে পথে ঘাটে মানু আছিলা। রফিক আহমেদ পথর এপারেংত হৌ পারেদে লালনিরকা কর্তে বাসহান্ দেহিয়া লুমপাং ঐয়া পথর হমবুকুত উবা অ পড়েছিলগা। তংক্ষণাং বাসহানে তারে থাকা মারিয়া বেলাছিল্। বাসহান ব্রেক্ মারেছিল। কিন্তু ছোরিয়া গেছিল্গা। বাজারর মানুয়ে বাসহান্ বেড়িয়া ধরেছিল। ড্রাইভার বারো হেন্ডীমেন্ দ্বিয়োগীরেউ বাসাহানাংত আচুলিয়া লামেইয়া কিলাছিলা। ড্রাইভারগর মুর ফাটেছিল্। হেন্ডিমেন্গরেউ ঘুসি-কিল্-বাড়ী দিয়া দাঁত বাগে দেছিলা। তানু কোনরকমে গাড়ীহান্লো থানাত বুলিয়া গেছিগা। ড্রাইভার মন্টু সরকার, হেন্ডিমেন্ মানিক সরকার বারো রফিক আহমেদ হাবিরে মি চিনু। তানু মোর গাঙর পুরেদে কাদার্ রামপুরে থাইতারা।

মোহন চন্দ্র দাস বারো রেজাউল আহমেদে রফিকরে অটো আহানাত তুলিয়া আসপাতালে নিলাগা। রফিক আহমেদ, রেজাউলর খুরতাক্।

(২) দ্বিতীয় মানুগ শ্রীপানীরাম দাস। বাপক - শ্রীভোগীরাম দাস। গাঙ - ধুবুরী ঘাট। থানা ঃ শুরাবারী। রামপুর গাঙেৎতে মাইল আহান্ পশ্চিমে। বয়স ঃ দ্বি-কুড়ি পাঁচ বছর। মি ড্রাইভার মন্টু সরকার, হেন্ডিমেন্ মানিক সরকার, রিফক আহমেদ হাবিরে হবা করে চিনু। আমি বরাবর মন্টু সরকারর গাড়ীত জয়নগর, গৌরীপুর বনগাঁওয়ে আনা-যানা করিয়ার। বাজারর দিনে রিফক আহমেদ প্রায়েই বাসে আমার তুলো জয়নগরে আহের গ। আজিয়ৌ তা আমার লগে আহেছিল্। এসাদে এক্সিডেন্ট্ ঐতৈ.....

রজত চৌধুরী ঃ দারোগা বাবু। আর জবানবন্দী নাউ পাকরিক্। পিছেদে ছন্তাঙাই। আপনে এফ্.আই.আর্ হান্ পাকরিক।

দারোগা ঃ এফ্.আই.আর্ হান্ ১২/৪/২০০০ ইংরাজীত, সুমস্ত সরকার, গাঙ্ভ-গুরাবাড়ী, গিরকে দায়ের করেছে।

রজত চৌধুরী ঃ ঘটনাহান্ ১০/৪/২০০০ ইংরাদীত, দিনে ৩ বাজিত অছিল্। এফ্.আই.আর্ দায়ের করেছিতায় দ্বিদিন পিছেদে। আপনে এফ্.আই.আর্ পেইয়া তদন্ত করলাংতা না মোহনর মৌখিক খবর পেইয়া তদন্ত করেছিতা।

দারোগা ঃ মোহন চন্দ্র দাসর মৌখিক খবর পেইয়া।

রজত চৌধুরী ঃ গাড়ীহানর ড্রাইভার মন্টু সরকার বারো হেন্ডিমেন্ মানিক সরকাররে ১২/৪/২০০০ ইংরাজীত অ্যারেষ্ট করিয়া ১৩/৪/২০০০ ইংরেজীত কোর্টে চালান্ দেছি মাতলাং। দারোগা ঃ না। ১২/৪/২০০০ ইংরেজীত ড্রাইভার, হেন্ডিমেন্, বারো গাড়ীর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখ গাড়ীহান্লো থানাত আহেছিলা। উদিন ড্রাইভার হেন্ডিমেন্ দ্বিয়োগীরে অ্যারেষ্ট করিয়া হাজতে থছিলাং। পিছেকার দিনে ১৩/৮/২০০০ তারিখে কেইসহানলো সাব-ডিভিশন্যাল্ জুডিসিয়েল ম্যাজিষ্ট্রেটর কোর্টে চালান্ দেছিলাং। গাড়ীহান সীজ করিয়া গাড়ীর মালিকরাং জিম্মা দেছিলাং।

গোয়েন্দা রজত বরণ চৌধুরী গিরকে খালকরের - এক্সিডেন্টে মানু মারেছে গাড়ীর ড্রাইভারগ পুলিশে ধরানির চেষ্টা কিয়াকা না কর্লাতা? দ্বি-দিন পিছে গাড়ীর মালিকগয় নিজে ড্রাইভার, হেন্ডিমেন্ল থানাত আনিয়া ধরুয়াদিল। মানুমারা কেইসহানর এফ্.আই.আর্ হান্ ঘটনার তিন দিনকার দিনে দায়ের করলা। উতাউ মরা রফিক আহমেদর কোন আত্মীয় নাগৈ। সুমস্ত সরকার নাঙর গুবাবাড়ীর মানু আগ। রজত চৌধুরীর চিন্তা কেইস হানর এমূর হৌ-মূর দাব্দের। পুলিশর কাম, মরাগর আত্মীয় কুটুমর নির্বিকার মৌনীভাব, ড্রাইভার, হেন্ডিমেন্র তড়াকরে কেইসহান লৈয়ৈয়া নিকুলানির হংনা, মটর ইন্সিউরেন্স কোম্পানীর উকিলর হয়ভর অঙতা-লাক্তা, রজত চৌধুরী মনে মনে ঠিক না পেইল। তাঁর মনহান মরা রফিক আহমেদ তার আত্মীয়-কুটুম হৌ-ছুমারারকা চিন্তা করের। মরা এগরকা আহির পানী আক্ফোটা বেলাকুরা কুংগৌ নেইতা? মরাগর পক্ষেৎত লড়্বা উকিল আগৌ কিয়া নেয়তা। কুটুম-কাশায় উকিল আগ দিয়া নুয়ারলাতা।

মানু সিং ঃ দাদা। এক্সিডেন্টর ফামহানাৎ তুলেছি গাড়ীহানর ফটোহান না চেইলাং।

রজত বরণ ঃ ও। হাই। কোর্টেন্ত এফ্.আই.আর্। পষ্টমর্টেম রিপোর্ট আই উইটনেসর ষ্টেটমেন্ট, মটর ইন্সিউরেন্স কোম্পানীর সারভে রিপোর্ট, দারোগা বাবুর ইন্ভেষ্টিগোচন্ রিপোর্ট আনিয়া তন্ন করে পাকরানি লাগের। কালি কোর্টে গিয়া চেইতাগ্রাইগা। কেইসহান কালি কোর্টে কাইতৈ।

ঔ তারিখে কোর্টে হাবি আহেছি। যথারীতি পুলিশর প্রসিকিউশন অফিসার সরকারী উকিল, গাড়ীর মালিক ড্রাইভার, হেনডিমেন, ইনসিউরেনসর মানু এজলাস হান বুজেছিহা। তারিনীচরণ ভট্টাচার্য্য জেরার কা উবা এল।

উকিল ঃ দারোগা বাবু। আপনে ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত দিনে চারি বাজিত জয়নগর বাজারে এক্সিডেন্টর ঘটনাহানর সরজমিন তদন্ত হতুমেউ করেছিলাংতা।

দারোগা ঃ করেছিলু।

উকিল ঃ হবাক নিংশিঙ ঐয়া মাতিক। সরজমিন তদন্তহান ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত করেছিলাংতা, না ১২/৪/২০০০ ইংরেজীত সুমন্ত সরকারর এফ.আই.আর হান্ পেইয়া করেছিলাংতা।

দারোগা ঃ না। মি ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত মোহন চন্দ্র দাসর মৌখিক পৌহান্ পেইয়াই ঔদিনেই চারি বাজিত সরজমিন তদন্ত করেছিলু।

উকিল ঃ ম্যাজিষ্ট্রেট সাহেব। দারোগা বাবুর কথা এহান মনদিয়া নোট করিক। দারোগা বাবু একসিডেন্টর দিন ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত ৩টা ৩০ মিনিটে খবর পেয়া ৪ বাজিত তদন্তত গেছিল্গা। দারোগাবাবু, মাতিক আপনে তদন্তে গিয়া, ঘটনার ফামে-পথর গজে রকতর দাগ পাছিলাংতা ?

দারোগা ঃ না।নাউ পাছু।

উকিল ঃ আপনার তদন্তেউ পথে রকতর দাগ, গাড়ীর টায়ারর দাগ পাছি বুলিয়া না মাতেছি, না।

দারোগা ঃ হাই।না মাতেছু।

উকিল ঃ দারোগাবাবু। আপনে যেবাকা তদন্ত করলাংগা উবাকা পথর গজে গাড়ীহানর মুঙর উইশুস্ক্রীন, পিঠির উইশুস্ক্রীন, থিরকীর কাঁচৰ ভাগা টুকারা, ছিড়া আঙি ফুতি, সেণ্ডেল, হাওবাই চপ্পল, লাঠি কিতা কাতা নাপাছিলাং, না। আপনার তদন্ত রিপোর্টে এতাকিতার উল্লেখ নেই, না।

দারোগা ঃ না মি তদন্ত করতে উতা না পাছু, হান্তে রিপোর্ট হানাত উল্লেখ না করেছু।

উকিল ঃ আপনে কোর্টে জমা দেছি আসপাতালর পোষ্ট মরটেম রিপোর্ট হানাত ডাক্তরর রিপোর্ট চেইক। উপেই ইকরেছি

মোঃ রফিক আহমেদ। বাপাক - মৃত মিরজান আলী সেখ। গাঙ - রামপুর, থানা - গুৱাবাড়ী। বয়স - তিনকুড়ি ছয় বছর। লেংড়া। হাইলি ডিহাইড্রেটেড্। প্রলং মাল্ নিউট্রিশন্ এফেক্টেড্ ভাইটেল্ অর্গোন্স্। পালস্-ফিফটি ফাইভ। বি.পি. ৭০ঃ৫০। সেলাইন্ এগু ব্লাড ট্রেনসফিউশন নন্ রিসিপটিভ্। এডমিটেড্ বাই শ্রীমোহন চন্দ্র দাস এগু মোঃ রেজাউল সেখ অন্ ১০/৪/২০০০ এটি্ প্রী-থার্টি পি. এম। এক্সপার্যাড্ এটি্ প্রী-ফর্টি পি. এম। প্রক্সপার্যাড্ এটি্ প্রী-ফর্টি পি. এম। প্রক্সপার্যাড্ এটি্ প্রী-ফর্টি পি. এম।

দারোগা ঃ পোষ্ট মরটেম রিপোর্ট হানাৎ আহিথম গাথিয়া থাইয়া ইম্পানী ঐয়া থাইল। কোন জবাব নাদ্ল।

উকিল ঃ মহামান্য আদালত। এহান নোট করিক। পোষ্ট মরটেম রিপোর্টে নুয়ারাগ তিন্ বাজিয়া দ্বিকৃড়ি পাঁচ মিনিটে মরেছে বুলেছি। বারো কোন জখম বা ব্লিডিংর উল্লেখ নেই। এবাকা দারোগা বাবু, মোরে প্রশ্ন কতহানর জবাব দিক্। সিটিবাস হান্ জয়নগর বাজারে তিন্ বাজিত এক্সিডেন্ট করেছিল্। এক্সিডেন্ট অছিল পথর দ্বিয়ো বারাদে স্থায়ী দোকান মাহি আছে। আছে কি নেই জবাব দিক্ ?

দারোগা ঃ আছে।

উকিল ঃ আপনে ঔ দোকানদার উতার কোন আগর ষ্টেটমেনট না লছি। আপনে ষ্টেটমেন্ট লছি মানু আলাউদ্দিন সেখ, পানীরামদাস, যুগল সিং এতা হাবি জয়নগর বাজারেৎত ৬/৭/৮ মাইল দুরেই থাইতারা বারো রফিক আহমেদর গাঙ্ক রামপুরর কাদাৎ। রফিক আহমেদ, ড্রাইভার মন্টু সরকার, গাড়ীর মালিক আকবর আলী সেখ, মোহন চন্দ্র দাস বারো ব্রেজাউল সেখ হাবিয়েই রামপুরর মানু। আগোরে আগয় হবাক চিনি। মাতিক কি, না ?

দারোগা ঃ হাইহান।

উকিল ঃ আপনে স্থায়ী দোকানদারর ষ্টেটমেনট কিয়াকা না লৈলাং? বাছে বাছে রফিক আহমেদর পরিচিত মানুর ষ্টেটমেন্ট লছি। কিয়াকা ? প্রশ্ন এতার কোন জবাব না দিয়া দারোগা বাবু চুপ মারিয়া থাইল।

উকিল ঃ দারোগা বাবু । আপনে দুর্ঘটনাহানর খবর পানার লগে লগে গাড়ীহান কিয়াকা জব্দ না কর্লাংতা? গাড়ীর ড্রাইভার হেনডিমেনরে কিয়াকা ঔ দিনেই এ্যারেস্ট না করলাংতা? কিয়াকা এফ্.আই.আর্ হান্ ঘটনার দিনিন পিছে ১২/৪/২০০০ ইংরেজীত লৈলাংতা ?

দারোগা ঃ আমি গাড়ীহান, ড্রাইভার বারো হেন্ডিমেন্, গাড়ীর মালিক হাবিরে বিছাড়াছিলাং। জোরদার বিছাড়ানি অছিল্। ১২/৪/২০০০ ইংরেজীত হাবি থানাত আহানিহান কো-ইন্সিডেন্টহান্।

উকিল ঃ মহামান্য আদালতরাং মোর হেইচাহান্। এক্সিডেন্ট করেছে সিটিবাসহানর ড্রাইভার মন্টু সরকাররে মি প্রশ্ন কতহান্ আংকরানি মনাউরী। দারোগাবাবুরে আংকরানির মোর আর দরকার নেই। ম্যাজিস্ট্রেট গিরকে য়াথাং দিলে ড্রাইভার মন্টু সরকার উইট্নেস্ বক্সগত কাইল্গা। উকিলগয় জেরা করের।

উকিল ঃ আপনে কয়বছর ঐল এ বাসএহান চালেয়রতা।

ড্রাইভার ঃ ১০/১১ বছর ঐতৈ।

উকিল ঃ পাব্লিকে মাত্তারা, ড্রাইভারে মদ্ না পিয়া উনা নেই। তেবৌ আংকরুরী - আপনে মদ পিয়ারতা ?

ড্রাইভার ঃ মি মদ-ভাঙ-কিতার নিশা না করুরী। কনাকতৌ মদ-ভাঙ-গাঞ্জা-জুয়া এতার কাদাফৌ অনাউ আল্লি পাউরী। ইমে সময়ে সময়ে চা-বিস্কুট বারো ১৬০ বাবা জর্দ্দা পান আকেইগী খাউরী।

উকিল ঃ জবর হবা অভ্যাসহান্। আপনে দেছরী নিরালহানাত চন্দনর ফোটা পিদেছি। গারগৎ তুলসীর কাঠি পিছেদি। আপনে দৌ-দুক্, বামন-বৈষ্ণব জবর য়্যাকরে থাইবাং। হাদি হাদিৎ নিশ্চয়, কামাখ্যা, নবগ্রহ, বশিষ্ট, মহামায়া যোগমায়ার মন্দির দর্শনে গিয়া থাইবাংগা। আপনে নিশ্চয় মিছা কথা আল্লি পা থাইবাং। ড্রাইভার ঃ মি কাঠিয়া বাবার শিষ্যগ। মি বিয়ান্ত উঠিয়া না হিনেইয়া, দৌ-দুক্ কিতা পূজারহা - না দিয়া আকতাউ নাউ খাউরী বারো কামে না নিকুলুরী। মি হদায় সময় পেইলে কালীঘাট, পুরী, প্রয়াগ, গয়া, কাশী, বৃন্দাবন, হরিদ্বার আদি তীর্থ দর্শনে যাউরীগা।

উকিল ঃ হবা কথা। আপনার বয়স কতি অছেতা ? আপনার ইমা, বাবা, ছৌ-জিপুত কতি কিতা আছিতা ?

ড্রাইভার ঃ ইমা-বাবা ১০/১১ বছর ঐল্ দৌ ঐলা। মুনি ছৌ আগ জেলাছৌ আগ বারো তানুর মালক আছে। এবাকা মোর দ্বি-কুড়ি পনর বছর চলের।

উকিল ঃ আপনে নিশ্চয় জীব-জন্তু, পশু-পক্ষী, লেইরা, আতুর-পিতুর মানু , অনাথ ছৌ-ছুমারা বানা পা থাইবাং। রামপুরে লেংরা আগ আছে উগোরে আপনে আপনার গাড়ীহানলো নিক্কা তার গাঙ মানে আপনার গাঙে আনা নেনা করিয়ার উনি ?

ড্রাইভার ঃ হাইহান্। গাড়ীহান নিক্কাই দ্বি-খুরুম গৌরীপুর-বনগাঁও আনা-যানা করের হান্তে রামপরেৎত মি তারে আনা-নেনা করুরী।

উকিল ঃ এসাদে ধার্ম্মিক, পরোপকারী, ড্রাইভার এবাকার সমাজে অতি কম আছি। আপনে নিশ্চয় আজি পেয়া কোন এক্সিডেন্ট না করে থাইবাং। আপনে বাসহান স্পীডে নাউ চালাথাইবাং।

ড্রাইভার ঃ না, ভগবানে দিয়া আজি পেইয়া কোন অঘটন মোরতা নাছে।
উকিল, তারিণীচরণ ভট্টাচার্য্যই মুকসি মুক্সি দিয়া আহিয়া ম্যাজিষ্ট্রেট গিরকরে তার কথাহানি যেবাকা নোট করাণিরকা মাতল
উবাকা থানার দারোগা বাবু, গাড়ীর মালিক আকবর আলী সেখ বারো 'লিড-লাইফ' ইনসিউরেন্স কোম্পানীর সারভেয়ার কণিকা দাসর মেইখঙ্ড হানি চানির মত অয়ল।
উকিল তারিণীচরণ ভট্টাচার্য্যই ম্যাজিষ্ট্রেটগিরকরাং ইনসিউরেন্স কোম্পানীর সার্ভেয়ার্ কণিকা দাসরে জেরা করাণির য়্যাথাং বিছাডলে, ম্যাজিষ্ট্রেটে য়াথাং দিল।

উকিল ই মিস্ দাস, আপনার ভেহিকল্ সার্ভে রিপোর্টে আপনে মাতেছি - গাড়ীহানর হেড লাইট, উইগুস্ক্রীন, উইগু গ্লাচ, বিডি, বনেট, সীট হাবি হিল উরাণীয়ে বারো দা-বানুকর কাপনিয়ে ডেমেজ অছে। কারবুরেটর, ডিজেল পাম্প, ফেন, বেটারী, রেডিয়েটার, ষ্টিয়ারিং হাবি লাঠির বারিয়ে বারো বানুকর কাপানিয়ে রিপেয়ার নাইতৈ পারা ডেমেজ অছে। মুঠতে গারীহান হংকরতে এবাকা একলাখ পঞ্চাশ হাজার রূপা লাগের। বারো রিফক আহমেদ গাড়ীহানর এক্সিডেন্টে মরানিয়ে রেজাউল আহমেদ মরাগর ভাতিজায় রূপা দ্বি-লাখর ক্রেইম করেছে। ইন্সিউরেন্স কোম্পানীয়ে মোট পাঁচলাখ পঞ্চাশ হাজার রূপা দেনা লাগের। উতাত দশগ প্যাসেঞ্জারর বিশ হাজার করে দ্বিলাখ আছে।

মিস দাস ঃ হাইহান্।

উকিল ঃ এরে ডেমেজড বাসহানর আপনে তুলেছি ফটোহান চেইক্। উইও গ্লাচ, খিরকীর কাচ সীট্ আকতাউ নেই। বনেটহানৌ চেপালা অছে। হেড্লাইটগীয়ৌ নেই। এহান আপনে তুলেছি ফটোহান্। তারিখহানৌ দেছি -১০/৪/২০০০ ইংরাজী। এহান্ হুতুমেহান্?

মিস দাস ঃ হাইহান্।

উকিল ঃ মহামান্য আদালত। ইনসিউরেন্স কোম্পানীর সারভেয়ার মিস কণিকা দাসর কথা হানি নোট করিক। মিস দাস, আপেনে হুন্লাং, দারোগা বাবুয়ে মাতেছে ঘটনাস্থলীত কাচর ভাগা টুকারাহান্ পেয়া না পাছে, গাড়ীহান সহ ড্রাইভার মালিক ১২/৪/২০০০ ইংরেজীত গুৱাবারী থানাত গেছিল্গা। হুন্লাং না. না হুন্লাং ?

মিস দাস ঃ ছন্লু?

উকিল ঃ ম্যাজিষ্ট্রেট মহোদয় মিস দাসর এ 'হুনলু' কথাহান নোট করিক। মহামান্য আদালতর য়াথাং পেইলে আরাক স্বাক্ষী

- আগ মি আদালতে পেশ করানি মনাউরী। ম্যাজিষ্ট্রেটে য়াথাং দিল।
- উকিল ঃ আপনার নাঙ, বাপকর নাঙ, পেশা, ঘরর ঠিকানা আদি বয়স কিতা মাতিক।
- স্বাক্ষী ঃ মোর নাঙ চক্রধর বুজর বরুয়া, পিতা শ্রীচক্রধ্বজ বুজর বরুয়া। পেশা ব্যবসা। ঠিকানা জয়নগর বাজার। থানা - গুৱাবাড়ী। বয়স - আকক্তি তের বছর।
- উকিল ঃ জয়নগর বাজারে আপনার দোকান আছেতা? আপনে ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত কয়টাৎত কয়টা পেয়া দোকানে আছিলাং ?
- স্বাক্ষী ঃ মোর্তা চউল-ডাইল-থৌ ইত্যাদির মুদির দোকানহান্। মি বিয়ান্ সাড়ে আটবাজিত দোকান খুলুরী। সেন্ধা সাড়ে আট, নয় বাজি পেয়া দোকান খুলা থৌরী। ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত মি দোকানেই আছিলু। ঔদিন জয়নগরর হাপ্তার বাজার বার আছিল্।
- উকিল ঃ আপনে জয়নগরে ভিক্ষা করের বুড়া ভিখারী রফিক আহমেদরে চিনিয়ার তা?
- স্বাক্ষী ঃ চিনুরী। তবে নাগুহান্ রফিক আহমেদ না কিতা হার্ না পাছু। বুড়া ভিখারী এগ নিক্কা আক্খুরুম মোর দোকানে ভিক্ষা মাগানীত আহের। জাং আহান্ লেংড়া। নাহানি-নাপীনিয়ে গারীগ চকছিল্। আটানি হিন্পাছিল্। মি তারতা ঐবতা পারাক চউল-ডাইল-নুন্-মক্ছি-থৌ-কিতাকাতা হামেশা দিয়া দৌরী। তা পথর কাদার বট খৌনাং ঝারীর তলে রাধিয়া খেইয়া পিয়া ঘুমজিয়া থার। ১০/৪/২০০০ ইংরেজিত মাদান তিন-সাড়ে তিন বাজিত মোহন চন্দ্র দাস বারো রেজাউল আহমেদে অটো আহানাৎ কাকরিয়া তারে আসপাতালে নেছিলাগা। পিছে আসপাতালে মরিল বুলিয়া ছনেছু।
- উকিল ঃ আপনে রামপুরর রফিক আহমেদরে চিনিয়ারতা। সিটিবাস চি.এচ. ২৫-৮৮৯৯ গাড়ীহান, গাড়ী হানর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখ, ড্রাইভার শ্রীমন্টু সরকার, রামপুরর রেজাউল আহমেদ এতারে চিনিয়ারতা ?
- স্বাক্ষী ঃ হবা করে চিনু। রফিক আহমেদ লেংড়াগ। রামপুরে ঘর। বয়স ৬০/৬৫ বছর ঐতৈ। মোঃ আকবর আলী সেখর ভাতিজাগ। মন্টু সরকার গাড়ীর চালকগ হবা মানুগ। আজি ১০/১১ বছর মোর দোকানেংত রেশন খার।রফিক আহমেদ হদায় মন্টুর গাড়ীত জয়নগরে আনা-যানা করের।উগৌ মোর দোকানেংত রেশন খার্।
- উকিল ঃ মোর লৈয়ৈলগা প্রশ্নহান, চিন্তাভাবনা করিয়া, হুতুমে হাচা উত্তর হান দিবাং। ১০/৪/২০০০ ইংরেজিত বেলুকা ৩ বাজিত মন্টু সরকারর বাসহানার ধাক্কাত এ রফিক আহমেদ জখম ঐয়া তারে মোহন চন্দ্র দাস বারো রেজাউল আহমেদে অটো রিক্সাত তুলিয়া আসপাতালে নেছিল গাতা।
- স্বাক্ষী ঃ এপেই ঔদিন কোন মটর এক্সিডেন্ট্ নাছে। বারো আজি পেইয়াউ কোন এক্সিডেন্ট্ নাছে। আগেই মাতলু নাই, জয়নগর বাজারে থার বুড়া ভিখারী আগরে তানু দ্বিয়োগীয়ে তিন বাজিত অটো রিক্সাহান্ল নয়গাঁও সিভিল আসপাতালে নেছিলাগা। ভিখারী উগ ঔদিন সিভিল আসপাতালে মরেছিল বুল্লা। উকিল তারিণীচরণ ভট্টাচার্য্যই মহামান্য আদালতরে মাতল 'মোরতা লমৈল স্বাক্ষীগ, প্রাইভেট ডিটেকটিভ রজত বরণ চৌধুরীরে জেরা করাণি মনাউরী।
- আদালত ঃ করে পারিয়ার।
- রজত বরণ ঃ মহামান্য আদালত। মোরতা মিয়াম কথা নেই। মি এহানেই আদালতরাং মাতানি মনাউরী যে জয়নগর বাজারর লেংড়া, বুড়া, লাওয়ারিশ মরা রফিক আহমেদ বুলিল্ আগরে রামপুরর রফিক আহমেদ মটর দুর্ঘটনাত মরেছে প্রমাণ করিয়া ইনসিউরেনস্ কোম্পানীর রূপার বৌ-বরণ আহান্ আনিয়া গুয়াবাড়ী থানার দারোগা কমল মহন্ত, লিড্-লাইফ্ মটর ইন্সিউরেন্স কোম্পানীর সার্ভেয়ার মিস কণিকা দাস, গাড়ীর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখ, গাড়ীর ড্রাইভার মন্টু সরকার, রামপুরর মোহন চন্দ্র দাস, রেজাউল আহমেদ গাছিয়ে রূপার বরণে হিনানী মনেইয়া এ কাল্পনিক মটর দুর্ঘটনাহান হাজাছিতা।
 - গাড়ীহানর মালিক মোঃ আকবর আলী সেখে নিজে ড্রাইভার মন্টু সরকাররে এ্যারেস্ট অনারকা রূপা

আককুড়ি লিশিং দেছে। মি তদন্ত করেছু, ঔদিন গাড়ীহান্ আকবর আলীর পুতক মিরজান আলীসেখে চালাছিল্। বারো কোন এক্সিডেন্ট্ নাছে।

- মহামান্য আদালত। জয়নগর বাজারর বুড়া ভিখারীগ ১০/৪/২০০০ ইংরেজীত নয়গাঁও সিভিল্ আসপাতালে চিকিৎসার কা ভর্ত্তি ঐয়া ঔদিনেই মরেছিল্, উহান্ হাচা হান্। কিন্তু ঔ বুড়াঔগ রামপুরর লেংড়া বুড়া রফিক আহমেদ নাগৈ। বুড়া ভিখারীগর আগে পিছে কুংগৌ নেইহান্ দেহিয়া রামপুরর লেংড়া বুড়া রফিক আহমেদরে ঔ মরাগ সাব্যস্ত করানির্ অপচেষ্টা করেছি। রামপুরর। বুড়া রফিক আহমেদরে আকবর আলীয়ে গৌরীপুরে তার ঘরে লুকেইয়া থছে। সিটিবাসহান্ এক্সিডেন্ট্ নাইয়াউ এক্সিডেন্ট্ অছে দেহয়ানির কা কণিকা দাসে ভাগাগাড়ীর ফটোহান গৌরীপুরে আকবর আলীর ঘরে, উইও স্ক্রীণ, সীট, হাবিতা খুলিয়া বেলেইয়া তুলুয়াছে হান।

মোহন চন্দ্র দাসে, রফিক আহমেদ হাসপাতলে মরানিয়ে ডর পাছিল। তা রফিক আহমেদ মরার কা দায়ী ঐতে পারে। ঐলে পুলিশে তারে ধরতায়। তা ডেথ্ সার্টিফিকেট্হান্লো উহানর্কা গুরাবাড়ী থানার ও.সি, গরাং মরার পৌহান্ দেনাং গেছিল্গাতা। কমল মহন্ত, সাব ইন্সপেক্টার সুযোগ এহান কামে লাগেইল। লগে গাড়ীর মালিক আকবর আলী সেখ, ড্রাইভার মন্টু সরকার, ইনসিউরেন্সর সার্ভেয়ার্ কণিকা দাস, ইনসিউরেন্সর উকিল তপন দাস, ইন্ফরমার মোহন চন্দ্র দাস হাবিয়ে তিলৈয়া মটর একসিডেন্টে রফিক আহমেদ মরেছে সাব্যস্ত করিয়া ইন্সিউরেন্স কোম্পানীর সাড়ে পাঁচ লাখ রূপা বাটিয়া খানাং উবা অছিতা।

উকিল তারিণীচরণ ভট্টাচার্য্য গিরকরে মোর তদন্ত বারো অনুসন্ধানর খুটি নাটি হাবি মি বাগাছিলু যেতা জেরাত পরিস্কার এয়া নিকুলিল্। উকিল বাবুরে ধন্যবাদ। পোষ্ট মরটেম্ রিপোর্টে মানুগ নুয়ারা এয়া মরেছে বুলেছি। এক্সিডেন্টে জখমর কোন রিপোর্ট নেই। নুয়ারাগ মরেছেতাই তিন্ বাজি চল্লিশ্ মিনিটে। পুলিশে মরার খবর পাছিতাই তিন্ বাজি তিরিশ মিনিটে। মরার দশ মিনিট আগে। জয়নগর বাজারর স্থায়ী দোকানদার চক্রধর বুজর বরুয়ায় ১০/৪/২০০০ ইংরেজীংত আজি পেইয়া উপেই কোন এস্সিডেন্ট নাছে বুলেছে। ড্রাইভার মনটু সরকারে ঔদিন গাড়ীহানেই না চালাছু বুলেছে। বারো ঔদিন নাগৈ আজি পেইয়া গাড়ীহানে মানু নাগৈ, পশু আগৌ না মারেছে বুলেছে। ভাগ্যবতী সিটিবাসহান্ অভিশপ্ত নাগৈ। অভিশপ্ত এ কু-চক্রী মানু এতা-যেতায় অভিশপ্ত করানিৎ থেছছি।

মহামান্য আদালতে মনেইলে মিছা মামলা হাজানির অপরাধে মানু এতার বিরুদ্ধে পাল্টা কেচ রুজু করানি পারিয়ার।

(এ য়ারী এহান সম্পূর্ণ কাল্পনিক। স্থান, কাল, পাত্র হাবি কাল্পনিক। এ য়ারীর কোন কথা কোন চরিত্র কোন নাং যদি কোন ব্যক্তি বিশেষ, কোন পদফাম, কোন পদফামর অধিকারী, কোন বিভাগ বা কোন বিভাগর কর্ম্মচারী বা মানুর তুলো তিলর ঔহান আকস্মিক, অনিচ্ছাকৃত বারো কো-ইনসিডেন্ট। এহানাং লেখকর কারেউ, কোন বিভাগরেউ, কোন পদফামরেউ, কোন পদফামর অধিকারীরেউ হেয় প্রতিপন্ন করাণির কোন প্রকার বিন্দু বিসর্গর অপচেষ্টা নেই। এহান শুধুমাত্র সাহিত্যর খাতিরে কল্পিত। সত্যর তুলো এ য়ারীর কোন সম্বন্ধ নেই।

- লেখক)





কাজিরাঙ্গাত দ্বিদিন

মণীন্দ্র কুমার

ওঁ গণেশায় নমঃ, ওঁ গণেশায় নমঃ, ওঁ গণেশায় নমঃ'। জোড় আত করিয়া নিংশা না বেলেইয়া জপ্ করিয়াই চলেছু। মহীন্দ্র জীপহানর ইঞ্জিনর দ্রুতলয়েত্টো মোর নাঙ জপহান দ্রুততর অছে। কুনোবারাদে মন নেই। একমন মাত্তারা উহান। কিয়াউবা একমন নাইত। মুঙে জীয়ন্ত মরণ। ছালি রংর চিক্চিক্ করের পর্ববত-ডাঙড় দাঁতাল বনুয়া আন্তিগ। পথ আগুলিয়া উবা এয়া আছে। লড়ন-চরণ নেই। না লড়ের মাহি মোর জপানি আরাকৌ হুড়া অর। হাদি তন-মন এক বুলতারা উহান উবাকা হারপাউরী। পঞ্চ-প্রাণ কণ্ঠাগত। কিহান ঐতৈ, কিহান নাইতৈ। দরবিগলিত যাম ছুটেছে। চিচ্নুপা এলু। লহি-মাঙনি, আকসাটে আহেছে। কপাল টেকারাত লাগেছু। কিয়াকা মরাণিত ক্ষাইলুকা। গণেশ বারায় কিছান করতে। 'একপদম্ন গছোমি' বুলিয়া উবা এয়া আছে।

বিনয় পানিকাই। ড্রাইভারগ । মাতলু ইঞ্জিন বন্ধ না করি।
তাপপ্ তাপপ্ পিঠিয়েদে আলৈক। পিঠিয়েদে চেয়া মাতেব, 'সার
পিছনে গুনা মহ'। অর্থাঙ্গ পিঠিত বনুয়া পালর গদা মৈবগ। সেইক্ষাৎ
যমরাজ। বলী, পাংকাল, গদ-গদ- করের। কল্ঠা, চহা, দ্বিহাত
দীঘল শিলপাটপারা লোহার হিং জোড়। করিগী পারা আহিগীলো
চেইরা আছে। দেহানিয়ে আকসাটে প্রাণবায়ু নিকুলিয়া গেল্গা।
ওঁ যমায় নমঃ বুলতু না ওঁ প্রশোষ নমঃ বুলতু। জীপহান বুলয়ানিয়
ফাম নেই। মরার ডেকি ঝুম্ মারিয়া পাইলু। জীয়তে মরণ কিহান
হারপেইলু। এসাদেউ কি মরণ আটিয়া আহের তা-ক। মোরে
জীয়তে নেনার কা মুঙে আতি, পিঠিত মৈব।

স্যার, কি করব' শোনিকাইর মরণর পর পারেও ভাহিয়া আহের নারগ। হেইরাপ ছনৌরী পারা। 'চোখ বুজে মরণকে ডাক। নয়, শ্রীমধুসুদনকে ডাক। তা-ছাড়া করবি কি?' হতাশ, বিহবল মৃত্যুপথগামী পানিকাইরে কিহান্তে ভরশা দিতু। দিনে-মাদানে, বেলী ২ টা ৩০ মিনিটে এসাদে মরণহান আহিতে কুংগয়ৌ নামাতে দেছিলা। কুষ্ঠীহান, ইকরেছে নবদ্বীপ পণ্ডিতরে নিংশিং ঐলু। গেল্গা মাহাত কুষ্ঠিহান চেইল গ। চতুর্থে বৃহষ্পতির সঞ্চার, লগ্নে বুধ-শুক্র, পঞ্চমে শনি, দ্বাদশেরাছ-মঙ্গল। 'ফারা দশাতে নেই'বুল্লগ। তে, এহান্তে কি হান। এবাকা পণ্ডিত মশায়রে গালেইয়া কিহান কানা। যমরাজারে ডাহিথ়াউ কিতা করতু। বরং সর্ব্ব বিঘ্নি বিনাশায় সর্ব্বসিদ্ধিদাতা গণেশরেই ডাহিং। যেতাউ করক। বার পঞ্চপ্রাণ

তিল করিয়া একাগ্রচিত্তে জপানি অকরলু। 'ও গণেশায় নমঃ, ওঁ গণেশায় নমঃ।' পনিকাইরেউ মাতলু জপ্। আহিথম তায় তায় জিপিল।নারগ নেয়ৈল।জপহান মনহানায় করের কি না করের ভূ নেই।

খাংতা পানিকাইর নারগ হুনলু। 'স্যার, সামনের হাতি সরেগেছে। পিছনের মোষটাউ নেই।' ছিয়াউকরে পঞ্চপ্রাণ হমেইল পারা। মুরগত্ত গারীগ পাহিয়া জংহান পেয়া স্লায়ু মণ্ডলী হজাগ ঐয়া হাপ্দে আহের হারপাউরী। মরাদেহাগ জিংতা ঐল পারা। তড়িংবং পানীকাইরে গাড়ীহার চালা বুল্লু। ঔ মৃহর্তে জপ্তপ্ পাহরলু। ফার্লং আহান দুখান আহানির পিছে বারো নিংশিং ঐলু। বার 'ও গণেশায় নমঃ' বুলিয়া নিংশা বেলেইয়া গণেশরে নিংশিং ঐয়া হয়া দিলু। এবাকা খালকরুরী, মনুষ্টিমি কতিয়োঁ নিমক হারাম, স্বার্থপর আত্তিগ গোলগা লগে লগে গাণেশ বারা পাহরেয়া জিংতা অনার ছালে ধাব্দিলু। জিংতা অনির মৃহর্ত্ত উহানাৎ পাহরেছিলুতা। তোমারতা কিহান মনে অরং

এহান কার্জিরাঙ্গাত মোর পয়লাকার দিন, প্রথম জান্তব সম্বর্ধনা। গেলগা হাস্তাত বদলীর অর্ডার পেইয়া আজি কাজিরাঙ্গা দেশনের পার্কর চার্জ দেনাত আহেছুগ। চার্জ নানেছুগা। চার্জ দেনার আলে কাজিরঙ্গা অন্তয়ারণ্য চানাত গেছিলুগাতা। কিতা চার্জলৈতু, চেইং বুলিয়া। One horn Rhino, Rhnocerus Indicus, পৃথিবীর একমার হিং আক্রমন্তয়ালা গণ্ডারর আবাস ভূমি। তারো পৃথিবী বিখ্যাত। Eastern Assam Wild Life, Division, হেড কোয়ার্টার বোকাখাট। গৌহাটীত্ত পূবে ২৪০ কিলোমিটার দুরেই। যোড়হাটেত্ত পশ্চিমে ৬৪ কিলোমিটার। নেশনেল হাইওয়ে NH-37 র গজে।মি, ঔ বন-সংমণ্ডলর প্রাধিকারী অর্থাৎ D.F.O. অনাত গেছুগাগ।

কোহরার ফরেন্ট ইন্সপেকশন বাংলাগোত রাতিহান ভরা না ঘুমজিয়া আকহান প্রশ্নর মীমাংসাত থেঙছু। চার্জ্জ লৈতু না বদলির অর্ডার পালটেইতু। দিনর মরণর কুগত্ত নিস্তার। আতি, মৈষর সম্ভাষণ, সম্বর্ধনা। খালকরলেই প্রাণবায়ু নিকুলিং নিকুলিং করের। আত জাং কল্ঠাঐয়া পেটে হমার। অন্যবেদে মনর অহঙ্কার, মি ফরেন্ট অফিসার। আসাম ফরেন্টর হাবিত্ত সাহসী, কর্ম্মোদ্যোমী, কর্তব্য পরায়ণ, একনিষ্ঠ, কর্ম্মী বুলিয়া মাততারা এগ। সরকারে, গজরতায় Poacher র আতেত্ত গণ্ডার জিংতা করাণিত দিয়া পেঠাছিগ, মি।' অমীমাংসীত প্রশ্নলো সদোত্তর নাপেইয়া বিয়ান ফুইতে ঘুমজিলু। কুমতি-সুমতি কারৌ জয়-পরাজয় নেই।

বিয়ানে Breakfast টেবিলে অহংকার, মদমন্ততার, কর্তব্যনিষ্ঠার জয় ঐল।কাজিরাঙ্গা অভয়ারণ্যর চার্জ্জ লৈতৌ ঠিক করলু।মিয়েই যদি ডরহানে বেলাদিয়া ধাবদেউরী, তলর কর্মাচারীতে আকগৌ থানা না করতাই।ওঁ গণেশায় নমঃ জপ্তে আন্তিগ বার মেষগ পথ এড়াদিয়া গেলাগা, এ প্রেরণায় গণেশ বাবার ভরশায় চার্জ লৈল।

কাজিরাঙ্গার আকবছর আধা দিনহানি নিত্যনতুন স্মৃতি বিজড়িত।আরাক আকহান ঘটনালো কাজিরাঙ্গার দিনহানির য়ারী বাট্টি করিং।সময়পেইলে, হাবি ঘটনা বর্ণনা করতৌ।

অন্তগ্রহ তিলছে দিনহান। বেলী সাড়ে চারি বাজিত দিনহান আঁধার ঐল। পাহিয়া পল্লেই গাছে বিরুখে, নিজর নিজর যমে চিরৌ চিরৌ রাহিয়া উঠলা। সেন্ধা সেন্ধাত যমে হমেইয়া পাহিয়া পল্লী এসাদে রহিতারা। অন্তগ্রহয় অন্ধারে সেন্ধা করল এহান তানু হারপানীর কথা নাগৈ। এহানৌ হারপানীর কথা নাগৈ ঘণ্টা আহান পিছে বার পহর ঐতে। মনুষ্য, আমি ঘড়ি-ঘণ্টালো হার পেইয়ার পাহিয়া পলেইয়ে বেলীলো হার পেইতারা। এহানতে স্র্যান্তর আগে অর্জুনর জয়দ্রথরে মারানির প্রতিজ্ঞাহান জিংতা করানিরকা অকালে শ্রীকৃষ্ণয় সুদর্শন চক্রগলো বেলীহান শুড়িয়া সেন্ধা করানিহান পারা। মিয়ো দিনহান বাংলাগোত হমেয়া আছু।গ্রহণ চানা গমনেই বুলিয়া।

রাতিকার আঁট বাজিত যান আগ কালা আচালা আহান্লো মুরগাড় গুড়িয়া বাংলাগোত হমেইলহা। কলিং বেলগ বাজলে মিয়েই দুয়ার খুললু। চিন্লু। ইনফরামরগ। বাংলার অফিস কোঠাগত বহিলাংগা। তার ইনফরমেশন লৈলু....।' বহীখোয়া গাঙড়। রাতি পানবারীত.... ঘরে শ্বাইতে। লগে ৩/৪ গ মানু থাইতায়। ডুয়ারগত্ত রূপা ৫০ হান নিকালেইয়া ইনফরমারগরে তার ইনফরমেশনর ফীজহানি দিয়া বিদায় কৈলু।

শ্রীবাসরে, মোর অর্ডারলী, তড়াকরে রাতিকার ডিনার দেনারকা মাতিয়া, বেডরুমে গেলুগা। সেফগন্ত 'ওয়েবলী স্কট' পিস্তলগা নিকালুলু। ম্যাগজিনগত বুলেট বুজিয়া লোড্ করলু। আরাক ম্যাগজিন আগৌ লোড্ করলু। Godrej গোন্ত .303 rifle আগৌ নিকাল্প। একস্ট্রা ম্যাগজিন আগৌ লোড্ করিয়া খৈলু। রাতি নয় বাজিত wireless সেট্হান খুলিয়া বৈলু। ডাকলু-

'Rhino, Rhino, Elephant Calling, over. কোহরার মেসেজ আহিল। ইনস্ট্রাকশন দিলু। 'Stand at panbari Beat, 12-30 A.M. Sharp. Two Jeeps, five men each with arms, secret. Raiding Poacher, over and out' বুলিয়া Wireless সেট বন্ধ করে দিলু।

ঘুমজিতেগা শোভারে মাতলু -

- মোরে সাড়ে এগারোটাত হজাগ করে দিছ্। শোভা, মানে মোর গৃহিনী। আঙকরিরী -
- -আজি রাতি বার কুরাং ছালৈলেতা।রাতি তি না গেলেগা নারতা। নিক্কা নিক্কা রাতি যারগা। মোরতা ডরহানে ঘুম নার। রেঞ্জার উতারে দা পেঠেইলে না করের।

শোভার অনুযোগ ভিত্তিহীন নাগৈ। ঘরে আলৈয়া নাহেছু পেয়া ঘুমঝে নুয়ারতৈ। নানা চিন্তা ভাবনা-বেশীর ভাগ হবা নেইতালো খালকরিয়া না ঘুমজিয়া থাইরী। ঘরে আলৈয়া আইলে পিছেদে আহি জিপেইরী। বাংলাগোত Security Guard থাইলেউ মেম্পাহের হারিরতাউ এসাদে অর। Army, Police, Forests এসাদেইজীবন। মোর জীবনে আহে পড়লীগা হান্তে ভাগ্যহান মানানিত পঢ়লী। মি তেইরকা হীন পাউরী। Forest Officer র গৃহিনী পারতে নানায় মঙ্গল।

শোভায়হারপাছে, পানবারী রিজার্ক্ত গণ্ডার দুগ আহেছি।
আজি ৫ মাহা অছে। কাজিরাঙ্গা পার্কেক্ত আহিয়া স্ট্রেণ্ডেড্ অছি।
আমারতা Patroling এ য়িতারাগা। তেইরেল মিয়ৌ দ্বি তিন
দিন গেছিলুগা। পানবারী বুলতে আন্তির য়ারী আহান মনে পঢ়িল
বিছাড়া বিছাড়া প্রতিহিংসা মিটেইয়া কিসাদে মানুগ মারের উহানর
চমৎকার বিস্ময়কর য়ারী আহান। থাক আরাক আকদিন দিতৌ।
শোভারে কুরাং রিতৌগা বাজেইলু।

- উহানতে তি মোসেজ পাসকরতে হুনিয়া হার পেইলু। রাজেনে-পুলিশে তিলিয়া যাকাগা বেনাই। এমাটিক রাতিহান তি নাউ যিগা। উতারগজে আজি অস্টগ্রহ তিলছে দিন হান।' শোভার যারৌ।
- কিন্তাউ নেইহে। পথরগজে ঘরগ। জীপগাড়ী ঘরগর মুঙহানাত উবা ঐতৈগা। আজি যিংগা। এহান অতি ইমর্পটেণ্ট রেইড্ হান। এগরে আজি পেয়াউ ধরে নুয়ারেছিগ। Wireless Set হান খুলিয়া থৈছ।' য়ারৌহান পাতৃল করানি মনেইলু।

আর না টটরেইয়া ঘুমজিলি। মিয়ৌ আহি রিপেইয়া পডিয়া থাইলু। রাতি সাড়ে এগারটাত উঠুলু। ফুল স্লীভ খাকী সফরীহান পিদলু। হান্টিং বুটজোড় লাগেইলু। পাঁচ বেটারী টর্চ্চ আগ লৈলু। ওরেবলি স্কট কাকালীত বেল্টে টিপলু। .303 গ লেম্পালে সিলিং বরেইলু। দ্বিয়োহানৌ আনকক্ করলু। পানিকাই জীপহান নিকালেইয়াই রেডী করিয়া থচ্ছিল।কুরাং যানা না বাগাচ্ছিলু। Guard আগ বেক্সীটে বহেইলু। Secret mission ড্রাইভার কিতারেনা বাগেইয়ার।

ঠিক সাড়ে বার টাত গাড়ীহান পানবারী বীট অফিসর পিঠিত উবা ঐল্গা। বীট অফিসে হমেইতেই হেড লাইট অফ করলাং।রাজেন জীপগাড়ী দুহান্লো আহেছে। পাঁচগ করে দশগ মানু আহেছি। রাজেনর হাতে রিভলভার আগ। পাঁচগর আতে .303, অন্যাগীর আতে টচ্চ বার লাঠি।

১২-৪৫ মিনিটে ছালৈলাং। পানবারীর ঔ ঘরগ পেইয়া জীপে ১৫ মিনিট লাগতৈ। আমি ১২-৫০ মি. পেইয়া জীপে গেলাংগা। পিছেদে আটিয়া যানা ঠিক করলাং। আমার firing আওয়াজ পেইলে তিনহান জীপ আকসাটে ঘরগত যানারকা নির্দেশ দিয়া আটানি অকরলাং।

১ বাজি ৫ মিনিটে ঘরগর মুঙে ফৌয়েলাং। রাজেন, মি. মোর গার্ড মুঙর দোয়ারহানর কাদাং থাইলাং। চাংঘরগ । গতে না কাইলাং। শব্দ করতৈ বুলিয়া। বাকী উগী য়রর তিন বারাদে থাইলাগা। ঘরর ভিতরে লেন্টন্স্মাণ ডিম করিয়া থছি।

- রাজেনে.... মাঙ্**লো** ডার্কলো। দুরূপ দুরূপ করিয়া মানু তিন চারিগ উঠানির শব্দ হন লাগু। চাংঘরগ। রাজেন মি বার মোর গার্ড গ, আকফালে দোয়ারহানাত উবা ঐলাংগা।লগে লগে পিঠির হাবিয়ৌ কায়া আইলা। দোয়ারহান আচুলিয়াই পাঁচ বেটারী তিন চারিগর লাইট ভিতরে বেল্লা। চারিগট্রচর্চ মেইথঙে গান্দিয়া থৈলা। ফামহানর কাদার দুগ বন্দুক গার্ড দুগয় আকফালে আতে লৈলাগা। মোর পিস্তলগ, রাজেনর রিভলবারগ - দুগরে নিশানা করিয়া থৈলাং। গার্ড দুগয়, ফরেষ্টার দুগুয় আতহানি পিঠিয়েদে করুয়েইয়া দরিল বাঁধে বেলুলা। মানুগী মুগদা-মুগদী করানির হের না পেইলা। আগরে মি চিন্নু। আমার অফিসর মিরি টাইপিষ্ট আগর হৌরক।রাজেনে বাকী দ্বিয়োগীরে চিনুল।প'চার তিনগীয়ে আগরে আগয় মিরি ঠারল গালানি অকরলা।মি দোয়াত আইয়া গুলি আগ ফারার করলু। মিনিট ৩/৪ র ভিতরে জীপ তিনহানি আইয়া উবায়েল। তিনগীরে জীপ আহানাত কাকরিয়া গার্ড চারিগ পিঠিত, মুঙে ফরেস্টার দুগ রাজেনে ড্রাইভ করিয়া গাড়ীহান লৈল। আমি আমার নিজর নিজর গাড়ীত কাইয়া রাজেনরে বকুগত দিয়া সিধা কোহরা রেঞ্জ অফিসে গেলাংগা। অফিসর লগে atached lock up Room গত তিনগীরে বরেইয়া গার্ড থদিয়া কাদার ইনসপেকশন বাংলাগোত বৈলাংগা। ফরেস্টার আগরে D.F.O. বাংলাত মেমসাহেবেরে wireless এ o.k. message pass

করে দেনারকা অর্ডার দিলু। ঘণ্টা হানর ভিতরে রাতিকার দ্বি বাজি দিনকার দশ বাজি ঐল। রেঞ্জর ষ্টাফ, অফিস ষ্টাফ, আতির মাহুত, যেগো যেপেই আছিলা আহিলা। লাইটর মিঙালে ইঙাল ঙালৈল।

ধরেছি তিনগীর আগ কাজিরাঙ্গার গণ্ডা মারাণির হাবির গজর দুর্দ্ধর্য poacher।নাঙ। মিরি। ধলা। বাটুকা। গদ গদ করের। খুমাখুমা হাত জাং। উদালা গারী। দেহার গঠন অতি মনোরম। দেখলেই পাংকালপাগ হারপেইয়ার। বয়স ৪৫/৫০ ঐতে। আগ বুড়াগ দীঘালা। চক। চুল দাড়ি মুচ ধলা অছে। আগ ২০/২২ ঐতে। নুয়ারা চেল্পা। রাতি তিন বাজিত্ত জেরা অকরলাং। মিতে মারিয়া বেলা দেনা মনাছিলু। পুলিশে বা কোর্টে দিলে বার জামিনে আহিতে বা কতমাহা জেল খাটিয়া বার আহিতে। বার গণ্ডার মারতে। আজি পেইয়া ক্রিলাঙ্গাত এগয় একশগর গজে গণ্ডার মারেছে গ। কোহরা পুরিশ স্তেশনর ও. সি. গয় পথে দেহিয়া মুক্ছি দেছে বুলল। কামহান হারপাকুরা মানুথা পরতাইগা। পিছেদে ঝামেলা ক্রাপ্টিতে ই

- তোর নাঙ কিহান। লগ্নর দ্বিয়োগীর কি কি নাঙ। তানুর তুলো তোর কিহান সম্পর্ক।
- -,..... মিরি। বুড়া উগ মোর হৌরক। স্থৌ ঔগ মোর হালাক।
- আজি পেইয়া তি ক্ষণা গ**ণ্ডার** মারেছৎ তা।
- ১০৮ গর গজে এল। অষ্টপ্রহর দিনে পানবারী কেম্পগর কাদত আজি আগ মারেছ।
- -মি দেহেছু। কেম্পগর এমাটীক কাদাত কিসাদে মারলে। কেম্পর মানুগী কোরাং আছিলা।
- 'নেয়ছিলা। **অন্তথ্যহ বুলিয়া ম**রে গিয়া থাইবাগা'।
- 'তি হিং কারাং রেছর' ং জবা না দের।
- 'হিং আকেইনি বেছলে কতি পার ?'
- দশ হাজার, পঁটিশহাজার, কোন সময় পঞ্চাশহাজার। উতার গজে নাদ তারা।
- পেলিকান কেম্পর এরিয়াগত গাত হংকরিয়া গণ্ডার মারিয়া গাতগত মুর নেই লাশ আগ বেলাছিলা।উহান কুংগয় করেছেতা?
- মি । উগর জেলাগরে ছৌ-ছুমারা বার তেইরকা মাহে মাহে খোরাকীর ধন দেউরী।
- কিয়াকা মুরগ তুপ করেছিলেতা ?
- আমার লগর মানুগ। পয়সা মিয়াম মাগের। কমদিলে পুলিশে-ফরেস্টে ধরোয়া দেনার ডর দেহার। ঔগগুরগ মারাত জিতেগা রূপা আককুড়ি লিশিং ডিমাণ্ড করেছিল। গগুরগ মারিয়া তারে

গাতগত লামিয়া হিংগ কাপিয়া আনানিরকা লামাছিলু। হিংগ কাপিয়া দিয়া তারে কাকরাণিরকা মাতেছিল। তারে না তুললু। মুরগ তুপ্ করিয়া নিয়া মৈলকরে দেছয়াছিলু। মৈলকরে আজীবন মাহে মাহে খোরাকী-পোষাকী ধন দিতৌ বুলেছিলু। এবাকা পেয়া দিয়া যাউরীগা।

আকতাউ গোপন না করের। বার স্বচ্ছন্দে মাতের। কোন প্রকাব লাজ-ডর-ভয় নেই।আচরিত লাগের।আঙ করলু-- তি যে গণ্ডার মারর, জীব-জস্তু, আন্তি, ভালুক, মৈষ, অজাগড়, ডর নাপারতা।আমার পাহারদার ডর নাপারতা।পাহারদারে তোরে জঙ্গলে পেইলে যে গুলি করিয়া মারতাই।

- না। আমি হদায় তিন-চারিগ থাইয়ার। আমার হংকরা গুলি আকেইগীয়ে বাঘ, ভালুক, আন্তি, গণ্ডার, আকেইগী মারে পারের। পাহারাদারতে পথে পথেদে, লাইনে লাইনে আটতারা। বার তড়া তড়া করে আটতারা। বারাদে পাং না চেইতারা। আমি জঙ্গলে লুকেইয়া তানুরে দেহিয়ার।
- তুমি তানুরে দেহিয়া গুলিনা চাঙ্গারায়তা কিয়াকা?
- তানুর ডিউটী তানু করকারা। তানুরকাউ ছৌ-ছুমারা আছি। পালক্রে নাই। বারো আমারে আজি পেয়া জঙ্গলে নাউ পাছি বারো আমারে গুলি না করেছি। আশ্লানে আগ্লানে কর্ম্মচারী মারিয়া কিহান কানা।
- তি আজি পেয়া ধ**রা না পরেছত তা** ?
- আকখুরুম পড়েছিক্স্বাহিং বেছতে সক্রৈদ করিয়া আসামী দেছিলা। প্রমাণ নেয়নিয়ে ছাড়া পাছিলু।
- আমি এরা দিলে বার গণ্ডার মারতেইভা 🔋
- খাল করতৌ। লগর এতা**য় গণ্ডার মারানিরকা মাততারা হান্তে** মারুরীতা।
- আজি মারলে গণ্ডার এগর হিংগ বেছলেতা 🔉
- **ના**
- কুরাংতে আছে?

না বাগার। রেঞ্জার, ফরেষ্টার তানুরে জবাব হান লনার কা লাগা দিয়া মি আই বি গত গেলুগা। ঔবাকা বিয়ান ৫টা বাজেছিল। কত জেরা করিয়াউ না বাগার হান্তে থার্ডডিগ্রী জেরা অকরেছি। চা-কাপ আহান পিয়া বার গেলুগা। থার্ডডিগ্রী জেরা উহান দেহে পারিলতা নাগৈ। কিন্তু উপায়ৌ নেই, কোন জবাব না দের থাংতে।

হিংগ কুরাং আছে উহান না বাগেইল। হিং কুরাং বেছের, কারাং বেছের, আকতারৌ জবাব না দের। থার্ডডিগ্রী লালকরিয়া নির্য্যাতন অকরলা। মেক্মুক আহান না করের। গারীগ কতিয়ৌ দরা অগেছেগাতা। মনহান কতিয়ৌ বুঝাছেতা। প্রায় ঘণ্টা আহান। হাবিগি গেলাগা। মি আঙকরলু —

- তি কিয়াকা না বাগারতা। বাগেইলে তোরে এরাদিতৌ। থক্ক বাগা। তোরে নাউ জেরা করতাই।

কানা নাইল।ঝুম মারিয়া বোবাগ ঐয়া থাইল।মাতলু—
- যদি না বাগার এতায় এবাকা তোরে গারীগত নুন-মরকচি লাগা
দিতাই।ঔতাত্ত রেহাই পেইবেতা মোরে বাগা।বার মোরে বাগেইলে
তোরে মি চাকুরী আহান দিতৌ।জনমহান নুঙ্গেই করে কাটবে
তা।

মোরে পিট্ পিট্ চার।নাতে বাগার।মি বার আংকরলু— - মোরে বিশ্বাস নারতা।

- অর। তি যেহান মাতর উহান করর। তিয়েই মোরে ধরলে। গেলগা তিরিশ বছরে মোরে আকগয়ৌ ধরে নুয়ারেছি।
- তোরে চেইতে এমাটিক হবা লাগের। তোর কচু, দেহাগ, আহির মিত্তা, চুল কতি হবা। চেইল মার্হি পেল্ নার। এমাটিক হবা মানু এল কিয়াকা গণ্ডার মারিষা হিন্ন পারতা। কতি হিন্ন পেইলেতা চা। এ কাম এহান এড়া স্লো?

কোন জবাৰ নেই। বার আংকরলু।

- স্বায়দে গণ্ডারর কথানা মাতলে।বহিখোয়াত শাহজাহান আক্তার দাঁত আগ কংগয় কাঁপিয়া নিলাগাতা ৫
- মি নাগৈ। মানুগ হারপাছু। নাগুহান না মাতৌ।
- দাঁতগ মি নিকাল্কু। পেইলু। এহানতে হারপেইলেতা হারপাছু। ও দিন মি হোটেল উগোত বৈয়া আছিলু।
- তোরে চিন্লে মি উদিনেই তোরে তুলিয়া আনলু ঐছ। হায়দে মাত। জিংতা আফ্রিয়র দাঁতুগ কিসাদে কাপলাতা।
- রাতি আন্তিগ্রে লাউপানী পিউয়েইলা। বেহুশ করলা। আন্তিগ মাটীহানাত প্রতিয়া থাইল। হেকুসহানলো দাঁতগ কাপলা।
- দাঁত আগ নিলাগা। হেরে উগ কিয়াকা না কাপলা। মোর প্রশ্ন।
- দাঁত আকগর অর্ডার আছিল। তা উত্তর দিল।
- ও! গণ্ডারৌ উতা ঐলে অর্ডার পেইলে মাররতা। আগে মারিয়া হিং নিয়া না থরায়তা। - না । মি না থৌরী। আমার তাউ শত্রু আছি। হিংগর কা আমারেউ মারতে পারে। নুয়ারলে পুলিশ, নাইলে ফরেস্টে বাগাদিতাই। ধরা পড়ানির ডর আছে। তার উত্তর।
- এবাকা মোরে বাগা। গণ্ডারর হিংগ কুরাং আছে। হিং কারাং কুমপেইত বেছরতা। মোর প্রশ্ন।

ছুপ না বাগার।না বাগেইলে, মি মাতলু —

- মি যাউরীগা। কিন্তু রেঞ্জারগ বার ফরেন্টারগী আইতায়। বার জেরা অকরতাই। কিল বারী দিতাই। উত্তাত রেহাই পানা-মনেইলে মোরে বাগা।

- আর কিলবারী না দকা। এ দ্বিয়োগীর মুঙে লাজ পাউরী। কিল বারী দিলেতে তোর মানু জঙ্গলে পেইলে মি মারতৌ।
- তি হারপারতা। যেতা যেতা মাতর উতা এরে টেপ্ রেকর্ডাহানাত কারতা। এতা হাবি তোর বিরুদ্ধে স্বাক্ষী থাইতৈ।

পাঙ্কৈয়া, লাং লাং ঐয়া মোরে চার।

- 'মি যাউরীগা। তোর কিহান অর মাতে নৃয়ারুরী। তবে এহান হারপা। মি যতদিন কাজিরাঙ্গাত থাইতৌ অতদিন তি জেলে পচতেই।'—

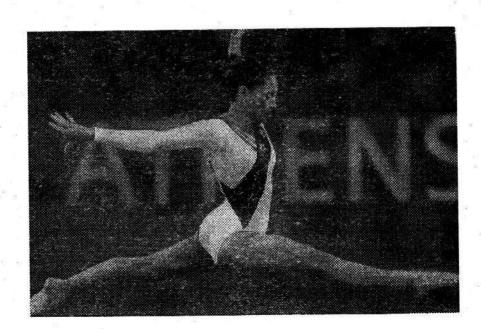
মাতিয়া আই. বি. গত গেলুগা। রেঞ্জারগরে নির্দ্দেশ দিলু।

- খানি জেরেয়া কথা ল পারলে, বালা। কথা মাততৈ বুলিয়াতে নিংনেই। এমাটিক কিল–বাড়ী খেইয়া নিক্ নিক্ না করের। না বাগেইলে রিপোর্টহানলো নয়-দশ বাজিত, হয় কোহরা পুলিশ ক্টেশনে, নাইলে সি .জি.এম কোর্টে, গোলাঘাটে হাজির করিছাা। মি, সি .জি.এম. গিরকরে টেলিফোনে বাগেইতৌ।বারো, ডি.সি., এসি.পি. জোড়হটিরেউ জানেইতৌ।নির্দেশ কিতা দিয়া বোকাখাট হেড় কোয়ার্টারে আলৈয়া আইলু।

ছয় মাহা পিছে বোকাখাটর দোকান আহানাত.... দেহেছি বুলিয়া অফিসর কেরাণী আগয় মোরে বাগেইল।হারপেইলু আমার ফরেষ্ট এক্টর ফরেষ্ট ল পাবারফুল নাছে। নুয়া ল এনেক্টমেন্টর প্রয়োজন আছে।

অৱশ্যে ১৯৮০ ইংরেজীর মে মাহা পেইয়া তার গণ্ডার মারাণির পৌ মি না পাছিলু। উবাকা মি বদলী ঐয়া গৌহাটীত আহেছিলু। AASU আন্দোলন অতি জোরদার চলেছিল। পিছেদে ছন্লু তার দেহাগ শাকতি ঐয়া বাগে পড়েছিল্গা। তা আর Poaching র লায়েক নেইয়োছিল।





অমৃত-চয়ন

কিয়াকা আমি হাডাভ মিছারে য়াম গুরুত্ব দিয়ার

(স্বামী সুখবোধানন্দর কথাত্ত)

শ্রীব্রজগোপাল সিংহ

জরম অনার লগে লগে আমি মিছা কথারে হাচান্ত য়াম শুরুত্ব দেনার শিক্ষা পেয়ার। নিজে চুলফেরা বিচার করানিত্ত মানুৱে কিহান মাতলা ঔহানরে মিয়াম বিশ্বাস করিয়ার। ফলে বিচারহীন Genetic ত্রুটির শিকারে পরিণত অয়ার।

তিনগো 'E' র প্রতি আমারতা দৃষ্টি দেনা থকর।
Experience, Environment বারো Education । আমার
প্রত্যেকর নিজস্ব agenda আলাদা আলাদা। বারো প্রকৃতির
(cosmic) agenda আলাদা। আমার ব্যক্তিগত agenda
অইলতাই E.G.O. E.G.O. অইলতাই Edging God
Out আমি হাব্বি আমার নিজস্ব agenda ত বদ্ধ থায়ার বারো
প্রত্যাশা করিয়ার পৃথিবীর হাব্বি মানু মোর agenda র অনুকৃল
ভাবাপন্ন অয়া চলকা - যেহান অসম্ভব বারো ফল অতৃপ্রিদায়ক।

মোর agenda মত চলানিরকা পৃথিবী এহান দায়বদ্ধ নাগই। Personal agenda বুলতে আমার 'I' র (মি) বা EGO বুঝার EGO অইলতাই সমাজে মোর সম্বন্ধে কিহান মাত্তারা ও হানর সমষ্টিগত ধারণা। সমাজে মোরে হবা বুললে মি হবা বুলিয়া ধারণার সৃষ্টি অর। অর্থাৎ মোর অবস্থান হান সমাজর আরোপ করা দৃষ্টিভঙ্গী নির্ভর। এহান সমাজ আহানর রীতি-নীতিলো স্থির অর। কিন্তু সমাজ আহানাত যেহান হবা আরাক সমাজ আহানাত হয়তো উহান হবা নাগৈ। সুতরাং দেহিয়ার যে সমাজর দৃষ্টি ভঙ্গী, পরম্পরা (Tradition) নির্ভর - সত্য নির্ভর নাগৈ।

উদাহরণস্বরূপ - কোন সমাজে আমিষ খানা হবা নেই
-নিরামিষ খানা হবা বারো ঈশ্বররে পানার পক্ষে অনুকূল বুলিয়া
শিক্ষা দিতারা। অন্য সমাজে এহান গৃহীত নাইতেও পারে।
সূতরাং এহান পরস্পরাগত বিশ্বাসহান - সত্যহান (truth)
নাগৈ। সূতরাং দেহিয়ার যে সমাজর কারণে আমি অসত্য
(Lies) লো প্রভাবিত অয়ার। মিছারে শুরুত্ব দেনার শিক্ষা
পেয়ার। কিন্তু সত্যনিষ্ঠ জিজ্ঞাসু মানু এ প্রভাবর ব্যতিক্রম
অপারতারা।

দ্বিতীয়তঃ মানুর ভাগ আহান তানুর অভিজ্ঞতার

(Experience) দাস অপরতারা। উদাহরণ স্বরূপ - কোন মানু আগৈ ঠকা বেল্লে অন্য মানুরেও ঠক বুলিয়া ধরাণির প্রবণতা জাগের। ফলে মানু তার অভিজ্ঞতার দাস অপরতারা।

শিক্ষার (Education) সাহায্যলো আমি দেহে পারিয়ার যে হবার লগে হবা নেইতাউ আছে। আমার অভিজ্ঞতা (Experience) কোন বিশেষ মুহুর্তে সত্য বারো অন্য মুহুর্তে অসত্য। শিক্ষা (Education) আমারে পারিপার্শ্বিকতার (Environment) চিপুনিগত্ত মুক্তি দের বারো সত্য-মিথ্যা ছাকানির (filter) বল প্রদান করের। ফলতঃ সত্য প্রবণর ক্ষমতা আহরণ করে পারিয়ার। এ ক্রিয়া এহানর অভাবে সমাজর তাঁতশালাত জরম অছে আমার আমিত্ব (I or EGO) সত্য প্রবণর সুযোগ নাদের।

আমার আমিত্ব (I or EGO) এগো কতহান অভিজ্ঞতা যেতা বিশেষ ক্ষণ আহাণরকা সত্য, কিন্তু যেতারে আমি সর্বকাল সত্য বুলিয়া শ্রমে ধরিয়ার ও তারাংত জরম অরগো। এগোই আমারে বদ্ধ করিয়া থর বারো সত্যশ্রবণর অনুপযুক্ত করের। এগোর দাসত্বন্ত মুক্তি নাইলে সত্যর সৌদন্দর্য্য আস্বাদন সম্ভৱ নার। সুতরাং মনে 'মি' এগো মিথ্যাজাত এহান জাগরুক থয়া মিছা এতারে ছাকানির ক্ষমতা আহরণ করিয়া সত্যনিষ্ঠ অনার চেষ্টা আমি অকরিক।

গিরকর কথাচুটি -

Il invite people into that dimension of education where every one of us should be committed. Most of us are literate. But we are not educated. The heart of education is leducation of the heartmAnd if your heart is committed towards truth, only then you wil be able to see something which is beyond lies, in which much of us are prisoners. I intivte you into this world of truth, which is so beautiful, which has no religion, which has no tradition, which no language can define, no system can confine. It is this boundless existence that every one of us are invited by existence; but we regret the invitation because we never looked into the very beauty of being in truth and unwisdom of being a slave to lies.m

ক্বিতা

পুন্নিং অলাংপী

ঁসেনারূপ সিংহ

তোর নিং থিলপী এ পুন্নিং অলাংপী টাটিপী নংকুপী রহিরি, বারে বারে উরে বহিরি বরণ পড়পড় তিরাসে ধড়ফড় ইংচিক বরণ ডাহিরি। পাহের নিরবধি কত ছড়া নদী পানী বুজা হারৌ অমমেয়া, টিপ্ টিপ্ অয়া পারে গরে সুপ নাচিরি হারৌপী ঝম ঝমেয়া। মর টাটি হদীৎ এ খৌরাং জীৎ আকফুটা নাপড়লে ঝঙিয়া, তোরকা আকুল গাছে গাছে ফুল কুরিরমা থাইলা ছকিয়া। আয় বরণ ঝুরি শাতা ফুলর কুরি আসাংপা ফিজেতে হাজিয়া জুড়াক তোর বারি পোড়া মন গারি মুড়ে গারে দিয়া হিনেয়া। জীর বুকুৎ বয়া খাণ্ডব দাহনর কাঁদে কাঁদে চার মিল্লেঙে, নুংশিপা নারল বয়া আছু প্রিয় তোর এলা হুনিল খৌরাঙে।

৮/৬/১৯৬৬ ইং (ত্রীগোপেন্দ্র কুমার সিংহর সৌজন্যে)



কলফিনী

-রবীন্দ্র কুমার সিংহ

কলঙ্কিনী ! অভাগিনী!! মাতেছে জীবগ কুংগ ? নায়তে পাৱে তা জগতৰ কোন জীব আগ নায়লে কিসাদে মাতে পারের তা এসাদে কথা, কলক্ষ ছাড়াতে সৃষ্টি সৃজন না করেছে যথা বিধি, না বিধিয়ে করেছে দোষী কলঙ্কর সালে। না জানে মুর্খ! নিঘুর আঁধারে মিঙালে মিঙালে হোবাহানে ছাছে চারিও মিকেয়ে। আঁধারর সালে নুংশিপা সৃষ্টিহান আজি অছে ঙাল ইঙালে মিঙালে। নুংশিপা জোনাকরে দেহেছিলে নীলুয়া নীল্ এ হাকে রাতিকার আঁধারে। কতি রশ্মি ছড়া দেছে মাকে বুঝাদেছে জগতরে আঁধারে আলোর ফাকে সৃষ্টি অনাসৃষ্টির গতিভেদ ধরা পড়ে থাকে। আধার আছে বুলে মিঙালর দাম ছাকা আছে বুলে পার ছাকানেই দাম। পাপ আছে বুলে পূণ্য জগতে ধন্য নায়লে শাস্ত্রে তারে দেছে ফাম শৃণ্য কলক্ষ-কালিমা আছে সৃষ্টির ভিতরে বাহিরে জ্যোতি-দীপ্তি হাবিতারে বেড়িয়া অন্তরে থছে করে জ্যোতি দীপ্তি আইতে দেখলে কলঙ্ক দূরেই কালিমা কাদাদে আইলে দিশ্তীতে দূরেই কালচক্রে এতা হাবি বিধি করে সৃজন বিধাতার না হারপেইয়া সুঃখ দুঃখে করে হাহাকার।



মোর দেশ মপ্রন

সুজিৎ সিংহ, বারোমুনি

হে প্রভু!

এ মোর দেশহান

জগতে পালক

এ মোর দেশহান

ভূবনে ঙালক

এ মোর দেশহান

হোনাহান অক

বিশ্বজনার বিশ্ব-পিতা এদেশে জরম অক।

হে প্রভু ।

দেশবাসী যত

পেট বুজে খাকা

দেশবাসী যত

মূরে চাল পাকা

দেশবাসী যত

ফুতি পিদে থাকা

বিশ্বজনার বিশ্ব-সুখ এদেশে বুজিয়া থাক।

হে প্রভু!

নুয়ারা না পানী

মোর দেশে নাকা

লেঙারা আতুর

নাউ জরম অকা

অন্ধ-কালা বোবা

আকগউ নাকা

বিশ্বজনার বিশ্ব-স্বাস্থ্য এদেশে অটুট থাক।

হে প্রভু!

ঐক্য, সাম্যগান

অক জয়গান

হিংসা-নিন্দা-ভান

এপেয় নাপাক থান

এক জাতি একপ্রাণ

করক মহান

বিশ্বজনার মহান-বিশ্ব এ দেশ মহান থাক।

হে প্রভু!

ইরাক-ইরান আফগান-পাক

মোর দেশেতে নাক

মাস-কিলার মিছাইল-মিরাজ

হনানীতে নাক

হাগে বৌয়ে পথে বস্ব

পড়িয়া না থাক

বিশ্বজনার বিশ্বশান্তি এদেশে শান্তি থাক।

হে প্রভু!

ভোট ভোট বুলে

মানু না মরকা

মিছা আশা জালে

মানু না বেরকা

মজা কলা দিয়া

বিভূলা না করকা

বিশ্বজনার সত্য-তন্ত্র ভারতে সেত্য থাক।



সাহিত্য সভা পত্ৰিকা

মণিহার সিংহ, নরসিংপুব

১
কিতা মাত্তু চল্তে পথে
পেয়ার কত বাঁধা,
খৌরাং থাইলেউ সাহিত্যতে
নাউতে অর দাদা।
আমি আজি জাতর সালে
গাঙে দিয়ার আর্তি,
লেহানি পারর জাতর মিঙালে
দিতারা কয়গয় বরতি।

২ আচার-বেভার আগে আমার আছিল উতা নেই, দাদা, তিতে পত্রিকা বেছর আমার লাজ নেই। ইমার ঠারল পত্রিকাহান ভাষার ফৌদক চেয়া নিকালাদিলে সাহিত্যহান ঙালক-পালক বুলিয়া।

কানা মাছি খেলাত লাগেছি পত্রিকাহান পেয়া, সাহিত্য সভার পত্রিকাহান কিতা করতাং চেয়া।

আন্দাজ করে নুয়ারলে দাদায়
আমি এতা কিতা,
পয়সা আছে ফালদর দাদায়
কিতা কানা অরতা ?
দাদারে দেখলে লুকানি অকরলা
ঘরে থায়া নেইতা,
পত্রিকা হানলো আহিল দাদা
পয়সা নেনাত চেইতা।

কত কানা করের আমার পত্রিকাহানি দিয়া, আমি আছি পড়িয়া আমার যেতা পারিল অয়া। নিজে মনেইয়া ইমাঠার বুলিয়া পত্রিকা পাকরো বুলে নিজেউ মরিয়া আমারেউ মারিয়া কিহান কানা কইলে।

আমিএতা কিসাদেতা
পিছেদে ভূ-পরতেই,
যেবাকা তোরে মাৎতাঙাইতা
ঠার বেছেরতা চেই।
আমার পয়সায় বাজার করের
ঠকা নাম্ছা চেই,
জাতহান বেছের ঠারহান বেছের
দুরেই করে দেই।

দূরেইনেই ভূ-পড়তেই
সমাজ-সেবা কর,
সভা-সমিতি পাতিয়া দিতায়
খেরর লুরা অর।
সময় থাইতে ঘর আন্চিলো
আমি অতি শিঙ,
শিঙে আকৈয়া হিঙ পিদেছি
দাদা লাগতেই বিঙ।

পয়সা পাতি না খোয়েই দাদা তোর কিতা বল, বিষ্ণু ভগবান লাগলা ধা-ধা আন্তি-ঘোড়া তল। সাহিত্য আমার নাইলেউ নাক, ইন্দ্র ব্রজেন কালী

মদন-বদন-সেনাক্রপ-তম্বক হাবি ঐলা বলি।





নাউ পাহুরতৌ চিরদিন থৈতৌ, খৌনা নাপ্পি পিদিয়া

সুজিৎ সিংহ, বারোমুনি

বলিদান, তি দিলে

জয়গান তি গেইলে

লালফাম তি করলে

আত্মাহুতি দিলে

ফিরাল তি কাকরলে

ইমাঠারহান বুলে।

জয়ধ্বনি দিলে

ঠৈগ এড়া দিলে।

নাউ পাহুরতৌ, চিরদিন থৈতৌ, গারগৎ লিক্ছৈ পিদিয়া।

সুদেষ্ণা তোরে।

ঠারহান আনে দিলে

বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী বুলে

বিশ্বজনার মেলে

পিরাত বহা দিলে

ইতিহাসহান মেলে কল কলি ঘাটে দিলে

ইমাঠারহান

আমার আতে তুলে

নাউ পাহুরতৌ, চিরদিন থৈতৌ, গারগৎ থাস্পাল পিদিয়া।

সুদেষ্ণা তোরে।

9

আমিতে এবাকাউ

আগরে আগয় ধরে

নুয়ারলাং কিতাউ

নাকরা নাকরি করে

ঠারহান পেয়াউ

নারলাং না পাকরে

পরলাং ফিরনদে

আগেকার ডঙ্করে

তেবৌ না পাছরতৌ, চিরদিন থৈতৌ, গারগৎ কাঠিডাল পিদিয়া।

সুদেষ্টা তোরে।

8

তি দেহুয়েইলে পথগ

কুংগয় ইলৈতায়গ

আছি এবাকা যতিগ

নাঙ্কর কাঙ্গাল হাবিগ

তোমারতা নাইলেউ নাক্গা

আমারতাতে নাঙ কাক্গা,

মৌতুপ ধরিয়া থছিগা

যেপেই যেগ আছিগা

নাউ পাষ্ক্রতৌ চিরদিন থৈতৌ, গারগৎ হেইকুরু পিদিয়া।

সুদেষ্ণা তোরে।

4

আয়নে বারো জরম ঐয়া

আতে খারৌ পিদা দিয়া,

পারতে পারে মিচাং অয়া

খারৌ আতে বরা বেলেইয়া

থাইছ তি ছেয়া অয়া

জনম জনম পেয়া

হাবির ঠোউনা অয়া

মিছাং আনে দিয়া

যেহান আমি নারেছি

দেহাদিছ তি পারিয়া।

নাউ পাহুরতৌ, চিরদিন থৈতৌ, খৌনানাপ্পী পিদিয়া।

সুদেষ্ণা তোরে।





তরুণোদয় সমিতি

শ্রীফুলেন্দ্র কুমার সিংহ, নরসিংপুব

তরুণোদয় সমিতি
ছয় গাঙ্গর অনুমতি
হঙছিল ঙালয়া কতি
কাজে কামে পালছিল
মানুর মন কারলছিল।
লগে আছিল পাঠাগার

লেরিকে-লেরিকে চমৎকার, খেলা ধূলাত ফওছিলা

বাহিরেদেউ য়ত্তছিলা

2

তরুণোদয় সড়ক না মনেয়ার অরক, মাটি লাগের দিতারা হিল লাগের আন্তারা যুবক হাবি তিলয়তারা হোভা সাক্তি দেখতারা। লগে আছে সরকার যেবাকা যেতা দরকার,

9

তরুণোদয় বিদ্যানিকেতন লেরিকেতে ছৌ সচেতন ঘরর কাদার স্কুলগ ছাত্র হাবির খইতুউগ, ইমা-বাবার খেয়ালে অজারেলর মিঙালে ফল ধরের কপালে। 8

তরুণোদয় যাত্রা
তুলনা নেই-মান্তারা
শহরে-বাগানে-গাঙে
জোয়ার কার নাঙে
ইমা ঠারে নাটক
চাকুরার নার আটক
নাট্যকার অশ্বিনী কুমার
ক্ষেত্রমোহন-ইন্দ্রকুমার
ইমা ঠারর নাটক তানুর
মন কারলর দেহেছি মানুর,
শিল্পী হাবির পাংলাকে
গোলাপ অজার আংলাকে
নাং ফওছিল বরাকে।
শিল্পী আছিলা-নেয়ইলা
নাটক করানি হিন্পেইলা।

0

তরুণোদয় বয়ন সমিতি বেয়াপায় বুনেছি ফুতি হোভাপেয়া লয়তারা কতি তাঁতে তাঁতে বুঝেছিল ডাঙরে ঘরগ হঙছিল সরকার আহিল হারৌ অয়া সমিতির কাম দেহিয়া ছয় গাঙ্জর ছয় নাঙ বারমুনি এক নাঙ অদর্শ গাঙ্জর দরবারে স্বীকৃতি দিল–সরকারে।





প্রশক্তি সঞ্জীত

- মহেন্দ্র চন্দ্র সিংহ, নরসিংপুর

জয়তি জয়ো ইমা বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী, দ্বাপর যুগেন্ত সহায় আমার শ্রীকৃষ্ণ চক্রধারী। চন্দ্রবংশ বীর অর্জুনসুত চিত্রাঙ্গদার গর্ভজাত - বীর বন্ধ্রবাহন; আমি তাঁর রকতর বংশলোচন।

ক্ষুমল-মৈরাং-আঙ্জম-মাঙাং-লোৱাং আদি নিংথৌচা, লিশিং লিশিং আমি জিপুত আছি ইমারে করিয়া সেমচা।।

মণিপুর ভূমে বিষ্ণুপুরে বিষ্ণুবিগ্রহ পাতেছি -বিষ্ণুভক্তি-ল সনাতনী ধরমে বৈষ্ণবতন্ত্রে পাহেছি। গীতা আমার জাতীয়গ্রন্থ শ্রীরাস আমার কৃষ্টির পন্থ ফুর্লমা লেহাউ আর তিলক-চন্দন বিশ্বপ্রেম-ও-শার্ত্তিমা গেরুয়াভূষণ।

ক্ষব্রার্য বর্ণর সামবেদী আমি, সামগীতি-মূর্জ্নার সঙ্গীত জানি জানি নাছাও - নৃতিমূল খনিগ থৈবী-খম্বা, দৌরে-মানুরে অয়া অনা-অনী শ্রীধৃত পরলম্ভা।

আঙম খগেন্দ্রর মবি কৃতেশ্বরী, গঙ্কেইলো সতীত্ব যেমন মহেশ্বরী -সহ-মরণে পতিচিতা লগে সাক্ষী আছে সতী খৌনাং সতীত্বর হাগে সাচাক-মিঙালে মহাসতী কৃতেশ্বরী নাঙ।





ছৌছুমারার প্রতিষেধক ব্যৱস্থা

ডঃ সুকুমার সিংহ

ছৌছুমারা আজিকালি সংক্রামক বা হাঁচুরাণি নুয়ারা কতহানলো ভূগতারা, অনেক সময় নুয়ারালো মরতারা, চিকিৎসা করাণি অকরলেও ভালা নাইতারা। ডিপথেরিয়া, ছপিংকাশি, ধনুষ্টংকার, পলিও মায়েলাইটিস, লেইকুপ, টিউবারকুলসিস - এ ছয়হান নুযারা এতা প্রাণঘাতী নুয়ারা –দশগো নুয়ারা অইলে দুগ তিন গো আগ্তা নিয়ামপারা রূপা পায়সা তিংকরিয়া, মালকে বাপকে ইয়াম হীনপেইয়া ভালা অয়তারা - ভালা অয়লেউ স্বাস্থ্য হবা নাইতারা। এ নুয়ারা ছয়তা নানারকা ভারত সংকারে সরকারী হাসপাতালে বিনাপয়সায় হজক–আত প্রতিষেধক হিসাবে দিতারা। গিরিগিথানীর ছৌছুমারারে মালকবাপকে তানুর নিজর নিজর ছৌছুমারারে প্রতিষেধক টীকা দিউয়ানী থকর। প্রতি বুধবারে বিয়ানে ৯টাত্ তো ১২ বাজি পেইয়া উপস্বাস্থ্যকেন্দ্র, প্রাইমারী স্বাস্থ্যকেন্দ্র, রাজ্যিক হাস্পাতাল এতাৎ প্রতিষেধক টীকা দিতারা। জরম অনার দিনেততো পাঁচ বছৰ পেইয়া এ প্রতিষেধক টীকা দিতারা।

প্রতিষেধক টীকা করণ নিয়ম তলে বয়স অনুযায়ী দেনা অইল।

বয়স	টীকা		
০-২ সপ্তাহ	বিসিজি ও অপিভি		
৬-৮ সপ্তাহ	অপিভি ও ডিপিটি		
১২-১৪ সপ্তাহ	অপিভি ও ডিপিটি		
১৮-২০ সপ্তাহ	অপিভি ও ডিপিটি		
৮-৯ মাস	অপিভি ও মিজলস (লেইকুপ)		
১৫-১৮ মাস	এম.এম. আর		
১৮-২৪ মাস	অপিভি ও ডিপিটি/ডিটি		
৪-৬ বৎসর	টিটি		
১৬ বৎসর	টিটি		

রাতি নাদেখতারা নুয়ারারকা প্রতিগো ছৌরে জরমতো পাঁচ বৎসর বয়স পেইয়া -ভিটামিন এ প্রতি ছয় মাসে খোরাক আহান করিয়া দশ খুরুম খোয়েইতারা।

বার রকত গারীগত কমইয়া জরম অয়তারা ছৌরেও আয়রণ ফলিকা এসিড ট্যাবলেট (ছোট) বা ড্রপস ৫/১০ ফোটা দিনে আকরুম, খানার পিছেদে, প্রতিমাসে আক কুড়িদিন করিয়া একশদিনর কা বিনা পয়সায় হাসপাতাল - এতাংত দিতারা।

পালস পলিও বুলিয়া পলিও মাইয়েলাইটিস নুয়ারা নানারকা ৫ বছর বয়স পেইয়া বিনামূল্যে হাসপাতালে বা ক্যাম্প করিয়া বা ঘরে ঘরে গিয়া খৌয়েইতারা/মালাক বাপকে উদ্যোগী অইয়া খোয়ানী থকর।



হোমিওপ্যাথিক চিকিৎসা (প্রাথমিক চিকিৎসা)

পিত্ত পাথরী (গলস্টোন) মূত্রপাথরী (রিনেল স্টোন)

শ্রীহোম

আজিকালি ঘরে ঘরে পিত্ত পাথরী বা মৃত্র পাথরী নুয়ারার প্রাদৃর্ভাব দেহিয়ার। বিশেষতঃ খানা পিনার অনিয়ম, অত্যাচার, আলিয়া-জিনা, অকর্মাণ্যতা, কু-কর্মা, কু-অভ্যাস, কু-চিন্তা, ডিলৈয়া ঘুমজানি, ডিলৈয়া উঠানি অসামঞ্জস্য খানা-পিনা অতিমাত্রায় মুনি-জেলেইর যৌন-সম্বন্ধ এতাৎত পিত্ত পাথরী - মৃত্র পাথরী দেহাদের।

আগেতে আমি হাপ্তা আহানাৎ বা মাআহানাৎ আকেইচারা - তিতা, কহা, চহা, চামফুৎ, চিঞ্চু, খেইলাং। সেলকম, ঘি, দৈ, সেলকমল চামফুৎ পায়স খেইলাং। আমি হৌপাতর মা থাকিচলা, ইকাইথাপী, খবল, তিতারজল, গন্ধকল বেইনং ভাজা, হিং, কপূর, বড়ৈর, আম্বল, মনর আম্বল, তেতুলর আম্বল, শুমাইটর মেৎপা, ডেফলর আম্বল, হেইনুর আম্বল খেইলাং। কাঁচা আন্দির টুমা মধুরল খেইলাং। পনার মিচ, হুরকাং মাছর মিচ, হুরকাং মাছর ভাজি হৌ, চেং হিঙ্গি, মাগুরা, পরম, বোয়াল এতা মিয়াম খেইলাং। লাঠি বিরণ, পানী বিরণ, বেরাপরা, হরিনারাইন, রাঙা আউ, আছাড়া খেইলাং। সজানা, ডেঙ্গা, পালৈ, আকচারা দ্বি চারা উছেই, তেরা খেইলাং। ফলর মা গাঙর-ঘরর হেইনৌ, খাটল, কমালা, কেহেম, আতাফল, বুবি, মন, লুকলুকি, আঠিয়া কলা, মনুয়া কলা, চাম্পা কলা, গেরা কলা, হাইল কলা, এতা খেইলাং। শেফালীপাতা, নিমপাতা, তুলসী পাতা, বাসক পাতা, পুলেই মালপী, চিরতাপাতা, নাকডাহুনী, আকুকাম্পা, পিরিহৌ, আমূলি, হেইকিরি, আঙালা, বেল, তুতিফল, ডেপ, পানী সিঙ্গারেই খেইলাং। য়্যান্নাম, ফাক্পই, মিয়াংপা, ফাকিথম, রামধনিয়া, এতা তেৎ নেইয়া খেইলাং। চিড়া, কাপক, চাকা, খৈডুম, সেনা কাপক, নকুল, বাতাসা, খুরমা খেইলাং। রাতি ৯/১০ বাজিত ঘুমজিলাং। বিয়ানে ৪/৫ বাজিত উঠলাং। খানি বুজন ঐলে ভাত খেইয়া তুহুম আহান দিলা।

উবাকা আমারাং এ নূয়ারা পানী কমছিল। না ছনলাং।

এবাকা অন্যপ্রদেশর মাছ, আমার ফিসারীর মাছ, রসগোল্লা, কালাঘন, চপ-কাটলেট, কুরকরে, ভূজিয়া, চিপ্স, ডালমুট, আইসক্রীম খানা অকরলাং এহানাৎ কি নৃয়ারা নেইতা?

আগেকার আমার উতা বেলেইয়া এলোপ্যাথিক খেইলাং। হোমিও প্যাথিক খেইলাং। এবাকা বার হারবেল, নেচুরেল খানা অকরলাং। কিন্তু আমার গাঙ ঘরর আগেকার খানা-পিনা জিনার রীতিনীতি বারো আনে নুইলাং। এবাকা স্বাস্থ্য বিধি দোয়ার মানুয়ে আমারে হিকেইতারা। আমার গৌড়িয়াহান আমার স্বাস্থ্য বিধি আছিল।

পিত্তপাথরীঃ এহানরে ইংরেজীত সংক্ষেপে Gall Stone বুলতারা। ডাক্তরে Gall Stone বা Billiary Calculus বুলতারা। Sonography, Scanning এ হিল ধরা পারের।

হোমিও প্যাথিক লক্ষণ ঃ খানার দ্বি-তিন ঘণ্টা পিছে বেদনা (দোহানি) বাতর বারার বুকর আড়ছপার তলেৎত অকরিয়া পেট গহাবিত, গজে বুকগর হাদিৎ, বাতর বারার লেম্পালে বাতর বারার আতে থার। যকৃতে বেদনা থার। রোগী ছট্ফট্ করে কাঁদের। গারীগ ইঙর, ঘামের, ইঙ ঘাম দেহাদের, জাকারেইয়া তাপ উঠের ১০২°-১০৩° পেয়া অর। খানা-পিনাত রুচি নেইয়র। গারীগ দুর্ব্বল অর বঙানি-ছাঙানি আহের। মিয়ামদিন অইলে - আহি, গারী, মুৎ আন্দুকা অর।

হজক ঃ চেলিডোনিয়ম - Ø - ৪/৫ ফোটা, দ্বি-চামচ ঠাণ্ডা পানীলো দিনে ৩/৪ খুরুম. স্ল্যাম্পি - Ø - ৪/৫ ফোটা দ্বি-তিন চামচ ঠাণ্ডা পানীলো দিনে ৩/৪ খুরুম

কেলকেরিয়া কার্ব্ব ঃ ৩০/২০০ - দিনে ৪/৫ মাত্রা দ্বি-তিন দিন। পিছেদে মাহানাৎ ২/৩ মাত্রা আকদিন করে। বালাঅইলেই বাদ দেনা।

বার্ক্বেরিস ঃ Q - ৫ ফোটা - দ্বি চামচ পানীত দিনে ৬/৭ খুরুম পয়লাকার দ্বি-তিন দিন। পিছে দিনে দ্বি-খুরুম। মাহান দেড়মাহা

পিছে দিনে আক খুরুম। নুয়ারা বালা অয়লে বাদ।

লাইকোপোডিয়ম ঃ Q - ৩/৪ ফোটা দিনে ৩/৪ মাত্রা দ্বি-তিন চামচ ঠাণ্ডা পানীলো।

চায়না, মেস্থা পিপারেটা, সার্সপ্যারিলা, ডায়োসেকরিয়া, ইউনাইমিন কার্ডুয়াস মেরী এতাউ হজকদেনা য়্যাকরের।

মূ<u>ত্র - পাথরী</u>ঃ এহানরে ইংরেজীত Kidney Stone, Renal Calculis বুলতারা, Urinary Bladder Stone ও বুলতারা। এহানৌ Sonography করলে ধরা পড়ের।

হোমিওপ্যাথিক লক্ষণ ঃ বেদনা (দোহানি) কাকালিংত অশুকোষ (ছলা) জাঙর মুদা, বুকগং, পিঠিহানাং, যারগা। গারীগ ঝাকারার বঙানি আহের, ঠাণ্ডাঘাম নিকুলেৰ।মূত্রথলীগ ভরি, মূত্রদোয়ার পেয়া, জ্বালা পুরা বেদনা করের। তলপেটে বেদনা থার। কাকালী, লারিকটা, উড়ং জাঙৰ থরোয়া এতাত দোহানি থার।

হজক ঃ

- (১) বার্ক্বেরিস Q ৪/৫ ফোটা দিনে ৪/৫ মাত্রা তিন চারি চামচ ঠাণ্ডাপানীলো নুয়ারা নাকমেছে পেইয়া।
- (২) লাইকোপোডিয়াম Q 8/৫ ফোটা দিনে 8/৫ বার তিন চারি চামচ ঠাণ্ডা পানীলো ন্যারা বালা নাছে পেয়া।
- (৩) কেলকেরিয়া কার্ব্ব ঃ ৩০-২০০ দিনে ২/৩ মাত্রা ২/৩ দিন।
- (৪) অ্যাসিড-ফস ঃ ৬-৩০ খানি আলৈলে দিনে ২/৩ মাত্রা মা আহান খেইলে গারীগৎ পাংকাল বারো স্নায়ু সবল অইতয়।
- (৫) সাবাল সেরু লেটা ঃ Q দিনে ৩/৪ খুরুম ৩/৪ ফোটা করে
- (৬) কেনথারিস্ Q ৬-৩০ দিনে ৩/৪ খুরুম ৩/৪ গেমচ পানীলো।

কার্ব্বভেজ - ৩০, ককুলাস ইণ্ডিকা - ৩০, অসমিয়ম - ৬-৩০, মেস্থাপিপারেটা - ৬ X, চিনিনাম সালফ - ৬ X - নাক্সভম, নেট্রাম কার্ব্ব, অকসেলিক এসিড, আর্টিকা ইউরেনস Q জ্যাস্থরিয়া আরবোরিয়া, সার্সাপেরিলা, কেলি কার্ব্ব, বার্ব্বেরিস ভালগেরিস - ৬-৩০

(আইব সংখ্যাত ডায়েবেটীসর (বহুমূত্র-মধুমেহ) হজক থাইতয়)









আয়ুর্কেদিক চিকিৎসা

অম্লপিত বারো মৃত্র পাথরী

কবিরাজ চক্রবর্ত্তী

অম্লপিত্ত ঃ

খানা-পিনার অত্যাচার, অনিয়ম, বারো বিশৃঙ্খল সাংসারিক জীবন-জিনা, রাতি ডিলৈয়া ঘুমজানি, বিয়ানে ডিলৈয়া উঠানি, আলিয়াপনা, এতা এতার সালেদে অল্পপিত্ত নুয়ারা অর। এহান আহান যকৎ (লিভার)র নুয়ারা। বিশেষকরে গল-ব্রাডার-প্যাংক্রিয়াসর কর্ম্ম ব্যাঘাত অয়লে অর।

লক্ষণঃ বদহজম, থতাত চহা-কহা-তিতা উহার চেলনি, বুকদোহানি, গারী জ্বালা করানি, খানা-না-মনানি, বঙানি, গারী ঠুওনি, ভরি ভরি পারা অনি এতা লক্ষণ।

- হজকঃ ১) রাতি গিলাচ আহান পানীত পরিস্কার শুকানা আঙালা ৪/৫ টুকারা, হরকতী ৩/৪ টুকারা, বহেরা ৩/৪ টুকুরা ২ গ্রাম কটকী জিঙেইয়া শুড়িয়া থৈয়া বিয়ানে উতা ছাকিয়া পানীছিটা হুদালা পেটে পিনা। হাপ্তা দশদিন পিলে নুয়ারা বালা ঐতে।
 - ২) কাচা আঙালা আগ হিজেয়া তপ্তা ভাতল উটিয়া নিকা কত কামড় খেইলে মাআহান দ্বিমাহাত বালা ঐতৈ।
 - ৩) নিক্কা রাতি ১০ গ্রাম চউল ভাজিয়া কাপ আহান পানীত জিঙেইয়া থৈয়া পিছেকার দিন বিয়ানে ঔ পানি উতা হুদা পেটে পিলে ৪/৫ দিনে বালা ঐতৈ।
 - 8) ২-৩ গ্রাম বাসকর বাকল, ৫ গ্রাম পদ্মগুলঞ্চ পাভা, ৫ গ্রাম কণ্টিকারীর পাতা কাপআহান তপ্তাপানীত রাতি জিঙেইয়া থৈয়া বিয়ানে হুদালা পেটে পিলে ৩/৪ দিনে বালা ঐতৈ।
- পথ্য ঃ কাচকলা, খবল, পিরিহৌ পাতা মশলা না দিয়া রাধিয়া খানা।
- মূত্র পাথরী ঃ খানা-পিনাতা, হজম নাইয়া, গারীগর সাংবিধানিক গঠন প্রক্রিয়ার সালেদে নানা রকম সিক্রিশনে হাবি প্রকার খানাপিনা পরিপাক নাইয়া, হবানেইতা রীতিমত মল-মূত্রাকারে দেহাৎত না নিকুললে এ নুয়ারা অর।
- লক্ষণঃ লহি-করতে হীন, জ্বালা-দোহানি। কৃক কিডনী, মৃত্রস্থলী, মৃত্রনালী, কাকালী, লারিকটা, উরৎ-আঠুঐয়া জাঙর মুদা পেইয়া কামাডানি, দেহাদের।
- হজকঃ ১) পাথর কুচি পাতার রস ৩/৪ চামচ করে বিয়ানে খানা। লহিত রকত থাইলে ২ চামচ দূরবাঘাসর রস তিলকরিয়া খেইলে বালা অর।
- পথ্য ঃ
 মিছ্রীর সরবৎ বারো ঠাণ্ডা দৈ-মাঠা-ঘোল।
 (আহের সংখ্যাত ডায়াবেটীসর হজক থাইতয়)

চক্ চক্ ঝক্ ঝক্ ফুতিফালি ঘরদোয়ার -

আর, ডি.।

- ১) টাইলস্ মোজাইক, পাককার ঘরর তল; কাচর দোয়ার খিড়কী
 - ক) এম নিয়া চারি চামচ আককাপ পানীত গুলেইয়া ফুতি আহানলো তাক করিক।
 - খ) দোয়ার খিড়কীর কাচে আকচামচ এম'নিয়া <mark>আককাপ পানীত গুয়েলেইয়া ফুতি আহানল ঘসিকা। পিছেদে পানীলো</mark> ধৈক বা তিঙ্কা ফুতি হানলে পুছিক।

(দোয়ার খিড়কী খুলিয়া থৈবাং, হাতলো না ছকৈবাং)

২) পিতারেইর কল, তামার কল, সেঙ সেঙর কল ঃ

আধা কাপ ভিনেগার এ খানার চামচর আক চামচ নুন তিলকরিয়া কলর গজে ফুতি আহানলো লাগেইক। হুকানা ফুতি

আহানলো ঘসিয়া তুলিক।

৩) ফুতির সাধারণ দাগ দূরেই করাণি ঃ

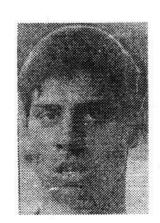
হৌপাতর দাগ ঃ যেকোন ডিটারজেন্ট, দাগর গজে তাপপ তাপপ ঘসিক যেকোনে হাবি-ফুতি-ফালি ধনা য্যাকরের সার্ফ, এরিয়েল, নিরমা, হুইল, জিনকো, পাউডারল পানীত ধৈক। পিছে পানীয়া ক্লোরিনল জিঙেইয়া মিনিট আহান দুহান থৈয়া বারো ধৈয়া ছুড়া দিক।

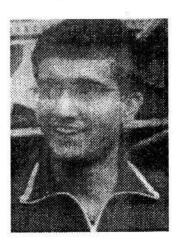
কালির দাগ (বল পয়েন্টর তাউ), থৌ, রঙ, আলকাতরা আদি - যেকোন রঙ পাতল করতারা সলিউশন, যেমন তারপিন, হাওয়া মেথিলেট স্পিরিট সূতা ফোটা আহানলো দাগহানর গজে লাগেইক। পিছে যেকোন হেভী ডিউটী ডিটারজেন্ট সলিউশনে জাবুরেইয়া থৈক। পিছে চিপিয়া চা-কাপর ১/৪ ভাগ পানীত ভাতখানার আক চামচ ক্লোরিণ দিয়া জিঙেইয়া থৈক। খানি পিছে-ইঙ পানীল ধৈক।

(আহের সংখ্যাত চা-কফি, পেইন্ট, কষ, ঝংগার ছুটানির সল্লা থাইতয়)











发酵母型物品或用的面对

জ্যোতিষর আহিত মানু

'দেবল'

- কুন্ত রাশি ঃ কুন্তরাশির মানু প্রায়েই বরা-বালা, মারূপ-মাছাঙে উম, উচ্চাকান্ধী, সংস্কার প্রিয়, আত্ম-সন্মানী, স্বমতাবলম্বী, রসজ্ঞ, বিজ্ঞ, ভক্তিপরায়ণ, মিতব্যয়ী, অন্তর সেঙ, পরিশ্রমী, চিন্তাবিদ্, তপস্বী অয়তারা। তানু নির্জ্জনে থানা মনেইতারা।
- জন্মস্থান বারো বাসস্থান ঃ কুম্ভরাশির মানু জলা, জংলা, গোচরা, হবা ফামেই ঘর করাণি মনেইতারা। সচরাচর নুয়া ভিটা-বাড়ী করতারা। শহরেৎত গাঙ-দেশে থানা মনেইতারা। শহরে ঘরকরলেউ গাছ-বিরূখ, বাড়ীখেতি করতারা। তানুরতা পানীর অভাব নায়।
- দৈহিক গঠনঃ মধ্যমাকৃতি, বাটুকা বকচলার বারাদে মিয়াম, গোল-গাল, বলী-পাংকাল, লিঙ, ফিবাম, মিয়ম-মাতাম হবা। গৌর বর্ণ নাইলে উজ্জ্বল শ্যামবর্ণ নেই।
- স্বভাব চরিত্র ঃ কুম্ভরাশির মানু সামাজিক অয়লেউ চুপ-চাপ থানা মনেইতারা। নিজর মতে চললেু মানুর মতামত না মানানিউ নেই। কঞ্জুস, ধনপয়সা খরবে চেকচিল। তবে দৌদুক, তীর্থ, মন্দির, শুভকাম আদিৎ সহায় করতারা। উচথাকে কানা মনেইতারা। লেইরাপা, ভিখারী, তলর-তালর মানুরে বানা-নুংশি পেইতারা।
- স্বাস্থ্য ঃ নুয়ারাপানী কম, আহির ব্যাধি, চামর নুয়ারা, পেটর-দাতর মুরর নুয়ারা অয়তারা। পিন্ত পাথরী, মৃত্র পাথরী, পেটে পানী জমানি, হাত-জাং-গারী ফোলা, জণ্ডিস, অয়তারা। স্বাস্থ্যবিধি মানিয়া দৈহিক অত্যাচার, অনিয়ম না করলে, সারাজীবন নুয়ারা পানী নাউ অয়তারা।
- ধন-সাম্পাল ঃ অতি বরা-বালা, বরা-বালা বারো ডাঙরীয়া মানুর সহায়, জুয়াখেলা-লটারী, আকস্মাৎ ধন প্রাপ্তির যোগ থার। ঘর-বাড়ী, খেতি-বাতি, কঠিন বস্তুর বেপার, শিক্ষাদান, বন কাম, মৎস্য-চাষ, মাটীর বেপার, টুম নার-না মাঙর ভার-পজাৎত ধন পেইতারা। সুদী-লগ্নী, কর্জ্জদেনা এতাৎ ধন-পয়সা আলৈয়া পানা হিন-পেইতারা।
- কর্মা ও কর্মা স্থান ঃ ইনসিউরেন্স, ট্রান্ট, লগ্নী, ইলেকট্রিসিটি, রেলওয়ে, বিমান, খেতি-বাতি, ঘর-দোয়ার, ব্যবসা, শিক্ষাদান।
- ভাগ্য ঃ কুম্ভরাশিরে ভাগ্যবান বা দৈববলে বলীয়ান মাতে নুয়ারীয়ার। কঠোর পরিশ্রমে নিজর ভাগ্য নিজে হংকরতারা। জীবনে উত্থান-পতন মিয়াম। তবে বরণর দিনরকা বুলিয়া যেতাকরিয়াউ খানিমানি জমেইতারা হানতে মানুরাং আত না পাতিয়া চলিয়া যিতারাগা।
- আসক্তি ঃ জুয়াখেলা, মদ-গাঞ্জা-ভাঙ-তাস-ম্যাজিক। ইমা-ইন্দলর সঙ্গ মনেইলেউ মানুয়ে হবানেই মাতে নুয়ারবা করে। সমাজে থাক্ নাঙ বারো স্বীকৃতি মনেইতারা।
- বিদ্যা ঃ কুম্ভরাশির মানু উচ্চ শিক্ষা মনেইতারা। গুপ্তরহস্য বিদ্যা, অন্তর দর্শন, অনুভূতিমূলক জ্ঞানর চর্চ্চা মনেইতারা। আসক্তি থানার মিয়ামপারা মানু উচ্চ-শিক্ষা বঞ্চিত অয়তারা। মধ্যম শিক্ষার মানু মিয়াম।
- দাম্পত্য জীৱন ঃ কথা কম, চিন্তা য়াম, নির্জ্জন, আকখুলা আক্খুলী, কর্ম্ম-প্রবণ, ভোগে অনাসক্তি, রুচিবান, অমিতব্যয়ী, স্বামাজিক, সংসার-চিন্তক হানতে দাম্পত্যজীবন প্রায়েই সুখময়, নির্বিরোধ থার। গৃহিনী ভাবপ্রবন, স্বামী পরায়না, সাংসারিকহানতে সংসারে শান্তি থার।
- ছৌ-ছুমারা ঃ কম। মুনিছোঁ ২/৩ গ। নিঙল আগ নাইলে নেই। সন্তান-সন্ততিহীন আছি। ছৌ-ছুমারা ঔ মাটিক ফৌন্তনি উহান নেই। অয়লেউ ছৌয়ে মালক বাপক নিঙ করতারা।

- জীবন-যাত্রা ঃ সহজ-সরল। অভাব-অনটন নেই। কৌলি-গালী দয়াদরবার নেই। চারিও বারার মানুয়ে য়াকরতারা। সমাজে চিনতারা।
- অশুভ শান্তিঃ শনিপূজা। কালীপূজা। সত্যনারায়ণ পূজা। লোহাৰ আংটি, এমেথি ষ্ট পিদানী, নিলুয়া রঙর ফুতি। ধলা বেড়ালার জড়। কালা গেইরে কালাই খোয়ানি।
- সংখ্যা ঃ ২, ৪,৮ বর্জ্জনীয়।জীবনর উল্লেখযোগ্য ঘটনা ৮, ১৭, ২৬, ৩৫, ৪৪, ৫৩, ৬২ বছর বয়স কিতাত অ থাইলে ৮ হবা। কুন্তুরাশির মানুরকা ১৪১১ সন হবা। গারী, ধন-সাম্পাল, কর্ম্ম, হবা। ছৌরতাউ হবা। শত্রু কমৈতায়। অভাব-অনাটননুয়ারাপানীর চিন্তার কারণ নেই।রাশি পাপ গ্রহ পীড়িত অয়লে গুণ-এতার উল্টা উহান অয়তয়।
- মীন রাশিঃ মীন রাশির মানু সদানন্দময়, কণ্ডালামন শান্তিকামী, উদার, আশাবাদী, একাগ্র তেজস্বী, ধীর-স্থির, জ্ঞানী, সত্যপ্রিয়, সংযমী, মেধাশক্তির অধিকারী, কর্ম্ম বারো জ্ঞানযোগী। গীত-কাব্য, সাহিত্য-প্রেমী, দরদী, শান্তি প্রিয়, উদার, পরোপকারী, সমাজে মানতারা পণ্ডিত ব্যক্তি।
- জন্মস্থান ও বাসস্থান ঃ দৌ-দুক, আশ্রয়-মন্দির-তীর্থক্ষেত্র, পূণ্য সলিলা ঘাট, সাগর এতার কাদাবারাত জন্মস্থান বারো বাসস্থান অনা মিয়াম। উতাছাড়া ঘাট, বিল-বাদার-পুখুরীর কাদাতৌ থানা মনেইতারা। ঘরদোয়ার হবাক দিতারা, পায়-পরিস্কার।
- দৈহিক গঠন ঃ দেহাগ মজ্জুত, মঙ-ফিবাম-মাজা হবা। গারীগত -মেদ-মাউ-মাংস মিয়াম। গার ডাঙড়-পুরুট, মূর ডাঙড়, আন্দাজী মানু। চুল-কংতা-লাকৃতা হবা। উদর-সম-শরীর। রূপবান, গৌরবর্ণ, মনোরম আহি - মিল্বা-লাকৃতা হ'বা।
- স্বভাব চৰিত্র ঃ আনন্দময়, আবেগময়, আশাবাদী, তিলৈয়া থানা মনেইতারা, সামাজিক, ধর্ম্মভীরু। দৌ-দুক-বামন-বৈষ্ণৱ, বুজন, শিক্ষিত মানুরে সন্মান করতারা। কর্ম্মনিষ্ঠ, একাগ্রচিত্ত। হাদিতৌ কর্ম্ম চঞ্চল। এলা অরেইয়া থাইতারা। মানুর হিন-দুক জারে নুয়ারতারা। সংসারেৎত মুক্তি বিছাড়তারা। ঝামেলা-ঝঞ্জাট, কৌলি গালি এড়েইয়া থানা মনেইতারা। মানুর মেল বিছাড়াতারা। দ্বি-স্বভাব।
- স্বাস্থ্য ঃ অনিয়ম, অত্যাচার নাইলে নুয়ারা পানী নেই। নুয়ারা পানী অয়লে, বাত শ্লেষ্মা, পিত্তশূল, মূত্রশূল, কফ, ফট-কুরু-ক্ষত, জাঙ্কর-ফোলানী, হাদিহাদিৎ পেটফোলা থার। আহির দৃষ্টি হবা অয়লেউ পিছেদে চশামা লাগানিত পড়তারা। সায়নো সাইটিস, ডায়াবেটীস অনা সম্ভাবনা।
- ধন-সাম্পাল ঃ মীনরাশির মানুর বাপকলকেই নাঙফিটা মানু অয়তারা হানতে পিতৃ সম্পত্তিলো ধনবান অয়তারা। অবশ্যে নিজস্ব জ্ঞান-বিদ্যা-কর্মা-চেষ্টা বারো নিষ্ঠালো ধন-সুখ সম্পদ- হবা সহধর্মিনী লাভ করতারা। সংসারর অভাব অনাটন কম। ব্যবসা-বাণিজ্যৎত জ্ঞান-বুদ্ধি-বারো পরর সহায়লো ধন-পয়সা মিয়াম কামেইতারা। আচার্য্য, শিক্ষক, পণ্ডিত, গবেষক পদবাচ্য মিয়াম থায়তারা। শেষ জীবনে ধনপয়সা অর।
- কর্ম ও কর্মস্থল ঃ ঠকা-মিছা-ভেদ-ভাওনা, মানু দেছয়ানী না মনেইতারা হান্তে পারামানে অধ্যাপনা, গবেষণা, শিক্ষকতা, ডাব্ডর, ইঞ্জিনীয়ার, দার্শনিক অয়তারা। মনহান ধর্ম্ম, নিষ্ঠা-নৈতিকতা-এলা-নাচা-পরোপকারী হানতে, শিক্ষাভূমি, দৌর লেইপাক, মনুষ্যবহুল, জ্ঞান-বহুল, কর্ম্ম-মুখর, ফামে, মিয়ম থাইতারা। বেহা-বেপার-দালালীর কাম যুগৎ না পেইতারা। রাশিহান বুধ-শনি আধিপত্যে থায়লে খেতি-বাতি, কৃষিকর্মাউ করতারা তবে যুগৎ করে নুয়ার তারা।
- ভাগ্যঃ পিতৃভাগ্যে বলীয়ান। পূর্ব্বপুরুষর নাঙে মিয়াম চিন্তারা। দৈববলে বলীয়ান নাগৈ। আত্ম-কর্ম্ম, নিষ্ঠা, একাগ্রতা, সামাজিক, পরোপরকারী, জ্ঞানালোচনা করতারা হানতে মানুর পাংলাকে ভাগ্য হঙর। মানুয়ে বানা পেইতারা দেশে ঘরে সমাজে য়াকরতারা, নাঙ থার হান্তে কর্মজগতে শীর্ষস্থানে ফৌঅয়তারা। কর্ম্ম সৌভাগ্য, বন্ধু সৌভাগ্য বারো পিতৃ-পুরুষর আশীর্বাদ পেইয়া ভাগ্যবান। নিজে সৌভাগ্যবান নাগৈ।
- আসক্তি ঃ সাহিত্য-কলা-গীত, জীবন দর্শন, সমাজ, পরোপকার, দৌ-দুক তীর্থ-শ্রমণ, দেশ শ্রমণ, পোষাক-আসাক, সহজ-সরল-

- জীবন, কর্ম্ম-বিদ্যাচর্চ্চা। ভাগ্য পরীক্ষা। ধর্ম্মপরায়ণা, সুশীলা, ঐশ্বর্য্যশালিনী, লজ্জাশীলা, নম্র, শিক্ষিতা, মানিনী, বিনয়ী, শিল্পকর্মবিতী, জিতেন্দ্রিয় রমনীর সাহচর্য্য।
- বিদ্যাঃ জ্ঞানযোগী, কর্ম্মযোগী, পণ্ডিত, উচ্চ-শিক্ষিত, বিনয়ী। জ্ঞান প্রকাশে অনিচ্ছা। সংগীত, গীতিকাব্য, ভৌতিক বিদ্যা, ধর্ম্মশাস্ত্র, চিকিৎসা শাস্ত্র, বিজ্ঞান এতাত অগ্রগামী। নুয়া নুয়া আবিস্কার, নুয়া নুয়া কাম, সমাজ সংস্কার কাম ও বিদ্যাজ্ঞান।
- দাম্পত্য জীবন ঃ মীন রাশির মানুর দাম্পত্য জীবন সুখকর নাগৈ। পতি-পত্নীর ভিতরে সদায় খটমট লাগিয়া থার। তবে ডিভোর্চ নার। কারণ পতি-পত্নী দ্বিয়োগীয়ৌ অন্তরে অন্তরে অনুভূতিশীল বারো সহানুভূতিশীল।
- ছৌ-ছুমারা ঃ হবা। মুনিছৌ মিয়াম। জেলেইছৌ কম। জিপুতরাংতো সংসার শান্তিও নুঙেই থার। ছৌ-শিক্ষিত, চরিত্রবান।
- জীবন-যাত্রা ঃ সহজ-সরল, পরিপাটী, ঐলেউ সৌখীন। খানা-পিনা পোষাক-আশাক, চলন-ধৰণ, আদি নিজস্ব-স্বকীয়তা বারো বৈশিষ্ট্য আহান থার। অভাব-অনটন, তাপ পীডন কম সুখী মাতানি পারিয়ার।
- অশুভ শান্তিঃ বিষ্ণুপূজা, শিবপূজা। বৃহস্পতি, চন্দ্র, শুক্রর জপ। মুক্তা, পোখরাজ, হোনা, রূপা, বেলর জড়, শ্বেত চন্দনর জড়।
- সংখ্যা ঃ ৩, ৭ উপকারী। পারলে ৬, ৯ বর্জ্জন করাণি। ১৪১১ বছর এহান মীনরাশির মানুরকা হাব্বি বারাদে হবা। ধন-সাম্পালরকা অতি শুভ বছৰহান। স্বদেশে-বিশেশে উন্নতি। চাকুরী প্রার্থী, বিদ্যার্থী, ব্যৱসায়ী হাবিবরকা শুভ। গৃহ-নির্ম্মান, সংস্কার, ধর্ম-কর্ম, এমারী অয়ত।
 - রাশিযদি, রাছ-শনি-মংগল-কেতু পাপপীড়িত নার উতা ঐলে সুকল ফলতয় অন্যথা গজে ইকরা ফলর মিয়াম ভাগ উল্টা ফল ফলতয়।
- মেষরাশিঃ মেষরাশির মানু উচ্ আশাবাদী, স্বাধীন চেতা, কর্ম্মুখী, অধ্যবসায়ী, পরিশ্রমী, অভিমানী, বিরোধিতা সহ্য নার। ধনবান, লেইরাতা অতি কম বুললে য়াকরের। মানুরে গণ্যতা খানি কম করতারা। সদায় হাবির গজে থানা মনেইতারা। তেলীয়ান। সেনাপতিপারা আত্মবল, সাহস, পরাক্রম।
- জন্মস্থান ও বাসস্থান ঃ গোচরা, জংলা, খানি উচ-মান্না, হুকানা ফাম, লেঙৈয়া, রাঙামাটী, হিলুয়া, টিলা-টেঙারা পারা ফাম মিয়াম মনেইতারা। ছেয়া, চেপ্ চেপা ফাম আলি পেইতারা। ঘর-দোয়ার হবা। অন্ততঃ কাদাবারারতায় জিঙে নুয়ারবা করে হংকরতারা। মজ্জুত।
- দৈহিক গঠন ঃ মেষ রাশির মানুর রঙ হরিয়র থৌপারা বারো জ্বির আঙারা পারা রাঙা রাঙা। বট্ঠালা, বক্চলাগারী, ব্যায়াম করিয়া পরিপুষ্ট, দীঘল মেইথং, গাড় টিঙ লিঙ, নাক উচ, ওঠ ডাঙড় গাঢ়, চূল-বঠা, খানি উবা উবা, পোষ না মানের, লেম্পালেৎত লারিকটাগ পেইয়া আকহান, ডাঙড়। গারীত চুল মিয়াম। মুর টকালা অয়তারা।
- স্বভাব-চরিত্র ঃ উগ্র, পররতা না হুনতারা, মাৎলে জিঙতারা, আটাকেইলে, পাংকাল একেইতারা ছালপাৎলে খুরুম দিতারা। তবে পরিশ্রমী, অধ্যবসায়ী, আত্মনিষ্ঠ। স্বাধীনচেতা হান্তে খনে হাসি খনে কাদানি থার। আত্ম মর্য্যদা, পারিবারিক মর্য্যাদারকা জবর খাটতারা। নিজর রুচি, মর্জ্জিমত কাম করে নুয়ারলে অতি হীন পেইতারা। মন মারিয়া থাইতারা।
- স্বাস্থাঃ গারীগ হবা মজবুত, বকচলা, বলী, পাংকালপা, ব্যায়াম করিয়া পরিপুষ্ট। নুয়ারা পানী সচরাচর নেই। নুয়ারা পানী অয়লে অদ্ধ পৌয়েইতারা। রকত পড়ানি, কাপা কাপি, জাঙ-আত বাগানি, পিন্তশূল, হৃদরোগ, মূত্রপাথরী, স্নায়ুর নুয়ারা এতা অর। অপারেশন সিলাই, রকত দেনা। মূর গরম হানতে চঞ্চল, জেদী। উতায় মানসিক ভারসাম্য হারার। হাম, বসন্ত, চর্মারোগ অয়তারা।
- ধন-সাম্পাল ঃ মেষ রাশির মানু আককথাত হাবিব বরা-বালা। লেইরাপাতা কম। কলকজ্ঞা, উদ্যোগ, গাড়ী-মটর-জাহাজ, খেতি-বাতি-খনি, ঘরবাড়ী, বেহা-বেপার হাবিব কর্ম্মে পারদর্শি অয়তারা ধন কামেইতারা মেষরাশির মানু আত্মবলে মনোবলে নিজ কর্ম্মবলে ধনবান ঐতারাতা। ডাক্তর, ইঞ্জিনীয়ার, ঠিকাদার, ড্রাইভার, পরিচালক মিয়াম। কলকারখানা, ডাক্তরী, খেতি-বেতী



জবর মনেইতারা। মেষ রাশির মানু অমিতব্যয়ী অয়লেউ লেইরা নাইতারা কারণ চারিত্রিক শৃঙ্খলা আহান তানুরতা আছে। তারো এ রাশিত লেইরাপাতা কম। দৈববল থাইলে অতি হ'বা।

কর্ম্ম বারো কর্ম্মস্থান ঃ খেতির লপুক, উদ্যোগ নগরী, শহর-গঞ্জ, জনবহুল ফাম, দেশ প্রদেশ -জিলার সদর এতাত কর্ম্ম করিয়া থায়তারা। চাকুরী স্বাধীন প্রতিষ্ঠান করতারা। মানুর তলে, মানুর বশে থানা নুয়ারতারা হান্তে নিজে নিজর কাম, প্রতিষ্ঠান নিজে হংকরিয়া উতা চালেইতারা।

ভাগ্যঃ মেষ রাশির মানু ভাগ্যবান। আসুটা বুদ্ধি, নাকর দিশালো চলানি, পরর অধীন থানা নেই বুলিয়া ভগবানে হংকরে দিল হানতে, স্বাস্থ্য, শক্তি মনোবল, কর্মশক্তি বারো ভাগ্য নাদিয়া পারতৈতা। উহানে মেষরাশির মানু হাবি ভাগ্যবান।

আসক্তিঃ খানা-পিনা। উগ্র খাদ্য, মশালা মিয়ম, ঝাল, নুনটুকা। কাম-কাজ অন্যান্য হবানেই আশক্তি নেই।

বিদ্যাঃ মধ্যম বিদ্বানেত্ত অতি বিদ্বান। জগতে নাঙ ফিটা। চিকিৎসক, শৈল্যবিদ, প্রযুক্তি বিদ্যা, ইঞ্জিনীয়ারিং, ডাক্তরী, গবেষণা, ভূ-বিদ্যা, কৃষিবিদ্যা এতাৎ চৌখাৎ।

দাম্পত্য জীবন ঃ অতি সুখময়।

ছৌ-ছুমারা ঃ মুনিছৌ জেলেই ছৌ মাল্লা মাল্লা। ২ঃ২; ১ঃ১ । লেইরিক লেইছৌ বিদ্যাদে মিয়াম ছৌখাৎ নাগৈ। মালক-বাপক ছৌছুমারারকা চিন্তা-ভাবনা করতারা।

জীবন যাত্রা ঃ স্বচ্ছল। আটন-পিটন নেই। তবে শত্রু মিয়াম । বন্ধু কম। মানুয়ে নুঙেই না পেইতারা। মুঙে মাতে নুয়ারতারা। প্রভাব প্রতিপত্তি খাটেইয়া চলতারা।

অশুভ শান্তিঃ নারায়ণর পূজা। বৃহস্পতি, রবি, মঙ্গলর জপ। শনি পূজা। রাহু-কেতুর ধ্যান।

সংখ্যা ঃ ৩, ৬, ৯ শুভ। ২, ৪, ৮ পরিত্যাজ্য।

১৪১১ সন মেষ রাশির মানুর কা অতি শাক্তি। নুয়ারা-পানী, মানসিক হীন-দুঃখ, অর্থনাশ, বন্ধু নাশ, স্বজন বিরোধ, দুর্ঘটনা, ভাগা-টুটা, রক্তপাত অন্যান্য আন্ত্রিক নুয়ারা দেহা দিতে পারে। মোয়েই-জিপুতর স্বাস্থ্যউ হবা নেই। এতাহাবি দুখ জ্বালা যন্ত্রনার মাউ কিন্তু ধন-সাম্পালরকা হীন নাইতৈ।

মেষরাশির জাতকর কা শনি, মংগল, রাহু হবা অয়া বৃহস্পতি, রবি, বুধ, শুক্র বারো চন্দ্র যদি কেন্দ্রকোনে বৈয়া শুভ সম্পর্ক শুভ দৃষ্টি দের উতা অয়লে ধন-পয়সা বা সমাজে চুড়াগত কানি পারের। বারো এ গ্রহ এতা বিশেষ করে শনি, মংগল রাহু বিরূপ অয়া বহিলে পশুৎতৌ অধম ক্রোধী, দান্তিক, চঞ্চল, কাপুরুষ, ভীরু জীবন জিনা আহান পাতিয়া থায়তয়।

(আগামী সংখ্যাত জ্যোতিষর আহিত বৃষ, মিথুন, কর্কট রাশির মানুর বিচার থায়তায়)



BISHNUPRIYA MANIPURI SAHITYA SABHA (BMSS), ASSAM SILCHAR

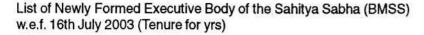
H.O. - RAMKUMAR BHAWAN, BHAKATPUR, SILCHAR - 788005, ASSAM (Regd. No. 17323 of 1984-85)

10th ANNUAL GENERAL CONFERENCE, July 13, 2003

(Held at T.T.College, Silchar)

10th Annual General Conference, July 13, 2003





CENTRAL COMMITTEE

President

- : Shri Manindra Kr. Sinha, M.Sc. IFS (Retd.)
 - (Retd. C.F., Assam)
- Working President
- : Shri Gopendra Kr. Sinha, M.A., B.T. ACS
 - (ADC, Cachar, Sil.)

Vice President

- : i. Shri Barindra Kr. Sinha, M.A., B.T., M.Ed, AES (Retd.) (Retd. Professor T.T. College, Silchar)
 - ii. Shri Debadatta Sinha, B.A. (Retd. Govt. Teacher) iii. Shri Nishi Kanta Sinha, B.Sc. M.Ed. (Chincoorie)

- General Secretary
- : i. Prof. Ashok Kr. Sinha, M. Tech. Ph.D.
 - (G.S. Mgt.) ii. Prof. Arun Kr. Sinha, M.A., MPS, (AFS)
 - (G.S. P & D.)
 - iii. Shri Narendra Ch. Sinha (Retd. Govt. Official) (G.S. Org. - I)
 - iv. Shri Mani Kanta Sinha, B.Sc., B.Ed. Head Master (G.S., Org.-II)
 - v. Shri Anil Kr. Sinha, B.Sc. (Rengti), Retd. Govt Officer (G.S. Lialson & Finance)

Treasurer

- Shri Ram Kumar Sinha (Bhakatpur), Retd. Govt. Official
- **Executive Members**
- i. Shri Surendra Kr. Sinha (Chandrapur), Retd. Govt. Official
- ii. Shri Gopal Ch. Sinha (Chandrapur)
- iii. Shri Shantobabu Sinha, M.Sc. (Tarapur), Lecturer
- iv. Shri Govinda Sinha, B.A., B.T., (Behara) Retd. Govt. Teacher
- v. Smt. Subhadra Sinha (Tarapur, Silchar)
- vi. Shri Arun Kr. Sinha, (W. Kachudharam) Govt. Teacher
- vii. Shri Manas Kr. Sinha, M.A. (W. Kachudharam)
 - Principal, Dibyashram
- viii. Smt. Shanti Sinha (Narsingpur)
- ix. Smt. Monorama Sinha (Singari)



Internal Auditor

Shri Braja Gopal Sinha, Asstt. Accounts Officer, C.D.A.

8. Advisors

 Prof. Dr. Kali Prasad Sinha, M.A., Ph.D, D.Litt (Retd. Dean Assam University)

ii. Smt. Sukhajyoti Sinha, M.A. (Double) LL.B., B.T. (Retd. State Social Education Officer)

iii. Dr. Sukumar Sinha, MBBS, AHS (Retd. Joint Director)

iv. Prof. Bimal Krishna Sinha, M.Sc. (Retd. Vice-Principal, G.C. College)

v. Shri Indra Kr. Sinha, (Narsingpur), Retd. BDO

vi. Shri Gokulsena Sinha, (Singla) Retd. Head Teacher (Ex-President. BMSS)

vii. Prof. Brajendra Kr. Sinha, M.A. (Retd. Principal, SS College, Hailakandi)

viii. Shri Radhabenode Sinha (Bhakatpur) (Retd. Suptd. Polytechnic, Silchar)

ix. Prof. Namadeb Sinha, M.A. AES (Retd.) (Retd. Prof. Govt. College, Haflong)

x. Shri Birendra Kr. Sinha, B.A., B.T. (Retd. Govt. Teacher)

List of Office bearers of Pargona Units (Anchalik Committee) of the Sahitya Sabha (BMSS) w.e.f. 16th July 2003 (Tenure for yrs)

ANCHALIK COMMITTEE

Narsingpur Pargona

Shri Fulendra Kr. Sinha, (Retd. Govt. Officer, Agril.)

Vice-President

Shri Radha Kanta Sinha, (Retd. Govt. Official), Social Worker

Secretary

2. Meherpur Pargona

Shri Jitendra Sinha, B.A., B.t. (Retd. H.M.) W. Kachudharam

Vice-President

Shri Ajit Sinha, Retd. Jr. Engineer (Rengti)

Secretary

Bikrampur Pargona

Shri Maipak Sinha, (Retd. Govt. Official) Behara

Vice-President

Shri Prakashananda Sinha

Secretary

4. Jatrapur Pargona

Shri Sukumar Sinha, M.A., B.T. (Retd. Principal, H.S.) Old Katahal

Vice-President

Shri Amritlal Sinha, B.A. (Govt. Teacher) Dudhpur

Secretary

5. Jafirbond Pargona

Shri Subash Sinha, M.A., B.T. (Principal, H.S.) Jafirbond, Halla

Vice - President

Shri Rohidas Sinha, Hailakandi

Secretary

6. Singla Pargona

Shri Golap Sinha, Singla

Vice - President

Shri Debkumar Sinha, Bishnupur

Secretary

7. Pratapgarh Pargona

: Shri Saurindra Kr. Sinha, B.A., Govt Teacher (H.M.)

Vice - President

Shri Taranisen Sinha, Bilbari

Secretary

8. Gauhati Region

Shri Birendra Kr. Sinha, (Retd. Dy. Secy. Assam) U. Hengrabari

Vice - President

Shri Binode Sinha, (Retd. Govt. Officer, nagaland) Bhangargarh, Ghy.

Secretary

9. Upper Assam Region

(President) to be selected

Miss Manashi Sinha, M.A. (Prof.) tinsukia, Upper Assam

Secretary

Mizoram Region

Prof. Dr. Nalini Kanta Sinha, M.A., Ph.D. (Prof. Mazoram Univ).

Vice - President

Shri Harendra Sinha, (Prof.) Lunglei, Mizoram

Secretary

11. North Assam Region

Dr. Smriti Kr. Sinha, MCA, Ph.D. (Tezpur Univ) Tezpur

Vice - President

Secretary to be selected

12. Meghalaya Region

Prof. Kokilsena Sinha, M.A. (Prof. Ladykene College), Shillong

Vice - President

Secretary to be selected

Dated, Silchar

The 13th July, 2003

Shri M.K. Sinha, IFS Retd. President, Sahitya Sabha (BMSS)





রাধা-সেনা স্টুডেন্টস্ স্কলার শ্বিপ

ভারতর বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সর্ব্ব সাধারণরে হারপোয়ানিরকা এ বিজ্ঞাপন এহান দেনা ঐল। রাধা-সেনা ষ্টুডেন্টস্ স্কলারশ্বিপ এহান ডঃ সুকুমার সিংহ, M.B.B.S., Retd. Joint Director, Assam গিরকে H.S.S.L.C বারো T.D.C. পাকরতারা বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী ছাত্র-ছাত্রীরে গিরকর রপিক স্বর্গীয় সেনা সিংহ, অরঃ প্রাপ্ত পেষ্টমাষ্টার বারো মালক স্বর্গীয় রাধারাণী দেবী চৌধুরাণীর স্মৃতিত বছরে বছরে ২০০৪ ইংরেজীত্ব দেনা ঐতৈ।

স্কলারশ্বিপ নিয়মাবলী ঃ

- ক) যোগ্যতা ঃ ১) ছাত্র-ছাত্রী ভারতবাসী বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী অনা লাগতৈ।
 - ২) ভারতবর্ষর যেকোন স্কুলর C.B.S.E বা S.E.B.A. অধীনর অনা লাগতৈ।
 - ৩) HSLC পরীক্ষাৎ যেকোন শৃঙ্খলাত বিজ্ঞান, কলা, বাণিজ্য হারির গজে marks পেইয়া পাশ করানি লাগতৈ।
 - 8) H.S.S.L.C. পরীক্ষাৎ যেকোন শৃঙ্খলাত বিজ্ঞান, কলা, বাণিজ্য হারির গজে marks পেইয়া করানি লাগতৈ।
- খ) স্কলার শ্বিপর সংখ্যাঃ
 - ১) HSSLC ত দুহান মুণিছৌ আগ বারো নিঙলছৌ আগ
 - ২) T.D.C. ত দুহান মণিছৌ আগ বারো নিঙলছৌ আগ
- গ) স্কলার শ্বিপর অঙ্কঃ
 - ১) H.S.S.L.C. ত রূপা ১০০ হান (রূপা আহৌ হান মাহানাত)
 - ২) T.D.C. ত রূপা ১০০ হান (রূপাআহৌ হান মাহানাত)
- ঘ) স্কলার শ্বিপর কাল ঃ
 - ১) H.S.L.C. ত দ্বি বছর
 - ২) T.D.C. ত তিন বছর
- ঙ) স্কলার শ্বিপ বাতিলঃ কোন সেমিষ্টার ফলাফল হোভা নাইে.
- চ) স্কলার শ্বিপ রূপা দেনার ধরণ ঃ Cheque \ B. Draft এ মাহিলী / দ্বি-মাসিক / ত্রৈমাসিক। ছাত্র-ছাত্রী সুবিধা চেয়া। স্কলার শ্বিপর রূপা নেমার সময় Result Sheet জমা দেনা লাগতৈ।
- ছ) স্কলার শ্বিপরকা দরখাস্তর নিয়ম ঃ
 - ক) স্কলার শ্বিপর নির্দ্ধারিত ফর্মে। ফটোস্টেট বা টাইপ কপি না চলতৈ।
 - খ) স্কলার শ্বিপ ফর্মর দাম রূপা ১০ (দশ) হান।
 - গ) নির্ভূল, পূর্ণ ফর্ম, পাসপোর্ট ফটো, পাশ করা স্কুল কলেজর নাম ভর্ত্তি অছি স্কুল কলেজর নাঙ, Marks Sheet ডাঙ্কীয়া মানু দুগরাংতো চারিত্রিক সার্টিফিকেট, নিজর আতলো পূরণ করা পর্ম, পাশ সারটিফিকেট জমা দেনা লাগিত।
 - ঘ) নুয়া স্কুল কলেজে ভর্ত্তি অনার মান আহানের ভিতরে অর্থাৎ ১৫/৮ র ভিতরে পূর্ণ ফরম জমা দেনা লাগতৈ।

স্কলার শ্বিপ ফর্ম পানার ঠিকানা স্কলার শ্বিপ ফর্ম জমা দিনার ঠিকানা স্কলার শ্বিপ রূপা পানার ঠিকানা ডঃ সুকুমার সিংহ, M.B.B.S., Retd. H. Director Konakpur Road, Silchar - 788005 Tel : 225399 (Silchar)

শিলচর

বিজ্ঞাপন দাতা ঃ ডঃ সুকুমার সিংহ

-	-	*	19	X 7	
Horm	r	VA.		Year	
I OIIII	1	w.		TOM	

FORM OF APPLICATION FOR RADHA-SENA SCHOLARSHIP

1.	Name of Applicant with full Address			
2.	Name of Parents/Guardian with full Address			
3.				
Э.	a. Subjects	e last attended		•
	h Marks obtained	: Total Marks obtained :	als ⁻¹ 0 2yi ^{-1,4}	
				68
			Shri/Smti	
			at from this School. His/Her subjects	
			in the last H.S.L.C.	
		ned marks in	the last H.S.L.C./H.S.S.L.C. of year	Γ
	2004.			
	Date	Siganture & Seal		
	Principal/Head Master		* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	
4.	Name of the school/College	e now admitted		٠
	a) Subjects taken			•
	b) Certificate from the Scl		8	
	Shri/Smti		had taken admission in this	S
	School/College in the 1st ye	ear HSSLC/1st yr T.D.C. in Art	s/Science/Commerce during the year	r
	2004.			
	Date		Signature & Seal	
		* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	Principal/Head Master	
5.	Applicant's Declaration			
		=	swear in the Name of God and	ı
	state that the information fi	urnished above are true and cor	rect to the best of my knowledge and	1
	belief.	×2 × × × ×		
	Date	20 年	Signature	
6.	Guardian/Parents Declaration	on.	Digitativ	
U.			father/mother/Guardian	_
			g in HSSLC/TDC hereby declare tha	
		ion of money he/she had drawn		L

Signature Address





পত্রিকাহানর নিয়মাবলী

- ১) তিন মাহিয়া বিষুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা পত্রিকা, আসাম, প্রতি তিন মাহাত নিকুলতৈ। (বৈশাখ, হাওন, কার্ত্তিক, মাঘ - এপ্রিল, জুলাই, অক্টোবর, জানুয়ারী)
- ২) লেখক গিরিগিথানীয়ে ইকরা প্রবন্ধ, গল্প, উপন্যাস, কবিতা, নাটক ইত্যাদি নিজর কপি থৈয়া পরিষ্কার করে ডাঙড় আখরে চের পিঠি আকহানাত ইকরিয়া দিয়া পেঠানি লাগতৈ। জমা ঐতৈ লেখা ফিরৎ দেনা নাইতৈ।
- ৩) বিতর্কিত লেখা, সমাজর ভেদা-ভেদ মূলক লেখা, রাজনীতি মূলক লেখা, সন্মান হানিকর লেখা গ্রহণযোগ্য নাগৈ। লেখার মতামতর কা, লেখার গজে কোন প্রকার মামলার কা পত্রিকার পরিচালক মগুলী বা সম্পাদক মগুলী দায়ী নাগৈ।
- পত্রিকাহানাত প্রকাশিত লেখার বানান পদ্ধতি সম্পাদকর মতানুসারে ঐতৈ।
- ৫) কৃষ্টি কলার গজে ইকরা, সৃষ্টিকামী সাহিত্য, অগ্রাধিকার পেইতৈ। উঠে আহিতারা লেখকরে উৎসাহিত করানি ঐতৈ।
- পত্রিকা বেছানীর এজেণ্টরে শতকরা দশ হান রূপা কমিশন দেনা ঐতৈ।
- হাবি রকমর মামলা মোকদ্দমা, শিলচর আদালতর আওতাত বিচার ঐতৈ।
- ৮) পত্রিকা সংখ্যা আহানর দাম ৰূপা ২০ হান (আককুড়িহান) বছকেরীয়া মাশুল ৮০ টাকা। ডাকযোগে পত্রিকা দিয়া পেঠানিরকা সংখ্যাহান লেহে অতিরিক্ত রূপা ৫ হান দেনা লাগতৈ।

যোগাযোগর ঠিকানা বারো পত্রিকা প্রাপ্তির স্থানঃ

- ১) শ্রীমনীন্দ্র কুমার সিংহ, আই.এফ.এছ. (অবসরপ্রাপ্ত) চেয়ারমেন, বোর্ড অব মেনেজম্যান্ট, রাজগড় রোড, ওরেষ্ট বাইলেন-১২, গুরাহাটী-৭৮১০০৭, ফোন - ০৩৬১-২৫১৪০৪১
- ২) শ্রীগোপেন্দ্র কুমাৰ সিংহ, এ.চি.এচ (অবসরপ্রাপ্ত), মুখ্য সম্পাদক, চিংকুড়ি রোড, নিউভকতপুর, শিলচর-৭৮৮০১২, ফোন - ০৩৮৪২-২৬৪৮৪৪
- ৩) শ্রীমণিকান্ত সিংহ, বি.এচ.চি. পরিচালক (প্রচার) সারদামণি লেন, টিকরবন্তি, শিলচর-৭৮৮০০৪, ফোন ০৩৮৪২-২৬৬৮৭৭
- শ্রীসরেন্দ্র কুমার সিংহ, সচিব (বাণিজা), কাঠাল রোড, জিরো পয়েন্ট লেন, শিলচর-৭৮৮০০৫, ফোন- ০৩৮৪২-২৪১১৪০
- ৫) খ্রীভানু সিংহ, ফরেষ্ট রেঞ্জার, তারাপুর, শিলচর-৮, ফোন ২৬৮৩৬৩

পত্রিকা প্রাপ্তির স্থান

- ১) শ্রীনরেন্দ্র চন্দ্র সিংহ, সিঙ্গারী, শিলচর- ৭৮৮০০৭
- ২) শ্রীফুলেন্দ্র কুমার সিংহ, ভাটীরগ্রাম, কাবুগঞ্জবাজার ৭৮৮১২১, ফোন-২৫২০৭৪
- ৩) শ্রীসভাষ সিংহ, ঝাপিরবন্দ, হাইলাকান্দি, ফোন ০৩৮৪৪-২৪১৬৪৪
- ৪) শ্রীমাইপাক সিংহ, মোহনপুর, বিক্রমপুর
- ৫) শ্রীজগদীশ সিংহ, অধ্যক্ষ, মডেল হাইয়ার সেকেন্ডারী স্কুল, পাথারকান্দি-৭৮৮৭২৪, ফোন- ০৩৮৪৩-২৫৫৪৩০
- ৬) শ্রীনিশিকান্ত সিংহ, হাইলাকান্দি ফোন ০৩৮৪৪-২২৩০৪৪
- ৭) শ্রীসৌরীন্দ্র কুমার সিংহ, গোকিলা, পাথারকান্দি, ফোন ০৩৮৪৩-২৫৫৩৪৯
- ৮) গ্রীপৌষেন্দ্র কুমার সিংহ, খিলনবন্দ, পাথরকান্দি
- ১) শ্রীরাম গোপাল সিংহ, বুরুঙ্গা, পাথারকান্দি
- ১০) শ্রীগোপালধন সিংহ লোয়াইর পোৱা
- ১১) শ্রীসুধন্য সিংহ, রাজবাড়ী, ধর্মানগর, ত্রিপুরা
- ১২) শ্রীইন্দ্রকান্ত সিংহ, কৈলাসহর, ত্রিপুরা, ফোন ০৩৮২৪-২৩২১৫১
- ১৩) শ্রীঅক্ষয় রাজকুমার, কনভেন্টরোড, হাফলং, ফোন-০৩৬৭৩-৩৬৬৪৮
- ১৪) শ্রীবীবেন্দ্র কুমার সিংহ, নিজরাপারপথ, হেঙেরাবারী, গুৱাহাটী-৩৬, ফোন-০৩৬১-২৩৩২৩৭৬
- ১৫) শ্রীইহরাজ সিংহ, পাঞ্জাবারী, গুৱাহাটী, ফোন ০৩৬১-২২৩৩০৬০৭
- ১৬) শ্রীরনোজিৎ সিংহ, খানাপাৰা, গুৱাহাটী, ফোন ০৩৬১-২৫৩১৪৭০
- ১৭) শ্ৰীবিজয়কৃষ্ণ সিংহ, শান্তিপুৰ, ফোন ২৫২০৬১



PHALEI



Orion Tower, G.S. Road, Christian Basti, Guwahati - 781005 Shop No. 19, Mezzanine Floor Telephone : 2340204

Centre of Handloom, Handicraft & Garments Outlet of North-East Women's Welfare Society- Assam

&

The only Library of the Bishnupriya Manipuri Language Books, Periodicals, Journals, Magazine and News papers.

ফলেই

শাখা দোকান

রাজগড় রোড, ওৱেষ্ট বাইলেন - ১২, (কুণ্ডিলনগরপথ) ঘর নং ৪৭, গুৱাহাটী-৭, ফোন - ২৫১৪০৪১

উত্তর-পূব ভারতে বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী হস্ততাত-বস্ত্রশিল্পর একমাত্র দোকান আসাম, বাংলা, মণিপুর, নাগালেণ্ড, মিজোরাম, অরুণাচল, উড়িষ্যা, উত্তর প্রদেশ, হরিয়ানা, কাশ্মীর, হেণ্ডলুম বারো হেণ্ডিক্রেফটর নির্ভরযোগ্য দোকান।

১৯৯৬ ইংরেজীত্ব জাতীয় সেবাত ব্রতী অছে। North-East Women's Welfare Society - Assam

বারো

বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী ঠারর লেইবিক-লেইছৌ, পত্র-পত্রিকার একমাত্র গ্রন্থাগার। বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা পত্রিকা ফলেইত পেইতাঙাই। সম্ভাষা – প্রকাশক – বেছেকুরা – সেবারী

পরিচালক ফলেই

Culture Handloom, Habit Handloom
Support poor women weavers of the North-East

&
Culture Writings, Habit Reading
Support Mother Tongue, Serve the people

Management
Phalet



PHALEI



Orion Tower, G.S. Road, Christian Basti, Guwahati - 781005 Shop No. 19, Mezzanine Floor Telephone : 2340204

Centre of Handloom, Handicraft & Garments
Outlet of North-East Women's Welfare Society-Assam

The only Library of the Bishnupriya Manipuri Language Books, Periodicals, Journals, Magazine and News papers.

ফলেই

শাখা দোকান

রাজগড় রোড, ওরেষ্ট বৃাইলেন - ১২, (কুণ্ডিলনগরপথ) ঘর নং ৪৭, শুৱাহাটী-৭, ফোন - ২৫১৪০৪১

উত্তর-পূব ভারতে বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী হস্ততাত-বস্ত্রশিল্পর একমাত্র দোকান আসাম, বাংলা, মণিপুর, নাগালেণ্ড, মিজোরাম, অরুণাচল, উড়িষ্যা, উত্তর প্রদেশ, হরিয়ানা, কাশ্মীর, হেণ্ডলুম বারো হেণ্ডিক্রেফটর নির্ভরযোগ্য দোকান। ১৯৯৬ ইংরেজীত্ব জাতীয় সেবাত ব্রতী অছে।

North-East Women's Welfare Society - Assam

বারো

বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী ঠারর লেইবিক-লেইছৌ, পত্র-পত্রিকার একমাত্র গ্রন্থাগার। বিষ্ণুপ্রিয়া মণিপুরী সাহিত্য সভা পত্রিকা ফলেইত পেইতাণ্ডাই। সম্ভাষা - প্রকাশক - বেছেকুরা - সেবারী

> পরিচালক ফলেই

Culture Handloom, Habit Handloom Support poor women weavers of the North-East

Collure Writings, Habit Reading
Suppost Mother Tougue, Serve the people

Management